THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 311 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.4 2080 सोमवार, 29 जनवरी-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बिहार में फिर नीतीश कुमार

नौवीं बार ली मुख्यमंत्री पद की शपथ, सम्राट और विजय सिन्हा बने डिप्टी सीएम

सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री, नीतीश कुमार मुख्यमंत्री और विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश कुमार ने रविवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नीतीश ने बतौर मुख्यमंत्री नौवीं बार शपथ ली है। राजभवन के राजेंद्र मंडप में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नीतीश को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नीतीश के मुख्यमंत्री के शपथ लेते ही एनडीए की सरकार बिहार में एक बार फिर सत्तारूढ़ हो गई। नीतीश के शपथ लेते ही जय श्री राम के नारों से राजभवन गूंज गया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा भी उपस्थित रहे। इससे पहले नीतीश कुमार ने रविवार को राजभवन जाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद महागठबंधन की सरकार भंग हो गई थी।

इसके बाद नीतीश ने फिर राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करते हुए भाजपा और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के समर्थन का पत्र राज्यपाल को सौंपा। इसके अलावा दो उपमुख्यमंत्री भी बनाए गए हैं। सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी बिहार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। इससे पहले नीतीश कुमार ने राजभवन पहुंचकर फिर से सरकार बनाने का दावा पेश किया। उनके साथ भाजपा के नेता और हिंदुस्तान अवाम मोर्चा के नेता भी शामिल हैं।

>14

आज बने कानून भारत को मजबूत करेंगे : पीएम

सुप्रीम कोर्ट के डायमंड जुबली सेलिब्रेशन में डिजिटल कोर्ट 2.0 और नई वेबसाइट लॉन्च की

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुप्रीम कोर्ट के डायमंड जुबली सेलिब्रेशन की शुरूआत की। वे कार्यक्रम में शामिल होने सुप्रीम कोर्ट के परिसर पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट अपनी स्थापना के 75वें वर्ष में प्रवेश कर गया है। इस मौके पर पीएम मोदी ने डिजिटल सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट्स (डिजी-एससीआर), डिजिटल कोर्ट्स 2.0 और सुप्रीम कोर्ट की नई वेबसाइट को लॉन्च किया।

इस कार्यक्रम में पीएम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत अधिकारों, फ्रीडम ऑफ स्पीच पर

कई प्रमुख फैसले दिए हैं। इनसे देश के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश को नई दिशा मिली है। आज जो कानून बनाए जा रहे हैं, वे कल के भारत को मजबूती देंगे। जिस तेजी से दुनिया में बदलाव आ रहे हैं, सबकी निगाहें भारत पर टिकी हुई हैं। इससे देश का विश्वास बढ़ रहा है।

इस मौके पर देश के हाईकोर्ट्स के चीफ जस्टिस और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज भी मौजूद रहे। इन प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग के बाद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस कोर्ट में दोपहर 3:30 बजे सुप्रीम कोर्ट की सेरेमोनियल बेंच बैठी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया इस बेंच की अगुआई किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट के अन्य जज भी शामिल हुए।

पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया की निगाहें भारत पर हैं। ऐसे में आज भारत के लिए जरूरी है कि हम हर अवसर का लाभ उठाए। आज भारत की प्राथमिकता है इज ऑफ जस्टिस। भारत के नागरिक इसके हकदार है और सुप्रीम कोर्ट इसका प्रमुख माध्यम है।

देश की पूरी न्याय व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के गाइडेंस पर निर्भर होती है। सुप्रीम कोर्ट की एक्सेसिबिलिटी भारत के अंतिम छोर तक हो। इसी सोच के साथ कुछ दिनों पहले ई-कोर्ट मिशन की स्वीकृति दी गई। इसके तीसरे फेज के लिए 4 गुना ज्यादा राशि स्वीकृत की गई है।

>14

केरल सीएम ने गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान पर निशाना साधा

कहा- कानून से ऊपर कोई नहीं, क्या राज्य में सीआरपीएफ शासन लागू होगा

तिरुवनंतपुरम, 28 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने गवर्नर आरिफ मोहम्मद पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि क्या अब राज्य में सीआरपीएफ का शासन होगा? क्या वह केस रजिस्टर कर सकता है। राज्य में सीआरपीएफ की तैनाती बड़ी अजीब बात है। विजयन ने कहा कि गवर्नर ने शिकायत की थी कि पुलिस उनके मुताबिक काम नहीं कर रही है, तो क्या सीआरपीएफ को उनके मुताबिक काम करने के लिए तैनात किया गया है? कानून से ऊपर कोई नहीं होता है।

दरअसल, 27 जनवरी की सुबह आरिफ मोहम्मद खान को कोल्लम जिले में स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के छात्रों ने काले झंडे दिखाए थे। आरिफ अपनी कार से उतरकर उनकी ओर बढ़े और कहा आओ। इसके बाद पुलिस ने एसएफआई कार्यकर्ताओं को गवर्नर से दूर किया। कार्यकर्ताओं के जाते ही गवर्नर ने एक दुकान से कुर्सी ली और धरने पर बैठ गए।

वीएचपी ने ज्ञानवापी में कोर्ट से वजुखाना एरिया में पूजा की अनुमति मांगी

मुस्लिम समुदाय से की मस्जिद शिफ्ट करने की अपील

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ज्ञानवापी को लेकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे की रिपोर्ट सामने आने के बाद विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने बड़ा बयान दिया है। वीएचपी के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने विवादित वजुखाना क्षेत्र में पूजा शुरू करने का निर्देश देने की कोर्ट से मांग की है। एएसआई की रिपोर्ट में सामने आया है कि मस्जिद का निर्माण मंदिर के खंडहरों पर किया गया है।

वीएचपी के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अलोक कुमार ने मुस्लिम समुदाय से ज्ञानवापी मस्जिद को सम्मानपूर्वक किसी अन्य उचित स्थान पर बनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने मंदिर निर्माण के लिए विवादित जगह को हिंदुओं को सौंप देने की मांग की। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में वीएचपी ने आलोक कुमार के पत्र को शेयर करते हुए कहा कि 'वजुखाना' क्षेत्र में 'शिवलिंग' से कोई संदेह नहीं है कि ढांचा मस्जिद का नहीं है। उन्होंने पत्र में दावा किया कि संरचना में पाए गए शिलालेखों में जनार्दन, रुद्र और उमेश्वर सहित नामों की खोज इसके मंदिर होने का स्पष्ट प्रमाण है।

राहुल की न्याय यात्रा आज बिहार पहुंचेगी

कोलकाता, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दो दिन के ब्रेक के बाद कांग्रेस की न्याय यात्रा रविवार को आज फिर जलपाईगुड़ी से दोपहर 2:30 बजे से शुरू हो गई। यात्रा ने 25 जनवरी को असम से पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में प्रवेश किया था। यहां रोड शो करने के बाद राहुल नई दिल्ली रवाना हो गए थे। सुबह 11:30 बजे वे बागडोगरा एयरपोर्ट पहुंचे।

सूत्रों के मुताबिक, बिहार में नीतीश कुमार के वापस एनडीए के साथ जाने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी और राहुल गांधी की मुलाकात हो सकती है। ममता ने कुछ दिन पहले बंगाल में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। ममता बनर्जी ने 24 जनवरी को लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की थी। इसी दिन एक रोड एक्सीडेंट में उन्हें चोट लगी थी। इसके बाद सोनिया गांधी ने फोन कर उनका हालचाल लिया था। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच सीट शेयरिंग पर एक बार फिर बातचीत को लेकर सहमति बन सकती है।

उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जलपाईगुड़ी में राहुल गांधी और यात्रा के पोस्टर फाड़ दिए गए। 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करने से पहले न्याय यात्रा बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, उत्तर दिनाजपुर और दार्जिलिंग जिलों से होकर गुजरेगी। रविवार रात को सिलीगुड़ी के पास रात्रि विश्राम की योजना है।

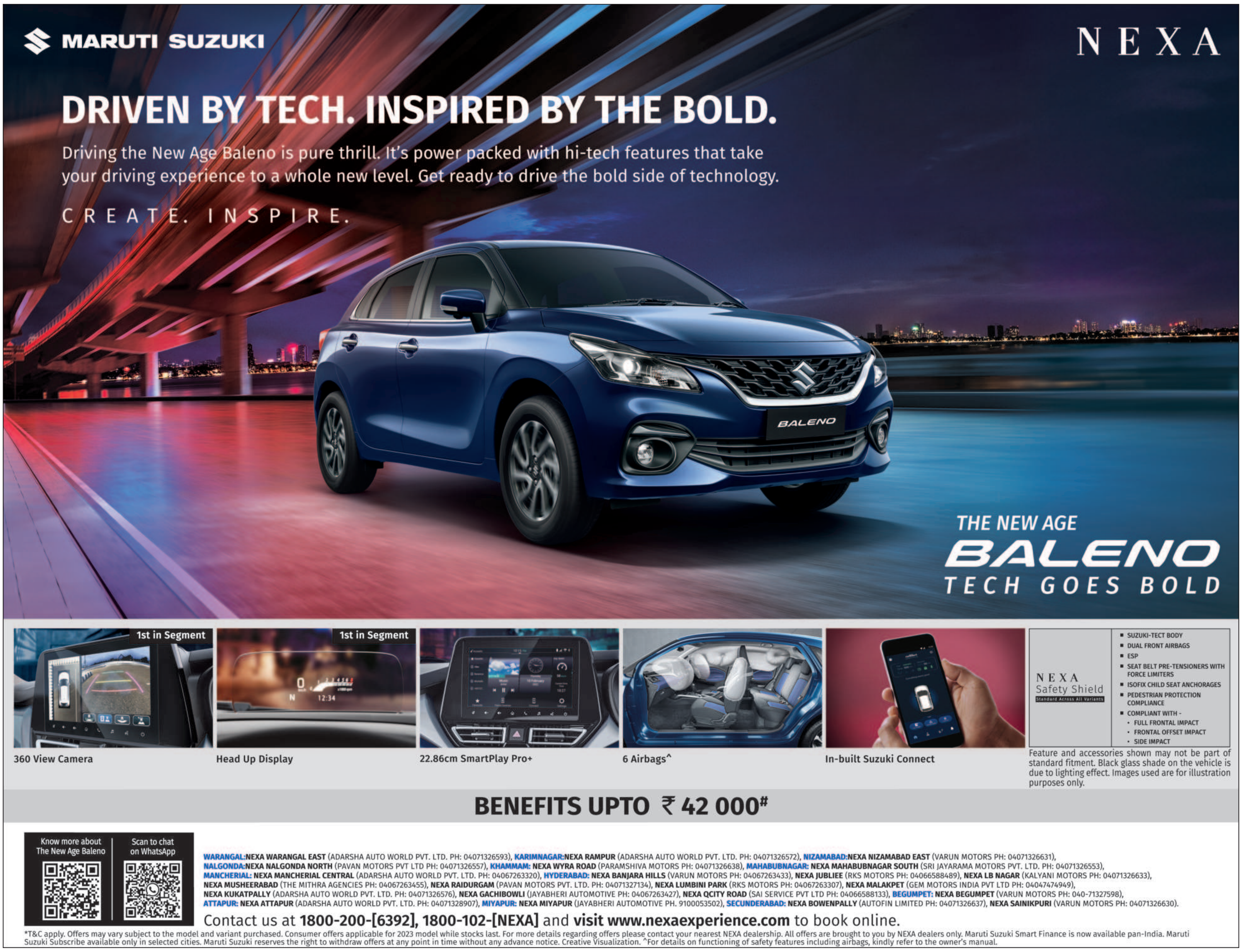

नीतीश के साथ तो फिर चिराग मांझी का क्या होगा

लोकसभा चुनाव में कैसे होगा सीटों का बंटवारा

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का महागठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री पद से एक बार फिर इस्तीफा हो गया। अब वह वापस ऐसी सरकार बनाने की तैयारी में हैं, जिसका वास्तविक जनादेश 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में मिला था। वह 2020 का विधानसभा चुनाव कभी नहीं भूलेंगे, यह कई बार दुहरा चुके हैं क्योंकि करीब दो दर्जन सीटों पर जदयू को हराने में चिराग पासवान की अहम भूमिका थी। उस याद को ताजा करने वाले चिराग पासवान अब नीतीश के सामने होंगे, साथ होंगे या खिलाफ; बड़ा सवाल यही उठ खड़ा हो गया है। करीब डेढ़ साल नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी से दूर रहे और इस दौरान लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करीब आ चुके हैं।

चार दिन पहले तक भाजपा को बिहार की 40 सीटों को अपने अलावा चिराग पासवान, पशुपति पारस, उपेंद्र कुशवाहा, जीतन राम मांझी आदि के बीच बांटना था।

अब बड़े खिलाड़ी नीतीश कुमार भाजपा के साथ हैं तो छोटे दलों की परेशानी तय है। इसी कारण एक चर्चा तेजी से उभर रही है कि राज्य सरकार में चिराग को मजबूत जगह दी जाएगी। ऐसा होता है या नहीं, यह आज जेपी नड्डा के पटना पहुंचने के बाद हो जाएगा।

लोकसभा में सीटों का गणित देखें

बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा-जदयू-लोजपा ने साथ चुनाव लड़ा था। तब भाजपा-जदयू ने 17-17 सीटें रखी थीं और लोक जनशक्ति पार्टी को छह सीटें दी गई थीं। भाजपा और लोजपा का स्ट्राइक रेट 100 प्रतिशत था। जदयू को 17 में से एक सीट पर कांग्रेस ने हराया था। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले परिस्थितियां अलग हैं। चार दिन पहले और अलग थीं।

चार दिन पहले जदयू साथ नहीं था

तब पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास), वर्तमान केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की लोजपा (राष्ट्रीय), पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक जनता दल और जीतन राम मांझी का दल हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा- सेक्युलर साथ थे। लोजपा के दोनों धड़ों की दावेदारी के अलावा बाकी बिना सांसद वाले छोटे दल भी लोकसभा चुनाव में भागीदारी का इंतजार कर रहे थे। अब जदयू के आने के साथ बड़ी हिस्सेदारी का दावा नीतीश कुमार का है, क्योंकि पिछली बार चुने एनडीए के 39 में से 16 सांसद जदयू के हैं।

कानपुर में राम जानकी मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

कानपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में राम जानकी मंदिर को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। बम की धमकी वाले कई पोस्टर दीवारों पर चिपकाए गए थे और मंदिर के फर्श पर बिखरे हुए थे। भाजपा नेता रोहित साहू कानपुर के राम जानकी मंदिर के ट्रस्टी हैं। उन्हें भी धमकी भरा पत्र मिला है। खबरों के मुताबिक, अयोध्या में राम जानकी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। रोहित साहू के छोटे भाई राहुल साहू ने कहा, मुझे सुबह मंदिर की दीवारों पर चिपकाए गए और फर्श पर बिखरे हुए धमकी भरे पत्रों की जानकारी मिली। जब मैं यहां आया, तो मैंने भी हर जगह धमकी भरे पत्र बिखरे हुए देखे। मैं डर गया। किसी भी संभावित स्थिति से बचने के लिए मैंने दरवाजे बंद कर दिए और पुलिस बैरिकेड्स लगा दिए। पुलिस ने कहा, हमें मंदिर परिसर के अंदर धमकी भरे पोस्टर के बारे में पता चला है।

दिल्ली में सर्दी का सितम जारी

न्यूनतम तापमान 6 डिग्री दर्ज, 'गंभीर' श्रेणी में हवा की गुणवत्ता

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्लीवासियों की रविवार को सुबह हल्के कोहरे और ठंडी सुबह के साथ हुई। राजधानी में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसमी औसत से तीन डिग्री कम है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि कोहरे के चलते सुबह साढ़े सात बजे पालम में विजिबिलिटी कम होकर 1200 मीटर और सफदरजंग में 700 मीटर रह गई। इसके अलावा, शहर भर के कई स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता 'गंभीर स्तर' पर बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार इलाके में सुबह 9 बजे पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 का स्तर 491 पर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया और पीएम 10 का स्तर 500 पर पहुंच गया, जबकि नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ 2) 245 यानी 'खराब' श्रेणी पर था। शून्य और 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को 'अच्छा' माना जाता है, 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 और 500 'गंभीर' माना जाता है। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) हवाई अड्डे टर्मिनल 3 पर पीएम 10 का स्तर गंभीर स्तर पर 449 पर था, और पीएम 2.5 का स्तर 377 पर था, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था, जबकि कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) 118 यानी 'मध्यम' स्तर पर था।

बिहार की नई सरकार पर बरसा लालू का परिवार,

रोहिणी, तेज प्रताप और तेजस्वी ने क्या कहा?

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के राजनीतिक संग्राम ने अचानक से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। नीतीश कुमार ने लालू की पार्टी को छोड़ दिया। इसके बाद भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए के साथ फिर से सरकार बनाई है। एकाएक हुए इस दल-बदल घटनाक्रम से लालू की पार्टी और लालू का परिवार सन्न है। लालू यादव के साथ-साथ तेज प्रताप यादव, तेजस्वी यादव और रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर नीतीश कुमार के खिलाफ अपनी भड़ास निकाली है। जानते हैं कि लालू के परिवार में किसने क्या कहा?

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर जमकर निकाली भड़ास

शुरुआत करते हैं लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य से। रोहिणी ने सोशल मीडिया एक्स पर नीतीश कुमार के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली है। उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि कूड़ा गया फिर से कूड़ेदानी में कूड़ा। मंडली को बदबूदार कूड़ा मुबारक। इसके बाद उन्होंने लिखा कि बिहार तेजस्वी के साथ है। इतना ही नहीं, उन्होंने एक तीसरा ट्वीट भी किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि उसके साथ रहना बेकार है। जिसकी विचारधारा गिरगिट कुमार है।

लालू यादव ने सांप से की नीतीश कुमार की तुलना

उधर, आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने सोशल मीडिया एक्स से एक ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि नीतीश सांप है जैसे सांप केंचुल छोड़ता है, वैसे ही नीतीश भी केंचुल छोड़ता है। हर 2 साल में सांप की तरह नया चमड़ा धारण कर लेता है। किसी को शक? पिता लालू यादव के इस ट्वीट को बेटी रोहिणी ने री-ट्वीट किया है।

तेजस्वी यादव बोले- तो चारा घोटाला हो जाता भाईचारा घोटाला

इसके बाद बिहार के डिप्टी सीएम और लालू यादव के बेटे तेजस्वी ने भी ट्वीट किया। इसमें लिखा है कि अगर लालू जी भाजपा से हाथ मिला लेते तो वो आज हिंदुस्तान के राजा हरीशचंद्र होते। तथाकथित चारा घोटाला दो मिनट में भाईचारा घोटाला हो जाता अगर लालू जी का डीएनए बदल जाता।

तेज प्रताप ने 'भावों' में व्यक्त की अपनी भावना

लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप ने भी अपने एक्स से ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि जब भाव न जागा भावों में, उन भावों का कोई भाव नहीं, ऐसे भावों का कोई स्थान नहीं, जिनका भाव नहीं अपनों के भावों में, कहां रखा है भाव तेरा, जिनका ख्याल तेरे भावों में, बस सत्ता का ख्याल है तेरी भावों में, अपनों के भावों का क्या हुआ? तेरा अंत होगा और अंत होगा तेरे भावों का, कोई स्थान नहीं होगा तेरा, जब बात होगी तेरी भावों की।

इस्तीफे के लिए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश को कहा धन्यवाद, बोले- नहीं आएगा जंगल राज

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार को इस्तीफा देने के बारे में उन्हें कहा कि नीतीश जी को इस्तीफा देने के लिए धन्यवाद। नीतीश कुमार जी को मैं धन्यवाद देता हूं। उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। उनकी जो भी मजबूरी रही, लेकिन बिहार में डर बना था कि क्या फिर से बिहार को डेढ़ साल में जंगल राज-2 की स्थिति आ गई थी। अगर उनकी सरकार में तेजस्वी की ताजपोशी हो जाए तो बिहार में बड़ी कठिनाई होती। मैं बिहार वासियों से इतना ही कहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी 2005 तक जंगलराज के खिलाफ लड़ाई लड़ती रही और हम कुर्बानी देते रहे। हमने उसे समय भी अपने संगठन के बलबूते पर नीतीश कुमार को 2000 से ही मुख्यमंत्री केवल इसलिए बनाया कि जंगल राज से मुक्ति मिले। अब इन्होंने इस्तीफा दे दिया है। मुझे डर लग रहा था, जिस तरीके से प्रेशर पर रहा था लालू यादव का नीतीश कुमार जी के ऊपर तेजस्वी की ताजपोशी के लिए, तो फिर बिहार दोबारा जंगल राज आ जाता। इससे मुक्ति मिली, अब भारतीय जनता पार्टी जंगल राज नहीं आने देगी। लालू जी की ताजपोशी नहीं होगी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लालू यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अपने पुत्र को मुख्यमंत्री बनने के लिए काफी कोशिश कर रहे थे और नीतीश कुमार को चारों तरफ से दबाव दे रहे थे।

'वन नेशन वन इलेक्शन' समिति ने पूर्व न्यायाधीशों, राजनेताओं से की मुलाकात

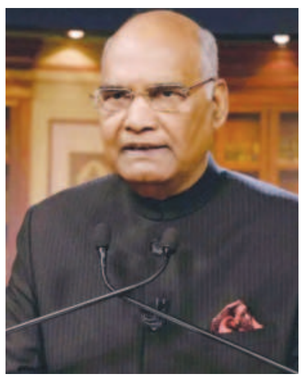

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। एक राष्ट्र एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) के अध्यक्ष, भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति यू.यू. ललित, मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव बनर्जी और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के साथ परामर्श किया। भारत सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने से संबंधित मुद्दे की जांच करने और उस पर सिफारिशें करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' समिति का गठन किया है। कानून और न्याय मंत्रालय ने कहा कि न्यायमूर्ति संजीव बनर्जी, न्यायमूर्ति यू.यू. ललित और बार काउंसिल के अध्यक्ष ने इस विषय पर अपनी राय दी। संदर्भ की शर्तों के अनुसार, समिति को स्थायी आधार पर एक साथ चुनाव कराने के लिए उचित कानूनी और प्रशासनिक ढांचे के निर्माण, संविधान और संबंधित चुनाव कानूनों में आवश्यक संशोधनों की पहचान, सामान्य मतदाता सूची तैयार करने, ईवीएम/वीवीपीएटी जैसे लॉजिस्टिक्स आदि के लिए सिफारिशें करने की आवश्यकता है। अधिकारी ने बताया कि राजनीतिक दलों के साथ अपनी चर्चा जारी रखते हुए, कोविंद ने महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, गोवा के अध्यक्ष दीपक 'पांडुरंग' धवलीकर के साथ भी बातचीत की। वन नेशन वन इलेक्शन कमेटी ने कहा कि एचएलसी की चौथी बैठक हुई।

परीक्षा देने जा रही महिला आरक्षक की सड़क हादसे में मौत

छिंदवाड़ा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पांढुरना के बड़चिचोली चौकी में महिला आरक्षक के पद पर स्थित सीमा मरकाम की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह बड़चिचोली चौकी से छुट्टी लेकर परीक्षा देने बैतूल जा रही थी। इसी दौरान अज्ञात डंपर ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। कार में सवार महिला आरक्षक सीमा मरकाम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद से अज्ञात डंपर चालक फरार है। बड़चिचोली चौकी में पदस्थ महिला आरक्षक सीमा मरकाम का विवाह मई में दिल्ली में आर्मी मे पदस्थ झवलु धुर्वे से हुआ था। शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंपा दिया गया है। बड़चिचोली चौकी में पदस्थ महिला आरक्षक सीमा मरकाम की दुर्घटना में मौत होने पर बड़चिचोली में गम का माहौल है। बताया जा रहा है कि सीमा मरकाम मृदुभाषी तथा सरल स्वभाव की महिला आरक्षक थी।

कांग्रेस ने नीतीश की तुलना "गिरगिट" से की

कहा: जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस ने उनकी तुलना "गिरगिट" से की और कहा कि राज्य के लोग इस "विश्वासघात" के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को रविवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया। वह राज्य में 'महागठबंधन' से अलग हो गए। कुमार के इस कदम से 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को भी बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह महागठबंधन छोड़ने के कुमार के फैसले के बारे में पहले से जानते थे लेकिन उन्होंने 'इंडिया' को बरकरार रखने के लिए कुछ नहीं कहा। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "देश में 'आया राम-गया राम' जैसे कई लोग हैं। पहले वे और हम मिलकर लड़ रहे थे। जब मैंने लालू (प्रसाद) जी और तेजस्वी (यादव) जी से बात की तो उन्होंने भी कहा कि नीतीश जा रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि यदि कुमार रुकना चाहते तो वह रुक सकते थे लेकिन वह तो जाना ही चाहते थे

खरगे ने कहा, "इसलिए ये बात हमें पहले से ही पता थी, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन को बरकरार रखने के लिए हमने कुछ नहीं कहा। अगर हम कुछ गलत कहते तो बाहर गलत संदेश जाता। इसकी जानकारी हमें लालू प्रसाद यादव जी और तेजस्वी यादव जी ने पहले ही दे दी थी। आज यह सच हो गया।" बार-बार पार्टी बदलने के संदर्भ में 'आया राम गया राम' जुमले का 1990 के दशक में राजनीति में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया गया था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नीतीश कुमार के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह साफ है कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से ध्यान भटकाने के लिए यह "राजनीतिक नाटक" किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही बिहार में प्रवेश करने वाली राहुल गांधी की यात्रा से "घबराए हुए" हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "बार-बार राजनीतिक साझेदार बदलने वाले नीतीश कुमार रंग बदलने में गिरगिटों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं।" उन्होंने कहा कि बिहार की जनता "विश्वासघात विशेषज्ञ" और उन्हें इशारों पर नचाने वालों को माफ नहीं करेगी। रमेश ने कहा, "बिल्कुल साफ है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रधानमंत्री और भाजपा घबराए हुए हैं और उससे ध्यान हटाने के लिए यह राजनीतिक नाटक रचा गया है।" राज्यपाल ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नयी सरकार के गठन तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से शाम तक नयी सरकार के गठन की संभावना है।

ग्वालियर में सामूहिक आत्महत्या, परिवार के तीन सदस्यों ने लगाई फांसी

ग्वालियर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में सामूहिक आत्महत्या का मामला सामने आया है। सिरोल इलाके में दंपति और उनका मासूम बेटा फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर बुला ली है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉ अखिलेश भार्गव पड़ताल में जुट गए हैं। यह पूरी घटना सिरोल थाना क्षेत्र में आने वाले हुरावली इलाके की है। हुरावली इलाके में जितेंद्र झा का परिवार रहता था। जितेंद्र मजदूरी करता था और उसके साथ उसकी पत्नी त्रिवेणी और बेटा अचल भी रहते थे। मामले का खुलासा जब हुआ तब पड़ोस के लोगों को बदबू आई उन्होंने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। पड़ोसियों की सूचना पर तत्काल सिरोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जब घर का दरवाजा खोला तो तीन लोग फांसी पर लटके हुए थे।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा-बाहर कितनी भी साख हो, मुझे पत्नी तीन हजार रुपये से ज्यादा नहीं देती

इंदौर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन डेंटल एसोसिएशन के कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने हाथ खर्च को लेकर राज खोला और श्रोता ठहाके मारकर हंसने लगे। दरअसल वे मंत्रालय की फायनेंस मिनिस्ट्री के बारे में बोल रहे थे। विजयवर्गीय ने कहा कि सरकार में वित्त मंत्रालय सबसे महत्वपूर्ण होता है। देश का यह मंत्रालय एक महिला के हाथ में है। परिवार में भी यह जिम्मेदारी महिला संभालती है। फिर उन्होंने पत्नी आशा विजयवर्गीय का जिक्र छेड़ दिया और कहा कि मैं दोस्तों से कई बार मजाक में कहता हूं कि बाजार में भले ही मेरी कितनी भी साख हो, लेकिन घर में तीन हजार रुपये की है। घर से निकलते समय पत्नी तीन हजार रुपये से ज्यादा नहीं देती। जब मैं जल्दी तीन हजार रुपये खर्च कर देता हूं तो कहती है कि इतनी जल्दी पैसे कैसे खर्च हो गए तो मैंने बताता हूं कि कुछ मंदिरों में गया था। मैं मैनेजमेंट के बारे में बता रहा हूं कि आखिर महिलाएं किस तरह इसे संभालती है। इसी वजह से हमारी वित्त मंत्री महिला है। एसोसिएशन के कार्यक्रम में विजयवर्गीय ने वरिष्ठ चिकित्सक डा. प्रकाश दीक्षित का सम्मान भी किया।

संसद भवन में गेस्ट के लिए व्यवस्था में बदलाव

क्यूआर कोड, आधार और स्मार्ट कार्ड से होगी एंट्री

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। संसद भवन में सुरक्षा चूक के बाद अब बजट सत्र में अब परिसर में दर्शकों के प्रवेश के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। दर्शकों को पहले संसद की विजिट के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा और उसके अप्रूवल के बाद उनके फोन पर एक क्यूआर कोड दिया जाएगा, जो मोबाइल पर आएगा। दर्शकों को मोबाइल पर आए क्यूआर कोड का प्रिंट आउट लेकर संसद जाना होगा। साथ में आधार कार्ड भी लाना होगा। वहीं प्रवेश के लिए संसद पहुंचने पर सबसे पहले क्यूआर कोड अप्रूवल कराना होगा।

विजिटर्स गैलरी के लिए स्मार्ट कार्ड

वहीं इन सबकी पड़ताल करने के बाद रिसेप्शन पर दर्शकों का बायोमेट्रिक होगा और फोटोग्राफ लिया जाएगा। इसके बाद दर्शक को विजिटर्स गैलरी के लिए स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा। इसके बाद लोगों को दर्शक दीर्घा में प्रवेश के लिए स्मार्ट कार्ड टैप करना होगा उसके बाद ही बैरियर खुलेगा।

दर्शकों को वापस करना होगा स्मार्ट कार्ड

वहीं संसद से वापस जाने के पहले दर्शकों को स्मार्ट कार्ड वापस जमा करना होगा। अगर कोई कार्ड जमा नहीं कराता है तो उस दर्शक को ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा और उसकी आगे कभी भी संसद परिसर में एंट्री नहीं होगी। सांसदों को कहा गया है कि अपने विजिटर्स के पास के लिए कम से कम तीन दिन पहले अप्लाई करें ताकि पुलिस वेरिफिकेशन हो सके।

31 जनवरी शाम चार बजे तक आवेदन

एक फरवरी को अंतरिम बजट के लिए भी दर्शक दीर्घा में प्रवेश के लिए 31 जनवरी शाम चार बजे तक आवेदन हो सकता है। सांसदों से कहा गया कि इस दिन के लिए वे दर्शक दीर्घा के लिए केवल एक ही पास के लिए आवेदन करें। हालांकि सांसद के जीवनसाथी को प्राथमिकता दी जाएगी।

नेपाली विदेश मंत्री ने कहा-कालापानी और सुस्ता के अलावा भारत के साथ कोई सीमा विवाद नहीं

काठमांडू, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल और भारत के सीमा विवाद को दोनों देशों के बीच "एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा" बनाने के बजाय इसे "बातचीत के माध्यम से सौहार्दपूर्ण तरीके" से हल किया जा सकता है क्योंकि दोनों देश साझी संस्कृति में एक साथ बंधे हुए हैं। नेपाल के विदेश मंत्री एनपी। सऊद ने यह बात कही। सऊद शुक्रवार को मनाए गए भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर यहां नेपाल-भारत मैत्री सोसायटी द्वारा आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। नेपाल को नयी दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण देश माना जाता है क्योंकि यह पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक की सीमा साझा करता है। काठमांडू द्वारा 2020 में एक नया राजनीतिक मानचित्र प्रकाशित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। इस मानचित्र में तीन भारतीय क्षेत्रों - लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख - को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाया गया था। भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे "एकतरफा कृत्य" बताया और काठमांडू को आगाह किया

सुविचार

नियत साफ हो और मकसद नेक हो तो, परमात्मा किसी ना किसी रूप में आपकी मदद जरूर करता है।

कांग्रेस ने अपने वादों का सम्मान न करके लोगों को धोखा दिया : हरीश राव

मेदक, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और विधायक हरीश राव ने आज मेडक विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि उन्होंने मेडक संसद सीट के तहत सात विधानसभा सीटों में से छह पर जीत हासिल की है और कहा कि उनकी पार्टी के नेता पद्मा देवेंदर रेड्डी मेदक विधानसभा सीट से मामूली अंतर से चुनाव हार गए हैं। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी होता है वह होता है उनके लिए अच्छा है, राव ने कहा कि लोग कांग्रेस पार्टी को वोट देने के अपने फैसले के बारे में सोच रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने विभिन्न गारंटी देने का वादा करके लोगों को धोखा दिया है, जबकि उन्हें पता था कि कोई बजट नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जो पांच गारंटी के साथ कर्नाटक राज्य में सत्ता में आई थी, ने आठ महीने बाद भी अपने वादों को लागू नहीं किया है और कहा कि कर्नाटक के लोग अब कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी आगामी संसदीय चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है। चुनाव. यह कहते हुए कि छह महीने बाद स्थानीय निकाय चुनाव होंगे, उन्होंने कहा कि लोग बीआरएस पार्टी को वोट देंगे। यह दावा करते हुए कि मुफ्त बिजली की आपूर्ति नहीं की जा रही है, उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली की मोटरें और ट्रांसफार्मर जल रहे हैं और कहा कि बिजली की मोटरों और जनरेटरों की मरम्मत का व्यवसाय बढ़ गया है, जबकि उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी के शासन द्वारा लाया गया बदलाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत सीएम पद का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को सत्तारूढ़ दल द्वारा परेशान किया जा रहा था जब वे उसके द्वारा किए गए वादे को लागू करने की मांग कर रहे थे। यह कहते हुए कि उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ धमकी देने के अलावा झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने उनके खिलाफ मामले दर्ज किए होते तो आधे कांग्रेसी जेल में होते। उन्होंने कहा कि रैतू बंधु योजना का लाभ 15,000 तक नहीं बढ़ाया गया है और कहा कि राज्य सरकार किसानों को मौजूदा 10,000 भी नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों की पेंशन 4,000 रुपये तक नहीं बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि अगर 100 दिनों के भीतर वादे पूरे नहीं किए गए, तो लोगों द्वारा उन्हें सबक सिखाया जाएगा और कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी दो लाख रुपए के फसल ऋण को माफ करने में विफल रही तो लोग आगामी लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को संसदीय चुनाव संहिता लागू होने से पहले अपने वादे पूरे करने चाहिए और अपनी ईमानदारी साबित करनी चाहिए।हरीश राव ने कहा कि उन्होंने उन वादों को भी लागू किया है जो उन्होंने चुनाव घोषणापत्र में नहीं किए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने हर घर में पीने का पानी, 11 लाख आदिवासी किसानों के लिए कल्याण लक्ष्मी और रैतू बंधु के वादे को लागू किया है, भले ही चुनाव में ये वादा नहीं किया गया था।

शहर के ट्रैफिक को लेकर सीएम गंभीर

हैदराबाद,28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। महानगर में व्याप्त ट्रैफिक समस्या को लेकर सीएम गंभीर हैं। इसके साथ ही पुलिस ने ट्रैफिक पर फोकस किया. शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में शहर कोतवाल कोथाकोटा श्रीनिवास रेड्डी की अध्यक्षता में समन्वय बैठक हुई। साइबराबाद सीपी अविनाश महंती, राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू, आरटीसी एमडी सज्जनार, एचएमडीए आयुक्त दानकिशोर, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस, अन्य विभागों के अधिकारी, हैदराबाद, रंगारेड्डी, यादाद्री, मेडचल जिलों के कलेक्टर, मेट्रो रेल, जल बोर्ड, बिजली विभाग के अधिकारी और यातायात इस बैठक में पुलिस ने हिस्सा लिया। इस मौके पर सभी विभागों के अधिकारियों की सलाह और सुझाव से पुलिस विभाग ने शहर में ट्रैफिक समस्या से निजात पाने के लिए विशेष योजना तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है।

पिछले साल अगस्त में हुई बैठक से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य रूप से सड़कों पर अतिक्रमण, पार्किंग, व्यस्त सड़कों पर वैकल्पिक मार्ग, अधूरे पुलों का निर्माण और कचरा डंपिंग जैसे यातायात की समस्या पैदा करने वाले मुद्दों पर चर्चा की गई। सड़कों के चौड़ीकरण की संभावनाओं की जांच की गई।

कांग्रेस सरकार शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाएगी : उत्तम

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार राज्य में शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। इसमें मौजूदा बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और उन्नत करने के साथ-साथ नई सुविधाएं बनाने के लिए बजटीय आवंटन और व्यय में पर्याप्त वृद्धि शामिल है।

रविवार को हुजूरनगर में सरकारी हाई स्कूल के ओल्ड बॉयज़ रीयूनियन को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि स्कूल केवल भौतिक संरचनाएं नहीं हैं; वे भावनाओं और बचपन की यादों से जुड़े हुए हैं। स्कूल प्रजनन स्थल के रूप में काम करते हैं जहां बीज पौधों में विकसित होते हैं और अंततः बड़े पेड़ों में विकसित होते हैं। स्कूलों में बिताया गया समय हमारी यादों में अंकित हो जाता है, यह आकार देता है कि हम भविष्य में क्या बनेंगे और हमारे जीवन पर स्थायी प्रभाव छोड़ता है। उन्होंने कहा, इसमें स्कूल की इमारतों, कक्षाओं, खेल के मैदानों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे शिक्षकों की यादें शामिल हैं।

ओल्ड बॉयज़ रीयूनियन के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन हर किसी को एक साथ आने और स्कूल में बिताए गए अपने बचपन के सबसे अच्छे पलों को याद करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। सहपाठियों से मिलने और पुराने दिनों को याद करने से पुरानी यादों और सौहार्द की भावना बढ़ती है। उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस सरकार स्कूलों से जुड़े भावनात्मक मूल्य को पहचानती है और उन्हें बेजान भौतिक संरचनाओं के रूप में नहीं देखती है। उन्होंने कहा कि पिछले बीआरएस शासन के दौरान बंद हुए सरकारी स्कूलों को फिर से खोलने, उन्हें आधुनिक बुनियादी सुविधाओं से लैस करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना किसी भी राज्य के विकास की कुंजी है। हालाँकि, उन्होंने बताया कि पिछले बीआरएस शासन के तहत शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा की गई थी, साल दर साल बजटीय आवंटन में कमी की गई थी। 2014-15 में आवंटन कुल बजट का 10.89 प्रतिशत था, जो 2023-24 में घटकर 6.5% प्रतिशत हो गया। पिछली केसीआर सरकार द्वारा केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा के वादे के बावजूद, तेलंगाना का शिक्षा पर खर्च देश के सभी राज्यों में सबसे कम रहा। मन ऊरु मन बड़ी पहल को पूरी तरह विफल माना गया, केवल 300 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। उत्तम कुमार रेड्डी ने पुष्टि की कि कांग्रेस सरकार चरणबद्ध तरीके से तेलंगाना में संपूर्ण शिक्षा प्रणाली का चेहरा व्यवस्थित रूप से बदलने की योजना बना रही है। कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए कई वादे किए और उन्होंने आश्वासन दिया कि ये सभी वादे पूरे किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की जाएगी। शैक्षणिक संस्थानों में सभी रिक्त कर्मचारियों के पद भरे जाएंगे और प्रत्येक मंडल में आधुनिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे वाला एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल स्थापित किया जाएगा, जिसमें मुफ्त बस सेवाएं प्रदान की जाएंगी। प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए गाँव से लेकर जिला स्तर तक स्कूलों और कॉलेजों का एक विशाल नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। उत्तम कुमार रेड्डी ने लोगों से शिक्षा क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और मजबूत करने में कांग्रेस सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच मिलनी चाहिए, चाहे उनके माता-पिता की वित्तीय स्थिति कुछ भी हो। वयस्कों के रूप में, यह हमारा कर्तव्य है कि हम बच्चों को स्कूल जाने और अपनी यादें बनाने का अवसर प्रदान करें, जिससे उनकी भविष्य की सफलता सुनिश्चित हो सके।

'मुफ्त' के घाटे से निकलने के तरीके तलाश रही आरटीसी

अधिकारियों ने दिया विशेष बसों में किराया वसूलने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के महालक्ष्मी चुनावी वादों में से एक महिलाओं को मुफ्त सफर के कारण होने वाले घाटे से बचने के तरीके तलाशने में टीएसआरसीटी के अधिकारी लगे पड़े हैं। मुफ्त सफर के कारण होने वाले वित्तीय प्रभाव से बचने की कोशिश में, टीएसआरटीसी जाहिर तौर पर अपने राजस्व को बढ़ाने के तरीकों पर विचार कर रहा है। इसके तहत अधिकारियों ने विशेष बसों में मुफ्त यात्रा को खत्म करने और इसके बदले किराया वसूलने का प्रस्ताव दिया है, जिससे निगम का राजस्व बना रहेगा।

चुनाव में दिए गए महालक्ष्मी वादों में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा एक था । दिसंबर 2023 में इसकी शुरुआत के बाद से, लगभग 11 करोड़ महिलाओं ने पूरे तेलंगाना में सिटी ऑर्डिनरी, मेट्रो एक्सप्रेस और पल्ले वेलुगु बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाया है।

अधिकारी ऐसे उदाहरणों की ओर इशारा करते हैं कि महिलाओं ने बसों में सिर्फ इसलिए यात्रा की क्योंकि यह मुफ़्त थी। हाल ही में, ऐसी भी खबरें आई हैं कि लोग लंबी दूरी की एक्सप्रेस बसों में चढ़ रहे हैं और उन्हें रुक-रुक कर या जहां चाहें रुकवा रहे हैं।

इसके साथ ही आरटीसी अधिकारियों को महिलाओं से ऐसा न करने की अपील करनी पड़ी। संक्रांति त्योहार के सीज़न के दौरान, महिलाओं को निगम द्वारा चलाई गई विशेष बसों में मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी गई थी।

अधिकारियों ने कहा कि मुफ्त यात्रा सभी त्योहारों पर विशेष सेवाओं पर लागू होगी। लेकिन फरवरी में मुलुगु के मेदाराम में होने वाले 'समक्का-सरक्का' द्विवार्षिक मेले के साथ, आरटीसी अधिकारियों ने विशेष बसों में मुफ्त यात्रा को खत्म करने और किराया वसूलने का प्रस्ताव दिया है।

हाल ही में, आरटीसी के शीर्ष अधिकारियों ने परिवहन विभाग के बजट पर चर्चा करने के लिए उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मुलाकात की।

अधिकारियों ने कथित तौर पर सुझाव दिया कि यदि त्योहारी सीजन के दौरान विशेष बसों में महिलाओं के लिए किराया वसूला जाए, तो राजस्व में वृद्धि की संभावना है। हालाँकि, पता चला है कि सरकार ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। वास्तव में, इसने निगम को आश्वासन दिया था कि आगामी मेदाराम मेले में यात्रा का कुल लागत वहन करेगी। टीएसआरटीसी ने 21-24 फरवरी तक आयोजित होने वाले मेदाराम मेले के लिए लगभग 6,000 विशेष बसें चलाने की योजना बनाई है।

ई-केवाईसी की समय सीमा बढ़ी

हैदराबाद,28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)।, केंद्र सरकार ने राशन कार्डों के लिए ई-केवाईसी की समय सीमा बढ़ा दी है। मौजूदा समयसीमा 31 जनवरी को खत्म हो जाएगी। कई राज्यों में यह पूरी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। इसी कड़ी में केंद्र ने राशन कार्डों को आधार नंबर से जोड़ने की समय सीमा फरवरी के अंत तक बढ़ा दी है। तेलंगाना में राशन कार्डों का ई-केवाईसी 75.76 प्रतिशत पूरा हो गया है। नागरिक आपूर्ति आयुक्त डीएस चौहान ने सभी जिलों के अतिरिक्त कलेक्टरों और हैदराबाद के मुख्य राशन अधिकारी को फरवरी के अंत तक 100 प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया है।

अटकलों के बीच एक और बीआरएस विधायक ने सीएम रेवंत से की शिष्टाचार मुलाकात

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अटकलों के बीच, राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र से एक और बीआरएस विधायक प्रकाश गौड़ ने रविवार को यहां मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। हालाँकि, कुछ विधायकों के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने की अफवाहों के बीच मुख्यमंत्री के साथ बीआरएस विधायक की बातचीत महत्व रखती है। पिछले हफ्ते 23 जनवरी को चार बीआरएस विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी (नरसापुर), कोत्ता प्रभाकर रेड्डी (दुब्बाका), गुडेम महिपाल रेड्डी (पठानचेरु) और माणिक राव (जहीराबाद) ने भी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी। भले ही विपक्षी विधायक दावा कर रहे हैं कि उनकी यात्रा विकास के मुद्दों पर केंद्रित है, कुछ बीआरएस विधायक पार्टी छोड़ने के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ नियमित संपर्क में हैं। विधानसभा में कांग्रेस के अल्प बहुमत को देखते हुए यह बैठक अतिरिक्त महत्व रखती है। 64 विधायकों के साथ कांग्रेस के पास फिलहाल जादुई आंकड़े से सिर्फ चार विधायकों का बहुमत है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव से पहले अपना हाथ मजबूत करने की योजना बना रही है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस 15 से अधिक बीआरएस विधायकों के संपर्क में है। ऐसा कहा जा रहा है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव से पहले मजबूत होने के लिए कुछ बीआरएस विधायकों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है।

केसीआर के आंदोलन सभी के लिए प्रेरणा : कविता

कहते हैं कि सभी के लिए आनुपातिक आरक्षण होना चाहिए मध्य प्रदेश में पीड़ित अधिकार यात्रा का शुभारंभ

दतिया (मध्य प्रदेश), 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने कहा है कि बीआरएस पार्टी प्रमुख केसीआर द्वारा तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लिए किया गया आंदोलन सभी के लिए एक प्रेरणा है और उन्होंने कहा कि ओबीसी के अधिकारों के लिए आंदोलन होना चाहिए। केसीआर की प्रेरणा से किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केसीआर की मदद से किए गए हर आंदोलन के नतीजे आएंगे। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि उन्होंने उदाहरण लिया और केसीआर से प्रेरणा लेकर मध्य प्रदेश में ओबीसी अधिकारों के लिए लड़ाई शुरू की। उनका मानना था कि आनुपातिक आरक्षण होना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि बीसी जाति जनगणना की जाए और ओबीसी महिलाओं को विधानसभाओं में महिला आरक्षण में कोटा दिया जाए। उनके द्वारा महिला आरक्षण अधिनियम को बाद की तारीख का चेक बताकर आलोचना की गई है। उन्होंने यह भी मांग की कि केंद्र में ओबीसी के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश के दतिया जिला मुख्यालय से ओबीसी राइट्स फ्रंट के संस्थापक दामोदर सिंह यादव द्वारा आयोजित "पीड़ित अधिकार यात्रा" के उद्घाटन समारोह में एमएलसी कल्वकुंतला कविता मुख्य अतिथि थीं। दतिया में ओबीसी मोर्चा के नेताओं, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने एमएलसी कविता का भव्य स्वागत किया। यात्रा का उद्घाटन करने के बाद इस अवसर पर बोलते हुए कविता ने कहा कि केसीआर ने तेलंगाना के लिए आंदोलन के दौरान कभी हिम्मत नहीं हारी और तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद लक्ष्य के लिए काम किया और तेलंगाना को हासिल किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केसीआर ने साहस के साथ आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के बाद केसीआर 10 साल तक सीएम रहे और उन्होंने सभी वर्गों के लोगों, खासकर किसानों के लिए कई अच्छे काम किए। उन्होंने याद दिलाया कि किसानों को खाद और बीज के लिए लाइन लगाने की स्थिति दूर हो गई है। किसानों को निवेश सहायता प्रदान करने के अलावा, हमने सरकार के लिए कटी हुई फसल खरीदने के लिए एक तंत्र भी बनाया है। केसीआर ने तेलंगाना को औद्योगिक रूप से विकसित किया है और लगभग 30 लाख लोगों के लिए नौकरियां पैदा की हैं। लेकिन अगर आप झाँसी रेलवे स्टेशन को देखेंगे तो आपको मध्य प्रदेश से हो रहे पलायन का एहसास हो जाएगा और बड़े उद्योगों के अभाव के कारण पढ़े-लिखे बच्चों को भी दूर-दराज के इलाकों में जाकर काम करना पड़ता है। आजादी के %5 साल बाद भी, हमें अभी भी ओबीसी के अधिकारों के लिए लड़ना है। उन्होंने मांग की कि आरक्षण आनुपातिक रूप से दिया जाना चाहिए लेकिन यह भी कहा कि सरकारें उस दिशा में कदम नहीं उठा रही हैं क्योंकि ओबीसी एकजुट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि ओबीसी, महिलाओं और अन्य हाशिए पर रहने वाले वर्गों की राजनीतिक, शैक्षिक और रोजगार क्षेत्रों में पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं है।

लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : डॉ. लक्ष्मण

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद लक्ष्मण ने आज दावा किया कि इंडिया अलायंस के साझेदार दुनिया भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर हताशा से बाहर आ रहे हैं। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि विपक्षी दलों ने नरेंद्र मोदी को एक बार फिर प्रधान मंत्री बनने से रोकने की उम्मीद के साथ भारत गठबंधन का गठन किया।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए लक्ष्मण ने इंडिया अलायंस को अहंकार का गठबंधन करार दिया। "देश में पारिवारिक पार्टियाँ पुरानी हो चुकी हैं। तेलंगाना में भी कांग्रेस सरकार अवसरवादी राजनीति कर रही थी। लोगों को गारंटी और मुफ्त सुविधाओं से धोखा देकर सत्ता में आई कांग्रेस एक बार फिर लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रही है।" उन्होंने दावा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं की आवाज, जिन्होंने कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कराने और लोगों को भ्रष्ट धन वितरित करने का वादा किया था, अब चुप करा दी गई है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने बिना किसी सिफारिश के तेलुगु व्यक्तियों को पद्म विभूषण और पद्म श्री पुरस्कारों के लिए चुना था। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू की जा रही विकास और कल्याणकारी योजनाओं से आकर्षित हैं और उनका झुकाव भाजपा की ओर है। उन्होंने कहा कि देश में तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति को खत्म करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी नेहरू और गांधी परिवार के लिए काम करती है.

यह कहते हुए कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अंतिम व्यक्ति तक गरीबों का कल्याण सुनिश्चित किया है, लक्ष्मण ने कहा कि देश भर में गरीबों के बैंक खातों में 32 लाख करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। "नरेंद्र मोदी सामाजिक न्याय के लिए 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे के साथ जाति और पंथ से ऊपर उठकर शासन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को सम्मानित किया है, जिन्होंने दलितों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ी और मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

विवाह के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली महिला समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विवाह के नाम पर धोखाधड़ी देने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बीती 20 जनवर को पीड़ित महिला से मद्दुगारी चंद्रकांत के खिलाफ वैवाहिक धोखाधड़ी का मामला प्राप्त हुआ। वह दिसंबर 2023 में तेलुगु शादी डॉट कॉम ऐप पर चंद्रकांत से मिलीं और बाद में व्हाट्सएप पर संचार जारी रखा। चंद्रकांत ने खुद को एक डॉक्टर के रूप में पेश किया जो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में अस्पताल श्रृंखला व्यवसाय की योजना बना रहा है, और दावा किया कि उसे लगभग 25 करोड़ रुपये के जमे हुए बैंक खाते के कारण आयकर संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

चंद्रकांत ने जाली एसबीआई एटीएम पर्चियां और बेलमपल्ली, मचेरियल जिले में निर्माणाधीन एक अस्पताल की तस्वीरें दिखाकर पीड़ित को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। उसने उसे कथित आयकर और निपटान मुद्दों को हल करने के लिए लगभग 6 लाख रुपये उधार देने के लिए राजी किया। पीड़ित ने दोस्तों से पैसे उधार लिया था, उसे उम्मीद थी कि चंद्रकांत कुछ दिनों में रकम लौटा देगा। पैसे प्राप्त करने के बाद, चंद्रकांत ने सीओवीआईडी -19 और एक नकली दुर्घटना जैसे बहाने बनाकर संचार बंद कर दिया। पीड़िता को धोखाधड़ी का पता तब चला जब उसने एचडीएफसी बैंक में उपलब्ध कराई गई एटीएम पर्ची का सत्यापन किया, जिसमें होटल पर खर्च और एटीएम से निकासी का खुलासा हुआ। उन्होंने चंद्रकांत के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का अनुरोध करते हुए एक शिकायत दर्ज की, जिसमें उनका संपर्क विवरण, लिंक्डइन प्रोफाइल प्रदान किया गया और धोखाधड़ी को बढ़ावा देने के लिए शादी.कॉम के प्रबंधन के खिलाफ कारवाई का आग्रह किया गया। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल का मूल निवासी मद्दुगारी चंद्रकांत वित्तीय घाटे का सामना करने के बाद व्यापार धोखाधड़ी में लगा हुआ था।

चंद्रकांत ने खुद को एक हाई-प्रोफाइल व्यक्ति के रूप में चित्रित किया, जो अपने गांव और उसके आसपास के भोले-भाले लोगों को धोखा देने के लिए एक डॉक्टर के रूप में प्रस्तुत होता था। बाद में उन्होंने अपनी गतिविधियों का विस्तार महानगरीय क्षेत्रों में किया। 2021 में, उसकी मुलाकात नट्टा भवानी नाम की एक महिला से ऑनलाइन हुई और वे एक साथ अपराध में भागीदार बन गए। फर्जी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए चंद्रकांत ने अपने और भवानी दोनों के नाम पर कई बैंक खाते खोले। नवंबर 2023 में, चंद्रकांत ने एक फर्जी प्रोफ़ाइल के साथ शादी डॉट कॉम पर पंजीकरण कराया, जिसमें दावा किया गया कि वह एक डॉक्टर और पर्याप्त संपत्ति वाला व्यवसायी है। उन्होंने मंच के माध्यम से दिव्या और इंदु मौनिका जैसी महिलाओं से संपर्क किया और जमे हुए बैंक खातों और आयकर मुद्दों के बारे में झूठी कहानी गढ़ी। उसने उन्हें अपने और भवानी के बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मनाकर सफलतापूर्वक धोखा दिया। चंद्रकांत और भवानी ने अपनी धोखाधड़ी की योजनाओं को अंजाम देने के लिए विभिन्न सिम कार्डों का इस्तेमाल किया और कई बैंक खाते खोले, यहां तक कि अपने पीड़ितों को धोखा देने के लिए जाली दस्तावेज बनाए और नकली एटीएम पर्चियां भी बनाईं। चंद्रकांत को पहले गचीबोवली पुलिस स्टेशन ने सीआरपीसी में गिरफ्तार किया था। चन्द्रकांत और भवानी पर तीन राज्यों (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक) में कई मामले दर्ज हैं और कई पीड़ितों को उनके द्वारा धोखा दिया गया है। अभी तक 4 मामले प्राथमिक तौर पर पहचाने गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कमाई नहीं है तब भी पत्नी को गुजारा भत्ता तो देना होगा

मजदूरी करके पैसे दो: हाई कोर्ट

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने कहा है कि अगर पति की नौकरी से कोई आय नहीं है तो भी वह अपनी पत्नी को भरण-पोषण प्रदान करने के लिए बाध्य है क्योंकि वह एक अन-स्किल्ड मजदूर के रूप में हर दिन लगभग 300-400 रुपये कमा सकता है। हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ की न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल ने पारिवारिक अदालत के उस आदेश के खिलाफ व्यक्ति की पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें उसे अपनी अलग रह रही पत्नी को भरण-पोषण के रूप में 2,000 रुपये मासिक देने को कहा गया था। न्यायमूर्ति अग्रवाल ने निचली अदालत के न्यायाधीश को पत्नी के पक्ष में पहले से दिए गए गुजारा भत्ते के आदेश के तहत वसूली के लिए पति के खिलाफ सभी उपाय अपनाने का निर्देश दिया। पति ने परिवार अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर की थी, जिसमें उसने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के प्रावधानों के तहत, पत्नी को 2000 रुपये का गुजारा भत्ता देने के आदेश को चुनौती दी थी। पति ने याचिका में दलील दी कि परिवार अदालत इस बात पर विचार करने में विफल रही कि पत्नी स्नातक है और शिक्षण पेशे से प्रति माह 10000 रुपये कमा रही है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि वह गंभीर रूप से बीमार है और डॉक्टर से इलाज करा रहा है। उसने यह भी दलील दी कि वह मजदूरी करता है और किराए के कमरे में रहता है और उसे अपने माता-पिता और बहनों की देखभाल करनी है।

दोनों की शादी 2015 में हुई थी। बाद में पत्नी ने पति और ससुराल वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई और वह 2016 से अपने माता-पिता के साथ रह रही है। उच्च न्यायालय ने आदेश में कहा कि पति इस बात का कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका कि पत्नी शिक्षण पेशे से 10,000 रुपये कमा रही है। उच्च न्यायालय ने पति की इस दलील को मानने से इनकार कर दिया कि उसे अपने पिता, मां और बहनों की देखभाल करनी है जो उस पर निर्भर हैं और वह खेती और मजदूरी करके कुछ कमाता है। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता स्वस्थ व्यक्ति है और पैसा कमाने में सक्षम है और अपनी पत्नी के भरण-पोषण के लिए भी उत्तरदायी है। उच्च न्यायालय ने कहा, ''तर्क के तौर पर, अगर अदालत यह मानती है कि पति को अपनी नौकरी से या मारुति वैन के किराये से कोई आय नहीं है,

तब भी वह अपनी पत्नी को भरण-पोषण प्रदान करने के लिए बाध्य है जैसा कि उच्चतम न्यायालय ने 2022 में अंजू गर्ग के मामले में व्यवस्था दी थी।'' अदालत ने कहा कि वह अकुशल श्रमिक के रूप में न्यूनतम मजदूरी के रूप में प्रतिदिन लगभग 300 रुपये से 400 रुपये कमा सकता है।

यूपी के वाराणसी में अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

छह बीघा प्लाटिंग पर गरजा बुलडोजर; तीन मंजिला मकान सील

वाराणसी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अवैध निर्माण और जमीन की प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ वाराणसी विकास प्राधिकरण ने कार्रवाई की। नगवां वार्ड के अवर अभियंता आरके सिंह ने बताया कि संकट मोचन मंदिर के पास रामापुरा कालोनी में प्रवीण कुमार श्रीवास्तव व नागेश सिंह बेसमेंट के अलावा तीन मंजिल अवैध निर्माण करा रहे थे। अवैध निर्माण करने पर नोटिस जारी किया गया था, फिर भी अवैध निर्माण जारी रहा। अवैध निर्माण सील करने के साथ पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया। इसके अलावा भेलूपुर वार्ड के रविंद्रपुरी कालोनी के लेन नंबर 13 में सौरभ अग्रवाल अवैध तरीके से निर्माण कर रहे थे। उसे सील करने के साथ पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया। उधर, शिवपुर वार्ड के जोनल अधिकारी सिंह गौरव जयप्रकाश ने बताया कि पिसौर में वीडीए से बिना ले-आउट पास कराए छह बीघा में अवैध प्लाटिंग हो रही थी। अवैध तरीके से बनाई गई बाउंड्री को बुलडोजर से तोड़ दिया गया।

गैंगस्टर मामले में सजा के खिलाफ मुख्तार अंसारी की अपील स्वीकार, 8 अप्रैल को होगी सुनवाई

प्रयागराज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट से पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को राहत मिली है। मुख्तार अंसारी ने गैंगस्टर एक्ट में सजा के खिलास अपील लगाई थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर ली है। कोर्ट ने विशेष अदालत एम पी, एम एल ए गाजीपुर की पत्रावली 10 हफ्ते में पेश करने का निर्देश दिया है। पत्रावली पेश होने के बाद जमानत अर्जी की सुनवाई के लिए अपील 8 अप्रैल को पेश करने का आदेश दिया है। गैंगस्टर मामले में माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की अपील पर कोर्ट ने राज्य सरकार को भी तब तक लिखित आपत्ति दाखिल करने का समय दिया है। अपील पर अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने बहस की। मुख्तार अंसारी पर गैंग लीडर होने और आपराधिक गैंग आपरेट कर भय व आतंक फैलाने का आरोप है। गाजीपुर के करंडा थानाध्यक्ष ने 2 जून 10 को एफआईआर दर्ज कराई थी।

जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच में सुनवाई

गैंग चार्ट के हवाले से कहा गया कि भय से लोग केस नहीं दर्ज कराते और गवाही देने से डरते हैं। विशेष अदालत ने मुख्तार अंसारी को 10 वर्ष की कैद व पांच लाख का जुर्माना लगाया है। जबकि सोनू यादव को पांच वर्ष की कैद व दो लाख के जुर्माने की सजा सुनाई है जिसको मुख्तार अंसारी ने अपील में चुनौती दी है। जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को आचार संहिता उल्लंघन मामले में राहत प्रदान की है।

जस्टस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस पी के मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने संबंधी उमर अंसारी की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। दरअसल मार्च 2022 को मऊ जिले उमर अंसारी सहित 150 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। जिसमें आरोप था कि तीन मार्च 2022 को पहाड़ पुर में अयोजित जनसभा के दौरान उमर अंसारी ने प्रशासन से हिसाब किताब बराबर करने की बात कही की थी। यह मामला चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का है।

वहां शिव मंदिर नहीं बल्कि रहते थे ये लोग

ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे रिपोर्ट पर मुस्लिम पक्ष की दलील

वाराणसी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में ज्ञानवापी का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा कराए गए सर्वे की रिपोर्ट पर मुस्लिम पक्ष ने प्रतिक्रिया दी है। कहा कि सर्वे में खंडित मूर्तियों के मिलने से कोई आश्चर्य नहीं है। दरअसल यहां पांच सात मूर्तिकार किराए पर रहते थे। वही लोग मूर्तियों का मलबा पीछे की तरफ फेंक देते थे। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के वकील एखलाक अहमद के मुताबिक अभी उन्होंने एएसआई की रिपोर्ट ठीक से पढ़ी नहीं है। रिपोर्ट पढ़ने के बाद इस संबंध में वह अपना पक्ष कोर्ट में दाखिल करेंगे। बता दें कि एएसआई की टीम ने ज्ञानवापी के सर्वे की रिपोर्ट में बताया है कि कुल 55 मूर्तियां मिलीं हैं। इनमें 15 मूर्तियां शिवलिंग हैं। इसी प्रकार 93 सिक्के भी यहां से मिले हैं। इसके अलावा पुरातात्विक महत्व की 259 अन्य सामग्रियां भी मिली हैं। इनमें एक ऐसा पत्थर भी शामिल है, जिस पर राम लिखा है। एएसआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मुख्य गुंबद के नीचे बेशकीमती धातु का स्ट्रक्चर मिला है। दावा किया जा रहा है कि यह मुख्य शिवलिंग है।

एएसआई ने बताया बड़ा हिंदू मंदिर

जानकारी के मुताबिक यह सर्वे एएसआई की 176 सदस्यीय टीम ने किया है। इस रिपोर्ट में माना गया है कि ज्ञानवापी कोई मस्जिद नहीं, बल्कि एक बड़ा हिंदू मंदिर है। एएसआई की रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिक पद्धति से सर्वे कराया गया है। इस सर्वे के दौरान विवादित स्थल से मंदिर के प्रमाण मिले हैं। इसमें विष्णु, मकर, कृष्ण, हनुमान, द्वारपाल, नंदी, पुरुष और मन्नत तीर्थ आदि विग्रह शामिल हैं। इसके अलावा यहां विभिन्न काल विशेष के सिक्के व अन्य प्रतीक चिन्ह भी मिले हैं।

दो हजार साल से भी पुराने प्रतीक चिन्ह

यहां से बरामद हुए 93 सिक्कों में विक्टोरिया महारानी, विक्टोरिया रानी, धीरम खलीफा, किंग चार्ज के समय के सिक्के भी मिले हैं। इसके अलावा टेरोकोटा की 23 मूर्तियां, 2 स्लिंग बॉल, एक टाइल्स, एक डिस्क के अलावा 18 मानव की मूर्तियां मिली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यहां से बरामद हुए विग्रह और धार्मिक चिह्नों की उम्र करीब दो हजार वर्ष या इससे भी अधिक हो सकती है। एएसआई ने हरेक वस्तु की डिटेल रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर दी है। हालांकि अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के वकील एखलाक अहमद ने कहा कि इन मूर्तियों के मिलने से कोई हैरानी नहीं है।

मूर्तिकारों ने फेंका मलबा-मुस्लिम पक्ष

उन्होंने कहा कि दरअसल यहां पांच किरायेदार रहते थे और वह मूर्तियां बनाते थे। ऐसे में जो मलबा बचता था, उसे पीछे की ओर फेंक देते थे। ये जो मूर्तियां मिली हैं, उसी मलबे का हिस्सा हैं। दूसरी ओर हिंदू पक्ष ने एएसआई की रिपोर्ट को देखने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट में वजूखाने के सर्वे के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल करने की तैयारी कर रहा है। इस प्रार्थना पत्र में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि जैसी खुदाई की मांग की जाएगी। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन के मुताबिक 29 जनवरी सोमवार को वह सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करेंगे।

यूपी पुलिस का सिपाही बोला- 'सपने में आकर मुझे करता था परेशान तो पीट दिया', एसपी ने तुरंत कर दिया निलंबित

मीरजापुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। विंध्याचल में सुबह अचानक लोग हतप्रभ रह गए जब एक सिपाही दुकानदार को पीटने लगा। सिपाही से कारण पूछा गया तो उसने बताया कि दुकानदार उसके सपने में आकर परेशान कर रहा था। यह सुन सभी हैरान रह गए। इसी बीच किसी ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने आरोपित सिपाही को निलंबित कर दिया। मामले की जांच सीओ लालगंज मंजरी राव को सौंपी गई है। सिपाही रामविलास पासवान विंध्याचल थाने में तैनात था। सुबह उसने दुकानदार आयुष मोदनवाल की पिटाई की। कुछ देर बाद दोबारा दुकान पर पहुंचकर फिर दो थप्पड़ जड़ दिए। सिपाही के पीटने पर युवक ने जब कारण पूछा तो उसने बताया कि पिछले दो दिन से सपने में वह आकर उसे परेशान कर रहा है।

कड़कड़ाती ठंड में भी जनता दर्शन में पहुंचे सैकड़ों फरियादी

मुख्यमंत्री ने थानों, तहसीलों पर ही मामलों को निस्तारित करने का दिया आदेश

गोरखपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाया। इस भीषण ठंड में भी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे 300 फरियादियों की उन्होंने एक। एक कर समस्या सुनी और सभी को मदद का भरोसा दिलाया।

छोटे-छोटे मामले थानों और तहसील पर ही हल हों

अफसरों को निर्देशित किया कि छोटे-छोटे मामलों को हर हाल में थानों और तहसील स्तर पर ही सुना जाए। पीड़ितों को दौड़ाया ना जाए। ताकि, उन्हें न्याय मिल सके और उन्हें भागकर अफसरों के पास या मेरे पास ना आना पड़े। इसमें कोताही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

दिव्यांगों के जरूरत की चीजें उपलब्ध कराई जाएं

जनता दर्शन में कुछ दिव्यांगजनों समस्याएं सुनते हुए अफसरों को निर्देशित किया कि जिन्हें भी ट्राईसाइकिल/मोटरराइज्ड ट्राइसाइकिल की जरूरत है, उन्हें त्वरित आधार पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने यह हिदायत जारी की कि मानसिक दिव्यांगजन को प्रमाणपत्र जारी करने में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए।

भूमाफियाओं पर कड़ी कारवाई करें

इस दौरार सीएम के सामने सबसे अधिक पुलिस और राजस्व से संबंधित मामले पहुंचे। जमीनी विवादों के मामले को सुनते हुए सीएम योगी ने निर्देशित किया कि अगर कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे कानून सम्मत सबक सिखाया जाए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। जनता दर्शन में कुछ लोगों के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें दुलारा, आशीर्वाद दिया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

दरोगा के बेटे पर लगा आरोप, कार मांगकर ले गया था, तीन को कुचला 1 की मौत

नोएडा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने कार मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया, लेकिन, बताया जा रहा है कि कार को एक दरोगा का लड़का मांगकर ले गया था। कार मालिक का कहना है कि पुलिस ने दरोगा के बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज न करके उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस ने सूरजपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करते हुए लिखा है कि दीपक कुमार ने थाने में शिकायत दी है। शिकायत के मुताबिक दीपक कुमार का भाई जितेंद्र कुमार 26 जनवरी को अपनी स्प्लेंडर बाइक पर सवार होकर आइटीबीपी कैंप के सामने गया था। जितेंद्र कुमार के साथ निशांत कुमार और उपेंद्र भी थे।

बरेली में पांच लोग जिंदा जले

मृतकों में दंपती और तीन बच्चे, कमरे में बाहर से लगा था ताला, हत्या की आशंका

बरेली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में दिल दहलाने देने वाली घटना हुई है। फरीदपुर कस्बा में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मरने वालों में दंपती और उनके तीन मासूम बच्चे हैं। पांच लोग एक कमरे में सो रहे थे। रविवार तड़के घटना की जानकारी होने पर फोर्स के साथ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। कमरे में बाहर से ताला लगा मिला। इससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक अजय गुप्ता उर्फ टिंकल हलवाई थे। वह अपने परिवार के साथ तीन वर्ष से फरीदपुर के मोहल्ला फर्रखपुर में रिश्तेदार के मकान में किराये पर रहते थे। शनिवार रात सभी लोग एक ही कमरे में सोए थे। तड़के पड़ोसियों ने घर से धुआं निकलता देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था और ताला लगा हुआ था।

कमरे में बाहर से लगा था ताला

पुलिस दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुई। अंदर पांच शव जली अवस्था में पड़े थे। कमरे में रखा सारा सामान जल गया था। मंजर इतना भयावह था कि लोगों की रूह कांप गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन व रिश्तेदार पहुंच गए। हर कोई इस घटना से स्तब्ध है। दर्दनाक घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आसपास के लोगों से जानकारी की। एसडीएम, तहसीलदार के साथ नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ नितिन कुमार गंगवार भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस घटना की जांच कर रही है। कमरे में गैस सिलिंडर रखा मिला है। घटना के बाद से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

'राम, कृष्ण-विश्वनाथ तीनों'

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दिया काशी-मथुरा को लेकर बड़ा बयान

अयोध्या, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है। मगर राम मंदिर के साथ-साथ अब काशी और मथुरा की भी बातें होने लगी हैं। ज्ञानवापी पर आई एएसआई की रिपोर्ट भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बड़ा बयान सामने आया है। डिप्टी सीएम ने काशी और मथुरा लेने की बात कही है, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नारा लगाया है, राम-कृष्ण और विश्वनाथ तीनों लेंगे एक साथ। डिप्टी सीएम ने कहा, केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी और उसके बाद प्रदेश में भी हमारी सरकार बनी, जिसके कारण 500 साल बाद रामलला अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, अभी 2 दिन पहले एएसआई की रिपोर्ट भी सामने आई है, जो उन्होंने देखी है। इसके बाद उन्होंने मंच से हर हर महादेव का नारा भी लगाया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने पुराने समय को भी याद किया। उन्होंने बताया कि वह बचपन में आरएसएस के स्वयं सेवक रहे हैं और उन्होंने विश्व हिंदू परिषद में संगठन मंत्री के रूप में काम किया हैं। डिप्टी सीएम ने बताया, जब राम जन्मभूमि का आंदोलन शुरू हुआ था, तब हम सभी एक नारा लगाते थे। राम, कृष्ण और विश्वनाथ तीनों लेंगे एक साथ।

'अखिलेश और सोनिया गांधी हैं बिहार सियासी उठापटक के जिम्मेदार'

, ओपी राजभर ने बताया नीतीश के इस्तीफे का कारण

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने बिहार की सियासत में बड़ा उलटफेर किया है। रविवार को उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल से मुलाकात कर उन्होंने महागठंधन के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया। कयास लगाए जा रहे हैं शाम तक वह एनडीए गठबंधन में शामिल होकर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं और नई सरकार का गठन करेंगे। नीतीश कुमार के इस निर्णय पर तमाम नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

ओपी राजभर ने दी प्रतिक्रिया

ओमप्रकाश राजभर ने कहा- 'विरोधियों ने ठाना है कि 2024 में मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना है और उसी का नतीजा बंगाल में दिखा जिसकी शुरुआत ममता बनर्जी ने की है। अब दूसरा बिहार में नीतीश कुमार ने किया है।'

सोनिया को बताया दोषी

ओमप्रकाश राजभर ने नीतीश कुमार के इस्तीफे और एनडीए में शामिल होने की अटकलों पर कहा- 'इसके दोषी अखिलेश यादव और सोनिया गांधी हैं। अखिलेश यादव खुद नहीं चाहते हैं कि नीतीश कुमार इंडी गठबंधन में रहे, वह चाहते हैं कि नीतीश एनडीए गठबंधन में चले जाएं। यह तय है कि सभी विपक्ष के लोग चाहते हैं कि पीएम मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनें।'

पीएम मोदी ने दी बधाई

बता दें नीतीश कुमार ने इस्तीफे के बाद कहा- महागठबंधन की सरकार में काम करना काफी मुश्किल हो गया था, हमारे द्वारा किए गए कार्यों का श्रेय वह ले रहे थे। लगातार पार्टी कार्यकर्ताओं की शिकायत के बाद यह निर्णय लिया गया है। नीतीश के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद फोन करके उन्हें बधाई दी है।

शादी से इनकार पर नाराज शख्स ने मंगेतर के मां-भाई को सुलाया मौत की नींद

बरेली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में अपनी शादी टूटने से परेशान होकर एक व्यक्ति ने लड़की की मां और भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस आरोपी संजीव कुमार की तलाश कर रही है। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की शाम को इज्जत नगर थाना क्षेत्र में मां और बेटे की गोली मारकर हत्या का मामला सामने आया है। हत्या के बाद आरोपी ने दोनों के शव को एक नर्सरी में फेंक कर वहां से फरार हो गया। इस वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सगाई टूटने से नाराज था लड़का

मृतक महिला के पति का आरोप है कि एक लड़के के साथ उन्होंने अपनी बेटी का रिश्ता कुछ दिन पहले तय किया था और दोनों की सगाई भी हो गई थी। लेकिन लड़के व्यवहार से दुखी होकर उन्होंने रिश्ता तोड़ दिया। इसी बात से नाराज होकर बेटी के मंगेतर ने उनकी पत्नी और बेटे की हत्या कर दी। वारदात के समय डोहरा गांव के रहने वाली मीना (45) और उसका बेटा नेत्रपाल (23) नर्सरी में थे। मां और बेटा दोनों नर्सरी का काम देखते थे। 6 महीने पहले ही उन लोगों ने नर्सरी शुरू की थी। बरेली के पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने बताया कि डोहरा गांव निवासी भुप राम और मीना ने अपनी बेटी की शादी मीरगंज के रहने वाले संजीव कुमार तय की थी। लेकिन कुछ दिन बाद ही रिश्ता टूट गया। इसी बात को लेकर दोनों परिवारों में विवाद और लड़ाई भी हुआ। मृतक मीना और उसके बेटे नेत्रपाल को बेरहमी से सिर में गोली मारी गई है। जांच में सामने आया है कि पहले बेटे नेत्रपाल की हत्या की गई और फिर उसकी मां को मारा गया। मुख्य आरोपी संजीव कुमार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और उसके गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघिन का हमला, जबड़े में दबाकर खींच ले गयी जंगल, बुरे हाल में मिला शव

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के जंगल में दो महिलाओं पर बाघिन ने हमला कर दिया।बाघिन एक महिला को जबड़े में दबाकर घसीटते हुए जंगल ले गई। बाघिन के हमले से एक महिला की मौत हो गई। जबकि, एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। घटना के समय मौके पर पांच महिलाएं थीं।

जिसमें से तीन महिलाएं बाल-बाल बच गईं हैं। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। इस बड़ी घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। घटना पनपथा कोर के चंसुरा बीट की है। मृतका की पहचान भूरी बाई कोल के रूप में हुई है। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के जानकारी अनुसार बाघिन भूरी बाई को अपने जबड़े में दबाकर जंगल की तरफ घसीटते हुए ले गई थी। जबकि, गंभीर रूप से घायल तेरसी बाई कोल घटनास्थल पर ही पड़ी रही। घटनास्थल पर तीन अन्य महिलाएं बाघिन के हमले में बाल-बाल बच गईं। जानकारी अनुसार दोनों महिलाएं अन्य लोगों के साथ जंगल में सूखी लकड़ी लेने गई हुई थी। इसी बीच झाड़ियों में छिपी बैठी बाघिन ने हमला कर दिया। बाघिन ने पहले तेरसी बाई पर हमला किया था और बाद में उसने भूरी बाई को अपना शिकार बनाया। इसके बाद वह उसे अपने मुंह में भरकर जंगल के अंदर भाग गई। मामले की जानकारी लगते ही घटनास्थल पर गांव के लोग पहुंचे। उन्होंने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया है। गांव वाले वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं।

दिग्विजय सिंह देश के जयचंद

सोनिया गांधी का करीबी बनने भारत की संस्कृति पर कर रहे हमला: विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने पन्ना के एवरशाइन गार्डन में बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह देश के जयचंद हैं। दिग्विजय सिंह सोनिया गांधी के करीबी होने की कोशिश में भारत की संस्कृति पर हमला करने के साथ देश विरोधी ताकतों के साथ खड़े हो रहे हैं।

अल्पसंख्यक भाई कह रहे कांग्रेस ने केवल उपयोग किया

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण ही अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो सकी। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के समय अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में वहां की सरकारों ने अवकाश घोषित किया था। मध्यप्रदेश के मेरे अल्पसंख्यक भाई-बंधु भी कह रहे हैं कि भाजपा सरकार में ही उन्हें लाभ मिला है, कांग्रेस ने केवल अल्पसंख्यकों का उपयोग किया। प्रधानमंत्री जी कहते थे देश में गुलामी का कलंक नहीं रहने देंगे। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना भाजपा का बड़ा निर्णय था। कांग्रेस के नेता कहते थे कि धारा 370 हटाने से दंगें होंगे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी की सरकार ने जब धारा 370 हटाई तो जम्मू-कश्मीर में कुछ भी नहीं हुआ। अब तो फारूक अब्दुल्ला जैसे लोग भी राम-राम जप रहे हैं।

2047 में हम भारत को परम वैभव पर पहुंचाएंगे

पार्टी अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक भारत को परम वैभव पर पहुंचाने का लक्ष्य है। वर्तमान में देश की राजनीति में बड़ा परिवर्तन हो रहा है। पार्टी नेता और कार्यकर्ता हारे हुए बूथों पर कार्य करेंगे और सभी बूथों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करेंगे। प्रधानमंत्री जी कहते हैं संगठन की ताकत व विचार के आधार पर ही हम जीत पाए हैं। लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है। पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता यहां बूथ जीतने का संकल्प लेकर चुनाव अभियान में जुटेंगे।

करीबियों पर हुआ एक्शन तो शायराना अंदाज में सिद्धू ने दिया जवाब

चंडीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने बीते रोज कांग्रेस के दो नेताओं को निलंबित कर दिया। यह दोनों नेता मोगा में नवजोत सिंह सिद्धू की रैली के आयोजक थे। पार्टी की लीग से हटकर काम करने और पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए इन दोनों नेताओं को निलंबित करने का आधार बताया गया है। यह दोनों नेता नवजोत सिंह सिद्धू के करीबी बताए जाते हैं। ऐसे में अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने प्रदेश अध्यक्ष को शायराना अंदाज में जवाब दिया। रविवार सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर सिद्धू ने लिखा कि न मैं गिरा न मेरी उम्मीदों का कोई मीनार गिरा पर मुझे गिराने की कोशिश में हर शख्स बार-बार गिरा। बता दे बीते 21 जनवरी को मोगा में नवजोत सिंह सिद्धू ने एक रैली की थी। इस रैली के आयोजक महेश इंद्र सिंह निहाल और धर्मपाल सिंह थे। इस रैली की अभिनेता सोनू सूद की बहन मालविका सूद ने पार्टी हाईकमान से शिकायत की थी। हाईकमान दी गई शिकायत में मालविका सूद ने कहा था कि मोगा के अन्य वरिष्ठ नेताओं और उन्हें इस रैली की सूचना या किसी प्रकार का आमंत्रण नहीं दिया गया।

इंडी गठबंधन में मायावती होंगी शामिल

शिवपाल यादव ने दिया जवाब; बोले- 'अब उनकी बात'

कन्नौज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ईडी और सीबीआई का भय दिखाकर विपक्ष के नेताओं को तोड़ने का काम कर रही है। सपा गठबंधन को मजबूत कर भाजपा को हराने का काम करेगी। एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे शिवपाल पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में आइएनडीआइए मजबूत हो रहा है। गठबंधन से सपा ही भाजपा को पराजित करेगी। मायावती के गठबंधन में शामिल होने को लेकर उन्होंने कहा कि अब उनकी बात न की जाए तो ठीक है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर बोले कि भगवान सबके हैं और कण-कण में हैं। वह भी रामलला के दर्शन करेंगे। भाजपा के लोग सपा समर्थकों के नाम मतदाता सूची से कटवा रहे हैं, यह ठीक नहीं है।

गठबंधन एकजुट है, मिलकर चुनाव लड़ेंगे

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा, आइएनडीआईए गठबंधन एकजुट है। सभी दलों से बातचीत हो चुकी है, सभी लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे, अभी इंतजार कीजिए। वह गणतंत्र दिवस पर जिला सहकारी बैंक में झंडारोहण के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। ज्ञानवापी को लेकर एएसआइ की रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि अभी न्यायालय का कोई फैसला नहीं आया है। न्यायालय का जो फैसला आएगा वह सभी को स्वीकार होगा। शिवपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने कोई वादा पूरा नहीं किया है, लगातार महंगाई बढ़ रही है। चीन ने देश की भूमि पर कब्जा कर लिया है। देश पर कर्ज बढ़ता जा रहा है।

दोस्ती, प्यार फिर रिसॉर्ट में रेप, पुलिस के सामने एक्ट्रेस ने बताई दरिंदगी की कहानी

पुणे, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पुणे के एक रिसॉर्ट में एक बॉलीवुड एक्ट्रेस के साथ रेप का मामला सामने आया है। वारदात के बाद पीड़िता ने आरोपी पर शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने उसकी कनपटी पर पिस्टल सटा दी। यह वारदात 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के दिन दोपहर पुणे के मुलशी इलाके के एक रिसॉर्ट की है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी विराज के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि करीब एक साल पहले विराज से उसकी सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। इसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी को तलाक देकर उसके साथ शादी का झांसा दिया।

प्रोफेसर का हाथ काटने के मामले में 16 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में रहेगा मुख्य आरोपी सावद, एनआईए कोर्ट का फैसला

एर्नाकुलम, 28 जनवरी (एजेंसियां)। (केरल) प्रोफेसर टीजे जोसेफ की हथेली काटने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत ने रविवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने मुख्य आरोपी सावद को 16 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला किया है। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि अगले हफ्ते एनआईए 10 दिनों के लिए हिरासत का आवेदन दाखिल करेगी। बता दें कि सवाद को एर्नाकुलम उप जेल से कक्कानाड जिला जेल में शिफ्ट किया जाएगा। जेल स्थानांतरण अनुरोध के अनुसार, उप जेल आरोपियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है।

केरल के प्रोफेसर हाथ-काटने का मामला

टेस्ट आइडेंटिफिकेशन प्रोसेस के लिए सवाद को एर्नाकुलम उप जेल में रखा गया था। इससे पहले 10 जनवरी को एनआईए ने केरल के प्रोफेसर हाथ-काटने के मामले में मुख्य और आखिरी फरार आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिससे इस भयावह घटना की जांच सफल रही। बता दें कि सवाद पिछले 13 सालों से फरार था और उसकी गिरफ्तारी पर 10 लाख रुपये का इनाम भी रखा गया था। पुलिस के निरंतर प्रयासों के बाद मट्टनूर, कन्नूर (केरल) से उसे गिरफ्तार किया गया। एनआईए ने कहा कि सवाद की पहचान 2010 में प्रोफेसर टीजे जोसेफ की हथेली काटकर हत्या के प्रयास के कुख्यात मामले में मुख्य आरोपी के रूप में की गई थी।

10 जनवरी को दायर किया गया आरोपपत्र

आतंकवाद रोधी एजेंसी ने कहा, 'सवाद के खिलाफ 10 जनवरी, 2011 को इस मामले में आरोपपत्र दायर किया गया था। यह पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) द्वारा अपनाई जा रही हिंसक उग्रवाद की विचारधारा को दर्शाती है।' मामले में अब तक कुल 19 आरोपियों को भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया है। उनमें से तीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है और 10 अन्य को आठ साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई है। एनआईए के अनुसार, मामले के सभी आरोपी या तो अब प्रतिबंधित पीएफआई और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के नेता, कार्यकर्ता या कैडर थे, और प्रोफेसर टीजे पर घातक हमले से संबंधित आपराधिक साजिश में सक्रिय रूप से शामिल थे।

अनोखा निकाह, बुजुर्ग हबीब ने 103 साल की उम्र में 49 साल की बेगम से की तीसरी शादी

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी से अनोखी शादी का मामला सामने आया है, जहां भोपाल में रहने वाले 103 साल के बुजुर्ग हबीब ने अपनी तीसरी शादी की है। इस नये जीवन की शुरुआत का सबसे रोचक हिस्सा यह है कि हबीब की नयी बेगम 49 साल की हैं। हबीब, जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी हैं, उन्होंने अपनी पहली शादी 1918 या 1920 में नासिक में की थी, जब वह केवल कुछ साल के बच्चे थे। दूसरी शादी उन्होंने लखनऊ में की थी, जिसमें उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। हबीब का कहना है कि उम्र के इस पड़ाव पर अकेलापन दूर करने के लिए उन्होंने तीसरी शादी का निर्णय लिया। इस खास मौके पर वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हबीब दुल्हन के साथ ऑटोमोबाइल में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।

लोग इस अनोखे दृश्य को देखकर हैरान हैं, लेकिन दोनों दीदार करते हैं खुशियों के साथ। दुल्हन फिरोज जहां ने बताया कि पहले तो उन्होंने इस निकाह को मना किया था, लेकिन बाद में उन्होंने हबीब की सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैंने अपनी मर्जी से इस शादी को किया है और मुझे इस पर गर्व है। फिरोज ने बताया कि हबीब इस उम्र में भी स्वस्थ हैं और किसी गंभीर बीमारी से नहीं पीड़ित हैं। यह नहीं पहली बार है जब किसी बुजुर्ग ने युवा संग शादी की है। पहले भी इंडोनेशिया में 103 वर्षीय पुआंग कट्टे ने 76 साल की महिला से शादी की थी और इराक में भी एक 103 साल के बुजुर्ग ने 37 साल की महिला से तीसरी शादी की थी,

वीडियो कॉल उठाते ही हुआ कुछ ऐसा कि युवक को देने पड़े 2.46 लाख पुलिस तक पहुंची बात

चरखी दादरी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी जिले में एक व्यक्ति से 2.46 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि व्हाट्सएप पर पहले उसे न्यूड कॉल की रिकॉर्डिंग भेजी गई और इसके बाद एक शख्स ने उससे पुलिस अधिकारी बनकर बात कर रुपये मांगे। उक्त शख्स ने रुपये न देने पर मामला दर्ज करने की धमकी भी दी। फिलहाल दादरी साइबर थाना पुलिस ने इस संबंध में केस दर्जकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि गत 23 जनवरी को उसके पिता के पास एक अनजान नंबर से वीडियो कॉल आई। कॉल में एक नग्न लड़की थी और उसके पिता के कॉल रिसीव करते ही लड़की के सहयोगियों ने वीडियो कॉल रिकॉर्ड कर ली।

'पीएम मोदी देश के नहीं बल्कि', राकेश टिकैत ने सरकार पर साधा निशाना

16 को भारत बंद -14 मार्च को आंदोलन की घोषणा

रामपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के नहीं, बल्कि भाजपा के हैं। आरोप लगाया कि चुनाव के नाम पर जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा है। रामपुर का उपचुनाव इसका उदाहरण है। सरकार की वादा खिलाफी को लेकर 16 फरवरी को भारत बंद रहेगा। राष्ट्रीय प्रवक्ता ट्रैक्टर परेड में शामिल होने के लिए आए थे। उन्होंने विकास भवन के समीप स्थित कार्यालय पर प्रदेश महासचिव हसीब अहमद से संगठन और किसानों की समस्याओं की जानकारी लेने के बाद मीडिया से वार्ता की। मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि देश में लोकतंत्र जैसी कोई चीज नहीं रही। चुनाव के नाम पर जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा है। रामपुर विधानसभा का उपचुनाव इसका उदहारण है। पुलिस ने डरा धमाका कर एक तबके को वोट डालने नहीं दिया। प्रधानमंत्री देश के नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के हैं। भाजपा यूपी को भी गुजरात बनाना चाहती है। सरकार की वादा खिलाफ के विरोध में किसान संयुक्त मोर्चा द्वारा 16 फरवरी को भारत बंद का ऐलान किया गया है। एग्रीकल्चर हड़ताल के तहत किसान अपने खेतों में काम नहीं करेंगे। भारत बंद में वाहन चालकों, मजदूर, दुकानदार और व्यापारियों से भी सहयोग लिया जा रहा है। 14 मार्च को दिल्ली में आंदोलन होगा। इसके बाद टिकैत जुलूस की रूप में बिलासपुर के लिए रवाना हो गए। साथ में हसीब अहमद, राहत खां, साबिर, मोहम्मद तालिब, रामऔतार लखविंदर सिंह, जज्बीर सिंह रंधावा, अमीर अहमद, सलामत, चौधरी अजीत सिंह, जुबैद आलम, चौधरी राजपाल, यामीन खां, नल सिंह ठाकुर अनिल सिंह अशोक कुमार सागर मेहदी हसन सलीम अहमद अनीस अहमद विनोद यादव अमान नीरज त्यागी अमरेश सिंह शंकरलाल जुनैद खां, हरिओम आदि भी रवाना हो गए।

ट्रैक्टर रैली के साथ किसान के घर पहुंच दी श्रद्धांजलि

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि देश को सिर्फ आंदोलन ही बचा सकता है। किसान अपने आंदोलन को मजबूत रखें और ट्रैक्टर मार्च निकालकर सरकार को अपनी ताकत का एहसास करवाएं। शुक्रवार को गांव डिबडिबा में कबड्डी प्रतियोगिता के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश और खेती को सिर्फ आंदोलन से ही बचाया जा सकता हैं।

मणिपुर का जनजातीय संगठन भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध करेगा

इंफाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक जनजातीय संगठन ने कहा कि वह भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्र के फैसले का "विरोध" करेगा। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने एक बयान में कहा कि संगठन ने जिला मुख्यालय में स्थानीय लोगों का विचार जानने के लिए एक सभा का आयोजन किया था। इस दौरान भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने और दोनों देशों के बीच मुक्त आवागमन व्यवस्था को रद्द करने के केंद्र के फैसले का "विरोध" करने का संकल्प लिया गया। मुक्त आवागमन व्यवस्था सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बिना वीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किलोमीटर तक की यात्रा करने की अनुमति देती है।

गोवा में पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर विवाद विपक्ष बोला- सीएम सावंत को करेंगे एक्सपोज

गोवा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा में मोपा यानी मनोहर परिंकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यह विवाद गोवा कैबिनेट के फैसले के बाद शुरू हुआ। कैबिनेट ने एयरपोर्ट की जमीन को 60 साल के लिए लीज पर दिया था। मोपा एयरपोर्ट एविएशन सेक्टर में मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। यही पर पीएम ने मनोहर परींकर को 'लाडला' कहकर संबोधित किया था। सरकार का दावा पीएम के ड्रीम को पूरा करने के लिए विकास जरूरी है। मगर विपक्ष ने विकास में करप्शन की बात कही है।

क्या है विवाद?

दरअसल, विवाद मोपा एयरपोर्ट के विस्तारित लीज को लेकर शुरू हुआ है। मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट होने की वजह से गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत द्वारा हाल ही में मोपा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर होटल भूखंडों के लिए 60 साल की लीज मंजूर की थी लेकिन विपक्ष का आरोप है की इस मंजूरी में उचित प्रक्रिया और स्थापित कानूनी मानदंडों के पालन नहीं किया गया है, जिससे इस एयरपोर्ट की जमीन को लेकर अब विवाद शुरू हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला सरकारी जमीन के लिए पारंपरिक 40 साल लीज की अवधि से अधिक है। सीएम ने नियमों का उल्लंघन किया है और हवाई अड्डे के विकास के लिए जीएमआर गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीजीआईएएल) के साथ हस्ताक्षरित प्रारंभिक 40 वर्षीय रियायत समझौते का भी दुरुपयोग है क्योंकि पहले 40 साल का लीज था। जीजीआईएएल के साथ 2016 में साथ हुए समझौते में 40 साल की लीज की बात कही गई थी जो सरकारी भूमि पट्टों के लिए मानको के तहत था। हालांकि, जीजीआईएएल ने बाद में हवाई अड्डे के "सिटी साइड" क्षेत्र के भीतर होटल भूखंडों के लिए 60 साल के उप-पट्टे की मांग की क्योंकि वो इसका विकास अंतर राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहते थे, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटकों को आकर्षित करता। इससे वित्तीय फायदा भी होगा। इसी के बाद गोवा सरकार ने इसे मंजूरी दी।

विपक्ष ने सीएम सावंत पर लगाया आरोप

लेकिन विपक्ष इसे जांच का मुद्दा बना रहा है। आप पार्टी के नेताओं द्वारा सीधे तौर पर सीएम पर ही सवाल खड़े किए गए हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया कि मानक कानूनी जांच प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए सीएम सावंत निवेश संवर्धन और सुविधा बोर्ड (आईपीएफबी) के अध्यक्ष के रूप में प्रस्ताव को मंजूरी के लिए सीधे कैबिनेट के सामने पेश कर उसे पास कर दिया।

निर्णय के प्रस्तावक और अनुमोदनकर्ता दोनों के रूप में सीएम सावंत की दोहरी भूमिका है इसलिए इसकी जांच होनी चाहिए। गोवा आप प्रमुख अमित पालेकर ने फैसले की आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री ने महाधिवक्ता की सलाह को भी नजरअंदाज क्यों किया और लीज को 60 साल तक बढ़ा दिया। उन्होंने रियल एस्टेट उद्योग के साथ मुख्यमंत्री के कथित संबंधों को देखते हुए हितों के संभावित टकराव के बारे में चिंता जताई और तर्क दिया कि इस सौदे से गोवा के उन किसानों की कीमत पर जीएमआर को फायदा होगा,

सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रतिमा विवाद, तोड़फोड़ करने वाले 22 आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। तीन दिनों पूर्व उज्जैन जिले के थाना माकड़ौन में सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति की स्थापना और उसके पश्चात इसे हटाने को लेकर दो पक्षों मे विवाद हुआ था। जिस पर पुलिस ने 53 आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा मारपीट के साथ ही अन्य विभिन्न धाराओं में वीडियो फुटेज के आधार पर प्रकरण दर्ज करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने कुल 22 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी अन्य लोगों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने बताया कि माकड़ौन थाना क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा लगाने की बात को लेकर तीन दिनों पहले एक विवाद हुआ था। उस घटना में मालवीय और पाटीदार समाज के लोग आमने-सामने हो गए थे। आपने बताया कि मामले में कुछ लोगों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने मालवीय समाज के लोगों के खिलाफ मारपीट करने के साथ ही पाटीदार समाज के लोगों के खिलाफ गलत तरीके से मूर्ति लगाने को लेकर प्रकरण दर्ज किया गया था।

मध्य प्रदेश में भाजपा नए चेहरों और कांग्रेस दिग्गजों पर दांव लगाने की तैयारी में

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ही दल लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। भाजपा की नजर जहां नए चेहरों पर है, वहीं कांग्रेस अनुभवी और दिग्गज नेताओं पर दांव लगाने का मन बना रही है। राज्य में लोकसभा की 29 सीटें हैं, इनमें से भाजपा का 28 पर और कांग्रेस का एक पर कब्जा है। भाजपा की कोशिश जहां सभी स्थानों पर जीत हासिल करनी है, वहीं कांग्रेस अपनी स्थिति को पिछले चुनाव से बेहतर बनाने की कोशिश में है। दोनों ही दलों में बेहतर उम्मीदवार की तलाश के लिए अभी से होमवर्क तेज हो गया है। पहले हम बात करते हैं भाजपा की। पार्टी ने सभी 29 सीटों का जमीनी फीडबैक जुटाना शुरू कर दिया है। सांसदों का भी रिपोर्ट कार्ड तैयार हो रहा है। पार्टी उन पांच स्थानों के लिए सबसे पहले उम्मीदवार तलाश रही है, जहां के सांसद हाल ही में हुए विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। वहीं दो स्थानों पर सांसदों को विधायक के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी मंथन कर रही है कि इन दो स्थानों के लिए आखिर क्या किया जाए। इतना ही नहीं, इसके अलावा आधा दर्जन सांसदों की कार्यशैली को लेकर पार्टी खुश नहीं है। इस तरह पार्टी लगभग एक दर्जन स्थानों पर उम्मीदवार नए उतारने का लगभग फैसला कर चुकी है। बात कांग्रेस की करें तो कांग्रेस के पास सिर्फ छिंदवाड़ा संसदीय सीट है जहां से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ सांसद हैं। ऐसे में पार्टी दिग्गज नेताओं को मैदान में उतारने का मन बना रही है। पार्टी कमलनाथ के अलावा दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया पर दांव लगाने की तैयारी में है। पार्टी के सामने अच्छे चेहरों का संकट बना हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मध्य प्रदेश में भाजपा के पास अपनी ताकत को और बढ़ाने का बहुत कम मौका है, जबकि कांग्रेस के पास अवसर बहुत हैं। ऐसे में भाजपा जहां अपनी ताकत को बनाए रखना चाहेगी, वहीं कांग्रेस अपना अंक बढ़ाने की कोशिश में जुटेगी। कुल मिलाकर इस बार के लोकसभा चुनाव काफी कशमकश भरे होने वाले हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 29 जनवरी - 2024

सामंती सोच के अधिकारी

मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले की चित्रांगी तहसील के एसडीएम ने अपनी जिस सामंती सोच का मुजाहिरा किया है, उसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। एसडीएम ने सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अपने कार्यालय की एक महिला कर्मी से जूते का फीता बंधवाने में जरा सा भी संकोच नहीं किया। इस घटना की तस्वीर जब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने लगा तो मामले ने तूल पकडा और लोगों ने अधिकारी के इस आचरण की जमकर लानत-मलामत की। एसडीएम के इस कृत्य ने राज्य सरकार को भी असहज स्थिति में खडा कर दिया, जो अक्सर महिला सम्मान के सर्वोपरि होने का दावा करती रहती है। नतीजतन, सरकार ने ऐसे आचरण के कठघरे में आए एसडीएम का तबादला आदेश जारी कर मामले की लीपापोती कर दी। होना तो यह चाहिए था कि उसे तत्काल सस्पेंड करते। देश के शासन-तंत्र के ढांचे में काम करने वाले सभी अधिकारी और कर्मचारी के लिए उनके दायित्वों के साथ एक महत्त्वपूर्ण संदेश यह भी जुड़ा होता है कि उनके आचरण से समाज में सकारात्मक संदेश जाना चाहिए। लेकिन पद के कद से गदराए अधिकारियों से आए दिन ऐसी खबरें मिलती रहती हैं कि किसी अफसर ने अपने मातहत कर्मचारियों को अनधिकृत रूप से अपने निजी काम में भी लगा रखा है। कुछ अधिकारी तो अपने मातहतों से ऐसा भी कराते हैं जो नियमों के खिलाफ, सामाजिक और नैतिक रूप से गलत होता है। ऐसे कृत्यों की वजह से नौकरशाही को लेकर नकारात्मक संदेश जाता है, जो उनके लिए भी शुभ संकेत नहीं होते। किसी भी व्यक्ति खासतौर पर जब वह उच्च पद पर काबिज हो तो उसे यह सहज ज्ञान होना चाहिए कि सार्वजनिक रूप से ऐसे आचरण का कितना नकारात्मक संदेश समाज में जाता है। इसके बाद भी उच्च पद पर कार्यरत उक्त एसडीएम को यह समझ में क्यों नहीं आया कि उनका आचरण उनके पद की मर्यादा और सामान्य नैतिकता के भी खिलाफ है। वह भी उस दौर में जब महिलाओं के सम्मान और अधिकार को लेकर हर स्तर पर सरकारी कसीदे पढ़े जा रहे हों। यह घटना दावों और हकीकत की कथनी और करनी के अंतर को स्पष्ट करती है। इसलिए उनके तबादले से संबंधित फैसले का आशय समझा जा सकता है। हालांकि आरोपों के कठघरे में आए एसडीएम ने सफाई के तौर पर कहा कि उनके पैर में चोट लगी थी और इस वजह से महिला कर्मी ने खुद ही जूते के फीते बांध दिए थे। उनकी बातों पर विश्वास कर भी लिया जाए तो वहां मौजूद और बाद में सुर्खियों में आई तस्वीर को देखने वाले लोगों को यह कैसे पता हो सकता है कि ऐसा उनके स्वास्थ्य की वजह से हुआ है। फिर क्या अपने पद से जुड़े व्यवहार की सीमा और उससे जुड़े नैतिक तकाजे का खयाल रखना खुद अधिकारी के लिए जरूरी नहीं था? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी विषम परिस्थिति में सहायता या सहयोग और पद के प्रभाव में किसी कनिष्ठ कर्मचारी से निजी काम कराने की प्रकृति बिल्कुल अलग होती है। स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने की स्थिति में किसी अधिकारी या कर्मचारी के पास अवकाश लेने का विकल्प होता है। फिर यह भी देखा जाता है कि किसी कनिष्ठ या निम्नवर्गीय कर्मचारी के द्वारा 'जूते के फीते बांधने' जैसी प्रकृति के काम के पीछे एक खास मनोभाव काम कर रहा होता है, जिसमें उच्च पद का प्रभाव या उसकी आभामंडल से जुड़ा मनोविज्ञान हावी रहता है। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारी की ही यह जिम्मेदारी होती है कि वह पद और आचरण के लिए नीतिगत तौर पर निर्धारित नियम और सामान्य नैतिक तकाजों का ध्यान रखे। विडंबना है कि उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों के सामंती व्यवहार से जुड़ी घटनाएं अक्सर सुर्खियों में आती रहती हैं, इसके बाद भी अधिकारियों को अपने कृत्य पर शर्म क्यों नहीं आती?

सर्वांगीण शिक्षा,ज्ञान और संघर्ष जीवन में ऊंचाइयां देते हैं

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है।

गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'।

कांग्रेस एक सदमे से उभर भी नहीं पाती है तो दूसरा तैयार रहता है !

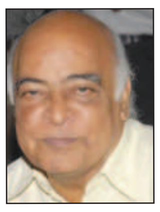

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अखिलेश यादव ने इस समय कांग्रेस को चौंका दिया है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के तहत पिछले दिनों सहयोगी दलों के साथ गठबंधन पर खूब चर्चा हुई। बात नहीं बन पाई। एक तरफ ममता बनर्जी बंगाल में इंडिया के पक्ष में नहीं दिख रही हैं। दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी पंजाब, हरियाणा, दिल्ली को लेकर तेवर दिखा रही है।इंडिया गठबंधन को आकार देने वाले नीतीश कुमार अलग ही लाइन पर हैं. उन्होंने इंडिया गठबंधन छोड़ कर भाजपा के साथ सरकार बना ली है । वहीं शनिवार को अखिलेश ने उत्तरप्रदेश में कांग्रेस की लाइन तय कर दी है। अब पार्टी या तो उस लाइन के दायरे में रहेगी या फिर उनके पास बे-गठबंधन का एक विकल्प बचेगा। ऐसे में पार्टी की चुनौती और ज्यादा बढ़ सकती है। अखिलेश के एक्शन को मौके पर चौका के तौर पर देखा जा रहा है। उधर तमिलनाडु में डीएमके ने कहा है कि कॉन्ग्रेस सिर्फ लोकसभा चुनाव में अधिक सीटों के लिए पार्टी चला रही है। मंत्री राजा कन्नप्पन ने कहा कि कॉन्ग्रेस एक बड़ी और पुरानी पार्टी है लेकिन उसने अब अपनी ताकत खो दी है। उन्होंने पूछा कि केवल चुनाव लड़ने के लिए सीटें लेने का क्या फायदा है? उन्होंने कहा है कि कॉन्ग्रेस इसीलिए काम नहीं करती कि जनता का अच्छा हो, जब चुनाव आता है तो वो आ जाते हैं। लोगों के बीच ये सब काम नहीं करता। उन्होंने गुरुवार 24 जनवरी, 2024 को पुडुचेरी में भाषा संघर्ष में मरे लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हुए ये बातें कही। मंत्री ने कहा कि भाजपा को हम देख लेंगे। इस परिस्थिति में कांग्रेस पश्चिम बंगाल, बिहार, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में अकेली पड़ती दिख रही है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में पार्टी किसी भी स्थिति में अपनी स्थिति कमजोर नहीं होने देना चाहेगी। अखिलेश यादव भी यह समझ रहे थे। ऐसे में उन्होंने कांग्रेस के लिए सीटों की घोषणा कर अपनी मंशा साफ कर दी है। पिछले दिनों अखिलेश लगातार इंडिया की बैठक से पहले उत्तरप्रदेश में सीट बंटवारे की बात कर रहे थे लेकिन उनकी बात सुनी नहीं गई। अब उन्होंने अपनी सुना दी है। इसके विपरीत पिछले दिनों सूत्रों के हवाले से खबर सामने आई थी कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस 80 में से 23 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है।सपा की तरफ से साफ किया गया है कि सपा ने कांग्रेस को 11 सीटें ऑफर की हैं, अगर कांग्रेस अखिलेश यादव को और सीटों पर जिताऊ उम्मीदवारों के बारे में बताती है तो यह सीटें बढ़ाई भी जा सकती हैं। शुरुआती तौर पर सपा ने कांग्रेस को उत्तरप्रदेश में 11 सीटें ऑफर की हैं। कांग्रेस प्रदेश नेतृत्व ने अखिलेश यादव के 11 सीटें देने के प्रस्ताव पर नाराजगी जताई है। प्रदेश के शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व ने कहा है कि यह अखिलेश यादव का एकतरफा फैसला है जिससे वो सहमत नहीं है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अखिलेश यादव की पोस्ट पर प्रतिक्रियां दी है। उन्होंने कहा कि बातचीत अभी भी जारी है। तस्वीर साफ होने के बाद हम घोषणा कर सकेंगे।वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जो मेरी जानकारी में है कि अभी बातचीत चल रही है। हमारी राष्ट्रीय कमेटी इस पर जो बातचीत कर रही है। मुकुल वासनिक के नेतृत्व में जो कमेटी है, उसकी समाजवादी पार्टी के सीनियर लीडर्स के साथ अभी बातचीत चल रही है। 11 सीटों को लेकर हुए समझौते की बात की अभी जानकारी में नहीं है। अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। आपको बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में एसपी का कांग्रेस के साथ कोई औपचारिक गठबंधन नहीं था लेकिन अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी ने रायबरेली और अमेठी सीटों पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था, जहां कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी ने चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने सूबे की 80 में से 67 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी 6.4 फीसदी वोट शेयर के साथ केवल एक सीट ही जीत सकी और तीन सीटों पर दूसरे स्थान पर रही। तब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे राहुल गांधी अपनी सीट भी नहीं बचा पाए थे।सपा, कांग्रेस और आरएलडी, तीनों ही दलों के अपने-अपने दावे के समर्थन में अपने-अपने तर्क हैं। लेकिन आंकड़े क्या कहते हैं? इसकी चर्चा भी जरूरी है। साल 2019 के चुनाव की बात करें तो सपा, बसपा और आरएलडी से गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतरी थी। सपा ने 37 और बसपा ने 38 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। आरएलडी के हिस्से तीन सीटें आई थीं। सपा-बसपा-आरएलडी के गठबंधन ने सोनिया गांधी की सीट रायबरेली और अमेठी में राहुल गांधी के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारे थे। तब सपा ने 18.1 फीसदी वोट शेयर के साथ 37 में से पांच सीटें जीती थीं और 31 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे थे। एक सीट पर पार्टी तीसरे स्थान पर रही थी। सपा को कुल 1 करोड़ 55 लाख 33 हजार 620 वोट मिले थे। कांग्रेस अगर अखिलेश यादव के 11 सीटों के ऑफर के विकल्प को ठुकराती है तो उनके सामने ऑप्शन अधिक नहीं दिख रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में अब अधिक वक्त नहीं रह गया है। उत्तरप्रदेश जैसे राज्य में पार्टी ने प्रदेश स्तर पर कोई अभियान शुरू नहीं किया है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी से मुकाबले के लिए कांग्रेस को एक मजबूत साथी चाहिए। अगर सीटों के मसले पर सपा से कांग्रेस की बात नहीं बनी तो पार्टी बसपा का रुख कर सकती है। मायावती की टीम के साथ पिछले दिनों प्रियंका गांधी की टीम के संपर्क में रहने की बात सामने आई थी। हालांकि, कांग्रेस की ओर से सपा से ही गठबंधन की बात कही गई लेकिन सपा की ओर से सीट के मसले पर साफ किए जाने के बाद कांग्रेस क्या गठबंधन बदलेगी? यह देखना दिलचस्प रहने वाला है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए स्थिति अनुकूल होती नहीं दिख रही है क्योंकि कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी समस्या निचले स्तर पर संगठन को मजबूत करने की है। पार्टी के वोट बैंक को मजबूत बनाने के लिए बड़े प्रयास की जरूरत है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी अजय राय को दिए जाने के बाद ऊपरी स्तर पर गतिविधियां बढ़ी है, लेकिन बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम करना होगा। पार्टी के संगठन को मजबूत करने का प्रयास हो रहा है, लेकिन यह एक लंबी प्रक्रिया है। पार्टी अभी भी अंदरूनी कलह में फंसी हुई दिखती है। ऐसी स्थिति में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उत्तर प्रदेश में किसी बड़े दल के साथ गठबंधन करना कांग्रेस के लिए मजबूरी बन गया है। देखा जाए उत्तरप्रदेश चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी को तगड़ी टक्कर दी थी। कई स्थानों पर आमने- सामने के मुकाबले में समाजवादी पार्टी उम्मीदवार नजदीकी अंतर से हारे। ऐसे में समाजवादी पार्टी के ग्राउंड लेवल कार्यकर्ताओं का नेटवर्क कांग्रेस ये काफी बढ़िया दिख रहा है। उसका इस्तेमाल कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के पक्ष में करने की कोशिश में दिख रही है। उत्तरप्रदेश में कांग्रेस का प्रदर्शन लगातार खराब होता रहा है। लोकसभा चुनाव 2014 में कांग्रेस को दो सीटों पर जीत मिली थी। रायबरेली और अमेठी सीटों पर ही पार्टी जीत दर्ज कर सकी।

रायबरेली से सोनिया गांधी और अमेठी से राहुल गांधी चुनाव जीते थे लेकिन 2019 में कांग्रेस अमेठी सीट भी हार गई। केवल रायबरेली से सोनिया गांधी जीत सकीं। ऐसे में 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की कोशिश करती दिख रही है। इसमें समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन से फायदा मिलने की उम्मीद दिख रही है।लोकसभा चुनाव 2019 में मायावती की पार्टी बसपा ने अखिलेश यादव के साथ गठबंधन किया था। इसका फायदा मायावती को मिला । 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा खाता भी नहीं खोल पाई थी। वहीं 2019 में महागठबंधन के जरिए मायावती की पार्टी 10 सीटें जीतने में कामयाब हो गई।

प्राण-प्रतिष्ठा के बाद भी जान इतनी साँसत में क्यों है ?

श्रवण गर्ग

प्रधानमंत्री को उनके ही मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव पारित करके 'जननायक ' घोषित कर दिया है। जनता को भी अब ऐसा ही प्रस्ताव पास कर देना चाहिए ! देश में इस समय क्रांतिकारी परिवर्तनों की बयार बह रही है ! स्वीकार कर लिया जाना चाहिये कि पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी नहीं बल्कि 22 जनवरी अब नये भारत देश के जन्म और उसके गणतंत्र बनने की तिथि है। प्रधानमंत्री ने देश और दुनिया को जानकारी दी है कि 22 जनवरी का सूरज एक अद्भुत आभा लेकर उदित हुआ है और एक नए कालचक्र का उद्गम है। उसके उत्सव के शुभ क्षण से आगे आने वाले हज़ार वर्षों के लिए भारत की नींव रखी जानी है।

प्रधानमंत्री के उद्बोधन के बाद यह नहीं बताया गया कि वर्तमान के जिस कालचक्र में एक सौ चालीस करोड़ हाड़-मांस के पुतले साँस ले रहे हैं वह क्या है और जिस 'रामराज्य' के आगमन की ओर (राष्ट्रीय स्वयंसेवक) संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने अयोध्या में इशारा किया है उसकी संरचना किन शिल्पियों द्वारा सत्ता के गुप्त तहख़ानों में की जा रही है ? हो रहे परिवर्तनों की आहटों को संकेतों में समझना हो तो सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर तत्कालीन प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद को एक धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र के प्रमुख के तौर पर धर्मविशेष के श्रद्धा स्थल को महिमामंडित करने वाले आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्शाने के प्रति आगाह किया था। राजेंद्र बाबू नहीं माने। अब 22 जनवरी केवल एक तारीख़ ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक क्षण इसलिए है कि न सिर्फ़ प्रधानमंत्री स्वयं ने ही एक यजमान के रूप में सोमनाथ की तरह के ही एक मंगलप्रसंग पर उपस्थित रहने का निर्णय लिया संवैधानिक तौर पर नियुक्त भारत गणतंत्र की प्रथम नागरिक ने मोदी के अयोध्या-प्रस्थान की पूर्व संध्या पर उन्हें अपना शुभकामना संदेश भी प्रेषित किया। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहाः हम सब सौभाग्यशाली हैं कि राष्ट्र के पुनुरत्थान के नए चक्र के शुभारंभ के साक्षी बन रहे हैं। राम मंदिर के शुभारंभ अवसर पर व्याप्त देशव्यापी उत्सवी वातावरण को राष्ट्रपति ने भारत की चिरंतन अन्तरात्मा की उन्मुक्त अभिव्यक्ति निरूपित किया। 'आपके द्वारा किया गया 11-दिवसीय कठिन अनुष्ठान ,पवित्र धार्मिक परंपराओं का अनुसरण मात्र नहीं बल्कि त्याग की भावना से प्रेरित सर्वोच्च धार्मिक कृत्य है तथा प्रभु श्री राम के प्रति संपूर्ण समर्पण का आदर्श है,' राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को प्रेषित पत्र में कहा। मुड़कर देखा जाना चाहिए कि राम लला के लिए हज़ारों करोड़ की लागत से बने भव्य मंदिर के परिसर में बैरिकेड्स के पीछे शांत भाव से सजे-धजे और मूक बने बैठे वे सात-आठ हज़ार प्राणी कौन थे ? क्या देश ये अतिमहत्वपूर्ण चेहरे केवल राम-लला के दर्शनों के लिए ही अपना क़ीमती वक्त और धन खर्च करके अयोध्या पहुँचे थे ? या देश के सबसे ताकतवर व्यक्ति को मुँह दिखाने के लिए उनका वहाँ जमा होना ज़रूरी हो गया था ? क्या इन लोगों को राम लला के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त हो पाया ? ये लोग उन करोड़ों लोगों से निश्चित ही अलग थे जो 22 जनवरी को तो अनामंत्रित थे पर इस समय अपने असली राम के दर्शनों के लिए क़तारों में धक्के खा रहे हैं। साधुओं, संतों, बड़े-बड़े उद्योगपतियों , नायकों, सदी के महानायकों , राजनेताओं की जिस चुनी हुई जमात को अयोध्या में आमंत्रित किया गया था वही देश और सरकारों को चलाती है।

दिल्ली में सरकार चाहे जिस भी पार्टी की बने, प्रत्येक प्राण-प्रतिष्ठा में केवल इन लोगों की उपस्थिति ही सत्ता के भगवानों द्वारा स्वीकार की जाती है। मीडिया के कैमरों की आँखों की मदद से देश की जनता इसी जमात के वस्त्रों, आभूषणों ,मेक-अप और सजी-धजी मुद्राओं को निहारती हुई अपने सारे दुख-दर्दों को भूल जाती है। सरकार भी जनता को स्पष्ट संदेश देना चाहती है कि वे तमाम लोग जिनकी ज़रा सी भी हैसियत है इस समय उसका साथ दे रहे हैं। जो समारोह में अनुपस्थित हैं उन्हें सरकार अपने साथ नहीं मानती। स्वतंत्र भारत के संसदीय इतिहास की शायद पहली घटना है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रि-परिषद ने अयोध्याधाम में हुई राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए एक अभूतपूर्व प्रस्ताव पारित कर मोदी को बधाई दी है। प्रस्ताव में कहा गया है : '1947 में तो देश का शरीर ही स्वतंत्र हुआ था, 22 जनवरी को उसमें आत्मा की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए नियति ने आपको चुना है। जनता का जितना स्नेह आपको मिला है उसे देखते हुए आप जननायक तो हैं ही, अब इस युग प्रवर्तन के बाद आप नवयुग प्रवर्तक के रूप में भी सामने आए हैं।'इसमें कोई दो मत नहीं कि शंकराचार्यों के मुखर विरोध के बावजूद की गई राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के समारोह को भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में जनता के समर्थन में तब्दील करना चाहती है। जनता भी समझ रही है कि पिछले दस सालों के कामों की उपलब्धियों के नाम पर सरकार के पास या तो कोरोना के टीकों की गिनती है या फिर अयोध्या में राम लला का भव्य मंदिर ! तो क्या केवल अयोध्या में मंदिर के निर्माण भर से लोकसभा में भी पार्टी के बहुमत की प्राण-प्रतिष्ठा हो जाएगी ? राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से अगर राजनीतिक सफलता के प्रति 'जननायक' को इतना ज़बरदस्त आत्मविश्वास था तो फिर अयोध्या से बाहर निकलते ही उनकी पार्टी इतनी डरी-सहमी क्यों नज़र आ रही है ?

http://shravangarg1717 .blogspot.com

प्राण प्रतिष्ठा में मुसलमानों की उपस्थिति के संदेश

आर.के. सिन्हा

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय प्रख्यात मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना उमेर इलियासी समेत बहुत सारे मुसलमान धर्म गुरुओं की और फ़िल्म कलाकारों, गायकों , कलाकारों और शहाबुद्दीन हुसैन जैसे राज नेताओं की उपस्थिति सुकून देने वाली थी। इनका भगवान श्री रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को निर्विघ्न पूर्ण करवाने में पूरा नैतिक समर्थन रहा। इन्होंने अपनी उपस्थिति से यह भी संदेश दिया कि देश के बहुसंख्यक और पढ़े - लिखे समझदार मुसलमान अयोध्या में रामलला के मंदिर के निर्माण का समर्थन करते हैं। प्राण - प्रतिष्ठा के बाद अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम मौलाना इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि वास्तव में यह ही नए भारत का चेहरा है। हमारा सबसे बड़ा धर्म मानवता है। हमारे लिए राष्ट्र पहले है।यह बदलते भारत की तस्वीर है। आज का भारत नवीन भारत, आज का भारत उत्तम भारत, मैं यहां पैगाम-ए-मोहब्बत लेकर आया हूं। हमारी इबादत करने के तरीके अलग जरूर हो सकते हैं, पूजा पद्धति जरूर अलग हो सकती है, हमारी आस्थाएं जरूर अलग हो सकती है, लेकिन हमारा जो सबसे बड़ा धर्म है वह इंसान और इंसानियत का है। अब यह जानना जरूरी है कि मौलाना उमेर इलियासी कौन हैं? कुछ समय पहले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के अध्यक्ष मोहन भागवत की मौलाना उमेर अहमद इलियासी से मुलाकात के बाद उनके बारे में जानने वालों की तादाद चक्रवृद्धि ब्याज की तरह से बढ़ी है। वे राजधानी में इंडिया गेट से लगभग सटी गोल मस्जिद के इमाम हैं। वे इस्लाम के विद्वान तो हैं ही। बड़ी बात ये है कि उन्होंने अन्य धर्मों का भी हिंदू धर्म का भी गहन अध्ययन किया हुआ है। उनके जीवन का अटूट हिस्सा है सर्वधर्म समभाव। वे सब धर्मों का सम्मान करने में यकीन करते हैं। मौलाना उमेर इलियासी की शख्सियत पर महात्मा गांधी का असर साफ दिखाई देता है। वे कहते हैं कि गांधी जी उनके गुरुग्राम के गांव घसेरा के पुश्तैनी घर में 19 अगस्त, 1947 को आए थे। वहां पर उनका मौलाना उमेर के दादा चौधरी मुनीरउद्धीन साहब और सैकड़ों लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया था। गांधी जी ने गांवों वालों को हिदायत दी थी कि वे पाकिस्तान नहीं जाएंगे। गांव वालों ने उनकी बात मानी थी। मौलाना उमेर इलियासी राजघाट में होने वाले सर्वधर्म सम्मेलनों में लगातार पहुंचते हैं। बहुत ही प्रखर वक्ता हैं। वे जब कुरआन के साथ गीता और बाइबल से भी उदाहरण देकर अपनी बात रखते हैं तो श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। गोल मस्जिद में एक जमाने में श्रीमती इंदिरा गांधी जी भी आया करती थीं।तब इस मस्जिद के इमाम मौलाना जमील इलियासी थे। वे मौलाना उमेर अहमद इलियासी के पिता थे। वे भी राष्ट्रवादी मुसलमान थे। उन्हें इंडिया गेट का फकीर भी कहा जाता था। शायद इसलिए क्योंकि गोल मस्जिद इंडिया गेट से चंद कदमों की दूरी पर है। उन्होंने गोल मस्जिद में हरेक फकीर या भूखे इंसान के लिए भोजन की व्यवस्था की रिवायत शुरू की थी। उसे मौलाना उमेर इल्यासी ने अपने वालिद के 2010 में इंतकाल के बाद आगे बढ़ाया। मौलाना उमेर इलियासी साफ कहते हैं कि उनके पुरखे हिन्दू ही तो थे। वे तो यहां तक कहते हैं कि वे भगवान कृष्ण के वंशज हैं। उनका परिवार करीब दो —ढाई सौ साल पहले इस्लाम स्वीकार कर चुका है। वे मानते हैं कि इस्लाम का रास्ता सच्चाई, अमन और भाई चारे की तरफ लेकर जाता है। इस्लाम में किसी के लिए कोई नफरत का भाव नहीं है। इस्लाम समता के हक में खड़ा होता है। मौलाना उमेर इलियासी की स्कूली शिक्षा राजधानी के पंडारा रोड के सरकारी स्कूल में हुई। पर उम्र बढ़ी तो उनका रास्ता बदल गया। पिता मौलाना जमील इलियासी ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। उन्हें अपने उत्तराधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया। वे मानते हैं किभारत में शांति के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। उनकी इसी सोच का नतीजा है कि गोल मस्जिद में ईद और दिवाली पर आलोक सज्जा होती है। दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश की तरफ लेकर जाने वाला अनोखा त्योहार है। ये भारत की धरती का पर्व है। गोल मस्जिद में सब मिलकर दिये जलाते हैं और बनाते हैं रंगोली। अंधकार व्यापक है, रोशनी की अपेक्षा। क्योंकि, अंधेरा अधिक काल। दिन के पीछे भी अंधेरा है रात का। दिन के आगे भी अंधेरा है रात का। भारत के लाखों मुसलमान भी दिवाली को मनाते हैं। वे दिवाली पर अपने घरों- दफ्तरों की सफाई करने के अलावा चिराग जलाते हैं। सच में प्रकाश और रोशनी का पर्व अंधकार से रोशनी में ले जाता है। देश ने 22 जनवरी को एक बार फिर से दिवाली वाला उत्साह देखा। उस दिन सारे देश में आलोक सज्जा हो रही थी।

महासभा मच्छरों की

डॉ टी महादेव राव

मशक याने मच्छरों की महासभा पूरे यौवन पर थी। आक्रमण करते शत्रु सेना की तरह बहुत बड़ी संख्या में मच्छर शामिल थे। जो भी मिला वाहन, मनुष्य, पशु पर चढ़कर सारे मच्छर कचरे के डिब्बों, झोपड़ियों, गंदे नालों, गलियों, कालोनियों, गेटेड कम्युनिटी, बंद गटरों, कब्जा किए गए तालाबों, सड़ांध फैलाती कीचड़ और नालियों से बढ़-चढ़कर आए। शायद लोगों का खून बहुत ज्यादा चूस लिया है, कुछ मच्छर सेठ जैसे बड़े बड़े तोंद लेकर थके से इधर-उधर घूम रहे थे। राजनीतिक मच्छर अपने चेलों के साथ आए। कुछ दलाल बैच शायद इधर-उधर घूमते हुए लोगों से मिलजुल रहे थे। सलाह मशवरा कर रहे थे। मच्छरों के बड़े नेता गला संवारकर माइक के सामने आए। अचानक शोर थम गया। छूते ही हमें मारने वाले मनुष्य फिर एक बार विश्व मलेरिया दिवस समारोह मनाने जा रहा है। हमारे वंश को पूरी तरह नाश करने के लिए, हमें खत्म करने के लिए इस बार किस तरह के निर्णय लेते हैं, कैसे नियम बनाते हैं, यह सोचकर ही घबराहट हो रही है। उनके द्वारा किए जाने वाले कामों से, अपनी कौम की रक्षा करते हुए उसके काट के उपाय ढूंढते हुए आगे बढ़ना है। इस लड़ाई में हमें क्या करना चाहिए इस पर आपके विचार बताएं। नई पीढ़ी का मच्छर इत्मीनान से उठ खड़ा हुआ। लगता था उसके चमचे ज्यादा ही हैं जो शोर मचा रहे थे। मच्छर के हाथ उठाने पर शोर शांत हुआ ₹मुझे लगता है इन मनुष्यों के विषय में आप कुछ ज्यादा ही परेशान हो रहे हैं। इतने डरने की कोई बात नहीं है। वे कई सालों से मलेरिया दिवस मनाते आ रहे हैं। अभी तक उन्होंने कुछ हासिल नहीं किया। मलेरिया बुखार पर ही विजय न पाने वाला मनुष्य हमें क्या करेगा? प्रश्न किया उसने। लेकिन हमें इस बात को आसानी से नहीं छोड़ना चाहिए। मच्छरों को खत्म करने कारपोरेट कंपनियां हर दिन टीवी और अखबारों में विज्ञापन दे रही हैं, जो हर क्षण हम पर युद्ध कर रहे हैं। असहमति का स्वर उभरा। ये सारे क्रिया कर्म तो युद्ध या जनता के ऊपर प्रेम के लिए तो बिल्कुल ही नहीं है। हमें भूत की तरह दिखा सामान्य जन को डरा कर अपना धंधा दिन दूना और रात चौगुना करना ही उनका उद्देश्य है। बाजार में मच्छर अगरबत्ती, रिफिल, वेपराइजर, कार्ड, बैट, क्रीम, लोशन कितने सारे हैं? लेकिन क्या कोई हमें खत्म कर सका है? देखा जाए तो पुराने लोग जिस मच्छरदानी पर भरोसा करते थे, कुछ हद तक वही हम पर असरदार हैं। लेकिन उसमें भी घुसकर काटने वाले विशेष दलों को हम तैयार कर रहे हैं। इसलिए हमें किसी तरह के डर की जरूरत नहीं। कहते हुए ढाढस बंधाया मच्छर ने। एक और मच्छर ने शिकायत करते हुए कहा घर के चारों तरफ दवाइयां छिड़क रहे हैं धुआं धुआं करके हमें परेशान कर रहे हैं। वे सब नगरपालिका के नेताओं और अधिकारियों के जेब भरने के काम में आते हैं। इससे जनता का कोई फायदा नहीं होता। घर के चारों तरफ कूडा करकट, गटर भरकर साफ न करने वाले मनुष्य हमें क्या कर सकेंगे? एक और मच्छर ने भरोसा दिलाया।

एक साहित्यिक मच्छर ने दर्द भरी आवाज में कहा जौंक को छोड़कर खून चूसने वाला कहते हुए जनता हमें ही गालियां दे रही है। सच में देखा जाए तो खून चूसने या शोषण की प्रक्रिया हमने मनुष्यों से ही सीखी है। सत्ता हथियाने वाले हर नेता क्या पांच साल तक शोषण नहीं कर रहा है? सब का खून नहीं चूस रहा है? जनता के करों से वेतन पाने वाले अधिकारी हर काम की कीमत तय कर वसूल नहीं कर रहा है? उसकी तुलना में हम जो खून चूसते हैं वह कितना है?सभी मनुष्यों के खून में एक सा स्वाद नहीं हैं।

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में बाबा का भव्य श्रृंगार

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुद्धेश्वर महादेव का एक ऐसा मंदिर है, जिसका इतिहास रामायण काल से जुड़ा है। मंदिर में बाबा का अलग-अलग रूप में श्रृंगार किया जाता है। इस बार उनका श्रृंगार बेसन,मैदा से किया गया, जिसे देख भक्त खुशी से झूम उठे।

लखनऊ में स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में हर रोज बाबा का भव्य श्रृंगार किया जाता है। इस मंदिर में रोजाना महादेव के अद्भुत रूप के दर्शन होते हैं। मंदिर में दिनभर में चार आरतियां होती हैं, जिनका विशेष महत्व है। हालांकि, हर रोज बाबा का श्रृंगार रात को शयन आरती से पहले होता है, यह श्रृंगार बाबा के दिव्य रूप को दर्शाता है। सुबह की आरती से उन्हें जगाया जाता है, जबकि रात में शयन आरती से पहले बाबा का श्रृंगार किया जाता है। रात में 10:00 बजे बाबा के श्रृंगार की तैयारी शुरू हो जाती है। बाबा का श्रृंगार उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर किया जाता है।

बुद्धेश्वर महादेव का श्रृंगार प्रतिदिन नए स्वरूप में किया जाता है और श्रृंगार के लिए बेसन, मैदा,फल और सजावट के लिए ताजे फूलों का इस्तेमाल किया जाता है।

श्रृंगार होने के बाद रात 11 बजे तक शयन आरती होती है।यह मंदिर की आखरी आरती होती है।इसके बाद बाबा विश्राम करते हैं।आरती में भक्तों की भीड़ होती है।

शयन आरती के बाद बाबा के दोनों द्वार को भव्य रूप से सजाया जाता है। बाबा के द्वार को सूखे मेवे, फूल से सजाया जाता है। एक द्वार पर राम का नाम तो दूसरे द्वार पर स्वास्तिक बनाया जाता है।

संकष्टी चतुर्थी पूजन विधि

संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त

इस बार माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 29 जनवरी, सोमवार को सुबह 6 बजकर 10 मिनट से लेकर 30 जनवरी को सुबह 8 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। उदयातिथि के अनुसार, संकष्टी चतुर्थी 29 जनवरी को ही मनाई जाएगी। साथ ही इस दिन चंद्रोदय का समय रात 9 बजकर 10 मिनट है।

संकष्टी चतुर्थी पूजन विधि

इस दिन सबसे पहले स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य देना है। इसके बाद गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। उसके बाद गणेश जी को तिलक लगाएं, दुर्वा, जल, चावल, जनेऊ अर्पित करें। फिर गणेश जी को मोदक या लड्डु का भोग लगाएं। सकट चौथ के दिन भगवान गणेश को तिल से बनी हुई चीजों का भोग जरूर लगाना है। इसके बाद धूप और दीया जलाकर भगवान गणेश के मंत्रों का जप करें। साथ ही इस दिन सकट चौथ की कथा का जाप भी करना चाहिए। इस दिन गणेशजी के 12 नामों का उच्चारण भी करना चाहिए। शाम के समय भी इसी तरह गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। चंद्रमा को अर्घ्य देते समय लोटे में तिल भी डालना है। शाम को चंद्र दर्शन के बाद व्रत का पारण करना है।

संकष्टी चतुर्थी कथा

इसी दिन भगवान गणेश अपने जीवन के सबसे बड़े संकट से निकलकर आए थे। इसीलिए इसे सकट चौथ कहा जाता है। एक बार मां पार्वती स्नान के लिए गईं तो उन्होंने दरबार पर गणेश को खड़ा कर दिया और किसी को अंदर नहीं आने देने के लिए कहा। जब भगवान शिव आए तो गणपति ने उन्हें अंदर आने से रोक दिया। भगवान शिव क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का सिर धड़ से अलग कर दिया। पुत्र का यह हाल देख मां पार्वती विलाप करने लगीं और अपने पुत्र को जीवित करने की हठ करने लगीं।जब मां पार्वती ने शिव से बहुत अनुरोध किया तो भगवान गणेश को हाथी का सिर लगाकर दूसरा जीवन दिया गया और गणेश गजानन कहलाए जाने लगे। इस दिन से भगवान गणपति को प्रथम पूज्य होने का गौरव भी हासिल हुआ। संकट चौथ के दिन ही भगवान गणेश को 33 करोड़ देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। तभी से यह तिथि गणपति पूजन की तिथि बन गई। कहा जाता है कि इस दिन गणपति किसी को खाली हाथ नहीं जाने देते हैं।

मनेश्वर बाबा शिव मंदिर में स्थापित शिवलिंग का नहीं है अंत, कहा जाता है 'पाताली शिवलिंग'

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बीहड़ में बना शिव मंदिर इस मंदिर में सैकड़ों साल पुराना शिवलिंग है। जहां बारिश की बूंदे पड़ने से ही शिवलिंग का स्वतः जलाभिषेक हो जाता है। आबादी से कई किमी दूर स्थित इस शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए महिलाएं भी पैदल ही जाएंगी।

हमीरपुर जिले के सुमेरपुर क्षेत्र के सिमनौड़ी और कारीमाटी गांव के बीच जंगल में प्राचीन शिव मंदिर स्थित है, जो मनेश्वर बाबा के नाम से पूरे क्षेत्र में विख्यात है। करीब तीन सौ साल पहले यह स्थान वीरान था। लोग दिन में भी यहां से निकलने पर डरते थे। उन दिनों एक सेठ की गाय को अन्य तमाम गायों के साथ चरवाहा चराने के लिए जंगल ले गया था। सेठ की गाय जंगल में घुस गई और एक स्थान पर ही अपना सारा दूध निकाल कर वह वापस आ गई। शाम को घर पहुंचने पर गाय दूध नहीं दी।

बताते हैं कि सेठ को शक हुआ कि चरवाहा गाय का दूध जंगल में निकालकर पी जाता है। बस अगले ही दिन सेठ ने अपने कुछ लोगों को चरवाहे और गाय पर नजर रखने के लिए जंगल भेजा। जहां जंगल में अनोखा दृश्य देख सभी लोग दंग रह गए। मंदिर के पुजारी द्वारिका प्रसाद ने बताया कि यह शिवलिंग पाताली है, जो बड़ा ही अद्भुत है। बताया कि सावन मास में शिवलिंग का बारिश की बूंदों से स्वतः ही जलाभिषेक हो जाता है। यहां सच्चे मन से जलाभिषेक करने से मन की मुरादें पूरी होती हैं। इस ऐतिहासिक शिव मंदिर तक जाने के लिए आज तक कोई भी सड़क नहीं बन सकी। बरसात के मौसम में मंदिर के पहुंच मार्ग पर दलदल हो जाता है।

जंगल में गाय के दूध निकालने पर जमीन की हुई थी खुदाई सिमनौड़ी गांव के जंगल में झाड़ियों के पास गाय के अचानक पहुंचकर दूध निकालने की दृश्य देख चरवाहा समेत अन्य लोग दंग रह गए। सेठ को जब सारा वाक्या बताया गया तो उस जगह को देखने का फैसला किया। बताते हैं कि रात में सेठ को उस जगह पर पाताली शिवलिंग होने का सपना आया। सपने की बात सुबह लोगों को बताने के बाद सेठ जंगल पहुंचे और गांव के रामलाल आरख को उस स्थान की खुदाई करने के लिए लगाया।

तीस फीट गहरी खुदाई के बाद मिला था पाताली शिवलिंग

मंदिर की देखरेख में लगे बीके पंसारी ने बताया कि जंगल में निर्जन स्थान पर जहां गाय दूध निकालती थी। उस स्थान की खुदाई कराई गई। करीब तीस फीट गहरी खुदाई कराने के बाद शिवलिंग का ऊपरी हिस्सा दिखने पर खुदाई बंद कराई गई। शिवलिंग का आखिरी हिस्सा आज तक किसी को नहीं दिखा। पाताली शिवलिंग होने का सपना फिर आने पर इस स्थान के आसपास एक बड़ा चबूतरा बनवाया गया और पूजा-अर्चना शुरू कराई गई थी।

सपने में चेतावनी मिलने पर मंदिर का नहीं बन सका गुंबद

मनेश्वर बाबा शिव मंदिर के पुजारी द्वारिका प्रसाद ने बताया कि सेठ के परिजन छाछे प्रसाद पंसारी ने इस स्थान पर मंदिर बनवाया था। उनकी इच्छा थी कि मंदिर की सुराही (गुंबद) इतनी ऊंची बने, जिसे अपने घर की छत से सुबह मंदिर के दर्शन हो जाए। इसीलिए मंदिर की सुराही बनवाई गई, लेकिन ये अगले ही दिन ढह गया। रात में सपने में मिली चेतावनी पर मंदिर का गुंबद बनवाने की जिद सेठ ने छोड़ दी। इसीलिए मंदिर बिना गुंबद का है।

जीवन क्या है और मृत्यु क्या है

आपको कहना चाहता हूं कि जो लोग कहते हैं कि आम आदमी ने दुनिया का चरित्र बिगाड़ा है, वे गलत कहते हैं। आम आदमी हमेशा ऐसा रहा है। दुनिया का चरित्र ऊंचा था, कुछ थोड़े से लोगों के आत्म— अनुभव की वजह से। आम आदमी हमेशा ऐसा था। आम आदमी में कोई फर्क नहीं पड़ गया है। आम आदमी के बीच कुछ लोग थे जीवंत, जो समाज और उसकी चेतना को सदा ऊपर उठाते रहे, सदा ऊपर खींचते रहे। उनकी मौजूदगी, उनकी प्रजेंस, कैटेलेटिक एजेंट का काम करती रही है और आदमी के जीवन को ऊपर खींचती रही है। और अगर आज दुनिया में आदमी का चरित्र इतना नीचा है, तो जिम्मेवार हैं साधु, जिम्मेवार हैं महात्मा, जिम्मेवार हैं धर्म की बातें करने वाले झूठे लोग। आम आदमी जिम्मेवार नहीं है। उसकी कभी कोई रिस्पासबिलिटी नहीं है। पहले भी नहीं थी, आज भी नहीं है।

अगर दुनिया को बदलना हो, तो इस बकवास को छोड़ दें कि हम एक —एक आदमी का चरित्र सुधारेंगे, कि हम एक —एक आदमी को नैतिक शिक्षा का पाठ देंगे। अगर दुनिया को बदलना चाहते हैं, तो कुछ थोड़े से लोगों को अत्यंत इंटेंस इनर एक्सपेरिमेंट में से गुजरना पड़ेगा। जो लोग बहुत भीतरी प्रयोग से गुजरने को राजी हैं।

ज्यादा नहीं, सिर्फ एक मुल्क में सौ लोग आत्मा को जानने की स्थिति में पहुंच जाएं तो पूरे मुल्क का जीवन अपने आप ऊपर उठ जायेगा।

सौ दीये जीवित और सारा मुल्क ऊपर उठ सकता है।

तो मैं तो राजी हो गया था इस बात पर बोलने के लिए सिर्फ इसलिए कि हो सकता है कि कोई हिम्मत का आदमी आ जाए, तो उसको मैं निमंत्रण दूंगा कि मेरी तैयारी है भीतर ले चलने की, तुम्हारी तैयारी हो तो आ जाओ। तो वहां बताया जा सकता है कि जीवन क्या है और मृत्यु क्या है।**(समाप्त)**

भारत में एक नहीं दो स्वर्ण मंदिर

अमृतसर से 2700 किमी दूर एक और गोल्डन टेंपल है। इस मंदिर में अमृतसर के गोल्डन टेंपल से दोगुना सोना लगा है और करीब सात साल में बनकर तैयार हुआ है। आपने अमृतसर के गोल्डन टेंपल का नाम तो जरूर सुना होगा! पर क्या आप जानते हैं कि भारत में एक और गोल्डन टेंपल है। इस मंदिर में अमृतसर के गोल्डन टेंपल से दोगुना सोना लगा है और करीब सात साल में बनकर तैयार हुआ है। यह मंदिर है तमिलनाडु के वेल्लोर स्थित श्रीलक्ष्मी नारायणी गोल्डन टेंपल अमृतसर का गोल्डन टेंपल जहां सिख धर्म के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है, तो वहीं श्रीलक्ष्मी नारायणी गोल्डन टेंपल एक हिंदू मंदिर है और हिंदू धर्म की आस्था का केंद्र है। इस मंदिर को श्रीपुरम गोल्डन टेंपल के नाम से भी जानते हैं।

श्रीलक्ष्मी नारायणी गोल्डन टेंपल तमिलनाडु में थिरुमलाइकोडी (मलाइकोडी) वेल्लोर में छोटी पहाड़ियों के तल पर श्रीपुरम आध्यात्मिक पार्क में स्थित है। यह तिरुपति से करीब 120 किमी दूर है। तो चेन्नई से 145 किमी, पुदुचेरी से 160 किमी और बेंगलुरु से 200 किमी की दूरी है।

101 एकड़ में फैले श्रीपुरम गोल्डन टेंपल का निर्माण दक्षिण के चर्चित आध्यात्मिक गुरु नारायणी अम्मा ने करवाया है, जिन्हें श्री शक्ति नारायणी अम्मा भी कहा जाता है। इस मंदिर के निर्माण की शुरुआत साल 2000 के आसपास हुई थी और 2007 में बनकर तैयार हुआ।

मां लक्ष्मी के इस मंदिर के उपरी हिस्से को सोने से कवर किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के ऊपर करीब 1500 किलो सोने की परत चढ़ाई गई है। तारे के आकार के इस मंदिर पर 9 से 10 लेयर की गोल्ड कोटिंग है।

आपको बता दें कि अमृतसर के गोल्डन टेंपल में करीब 750 किलो सोना इस्तेमाल किया गया है। महाराजा रणजीत सिंह ने गुरुद्वारे का ऊपरी हिस्सा 750 किलो शुद्ध सोने से मढ़वाया था। इस हिसाब से श्रीपुरम गोल्डन टेंपल में, अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के मुकाबले करीब दोगुना सोना लगा है। श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर साल भर खुला रहता है। यदि कोई दिव्य दर्शन सेवा का लाभ उठाना चाहता है, तो उसे 100 रुपये का भुगतान करना होगा। हालांकि शनिवार और रविवार को यह निशुल्क होता है। मंदिर या पार्क में प्रवेश के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है।

साउथ फिल्ममेकर्स भी बॉलीवुड के रीमेक बनाते हैं:'उनकी फिल्में अच्छी चल रहीं और हमारी नहीं, यह कहना गलत है': अमिताभ

मेगास्टार अमिताभ बच्चन शनिवार को पुणे में हुए सिम्बॉयसेस फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए। यहां मौजूद स्टूडेंट्स से बात करते हुए अमिताभ ने बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के डिबेट पर बात की। इस मौके पर 81 वर्षीय अमिताभ ने रीजनल सिनेमा की तारीफ की और साथ ही यह भी कहा कि साउथ सिनेमा को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से बेहतर कहना गलत है।

'वो सिर्फ ड्रेसिंग बदल देते हैं ताकि उनकी फिल्में खूबसूरत लगें'

इवेंट में पहुंचे अमिताभ ने एक स्टूडेंट के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'रीजनल सिनेमा बहुत अच्छा काम कर रहा है पर जब हम उनसे बात करते हैं तो वो कहते हैं कि हम वो ही फिल्में बना रहे हैं जो आप हिंदी में बनाते हैं। वो सिर्फ इन फिल्मों की ड्रेसिंग बदल देते हैं ताकि वो खूबसूरत लगे।

कुछ मलयालम और तमिल सिनेमा ऑथेंटिक हैः अमिताभ

मैं कई लोगों से मिला जो कहते हैं, 'हम आपकी ही पुरानी फिल्मों के रीमेक बना रहे हैं.. कहीं ना कहीं हमारी कहानियों में भी आपको 'दीवार', 'शक्ति' और 'शोले' की झलक मिलेगी। मलयालम और कुछ तमिल सिनेमा ऑथेंटिक और एस्थेटिक है। किसी पार्टिकुलर रीजन पर उंगली उठाकर यह कहना ही गलत है कि उनकी अच्छी चल रही है और हमारी नहीं।'

'बाबू जी हर शाम एक ही फिल्म देखा करते थे'

इस मौके पर अमिताभ ने अपने पिता कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता अग्निपथ की पंक्तियां भी सुनाईं। उन्होंने कहा, 'अपने आखिरी दिनों में मेरे बाबू जी हर रोज टीवी पर एक कैसेट लगाकर फिल्म देखा करते थे। कई बार वो फिल्में रिपीट करके भी देखा करते थे। एक शाम मैंने उनसे पूछा कि आप एक ही फिल्म देखकर बोर नहीं होते ? तो उन्होंने कहा, 'मैं तीन घंटों में वो पोएटिक जस्टिस देख लेता हूं, जो तुमने और मैंने पूरे जीवन में नहीं देखा।'

वेस्टर्न वर्ल्ड की कॉपी ना करें: जया बच्चन

इवेंट में अमिताभ की पत्नी जया बच्चन भी उनके साथ शामिल हुईं। उन्हें भी सम्मानित किया गया। उन्होंने स्टूडेंट्स को वेस्टर्न वर्ल्ड की कॉपी ना करने की सलाह दी। जया ने स्टूडेंट्स से कहा कि अपने कल्चर से जुड़े रहें और म्यूजिक से ज्यादा सिनेमा पेश करने पर फोकस करें।'

वर्कफ्रंट पर अमिताभ की अगली फिल्म 'KALKI 2898AD' है। इसमें वो प्रभास और दीपिका के साथ नजर आएंगे। सुनने में आया है कि फिल्म में वो अश्वत्थामा के रोल में नजर आएंगे।

राजामौली से नफरत करते थे 'हनुमान' के डायरेक्टर

सालों तक उनका एडी बनना चाहा; राम चरण और अल्लू अर्जुन के लिए काफी टाइम वेस्ट किया

तेलुगु फिल्म 'हनुमान' के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा इन दिनों खूब चर्चा में हैं। एक इंटरव्यू में प्रशांत ने कहा कि एक वक्त था जब वो 'आरआरआर' फेम डायरेक्टर एसएस राजामौली से नफरत करते थे। प्रशांत ने कई सालों तक उनका असिस्टेंट डायरेक्टर बनने की कोशिश की पर राजामौली ने उन्हें अपनी टीम में शामिल नहीं किया।

इस इंटरव्यू में वर्मा ने यह भी कहा कि वो इन दिनों बॉलीवुड से आ रहे ऑफर्स टालते हुए सिर्फ अपनी अगली फिल्म पर फोकस कर रहे हैं।

मैंने राजामौली को कई मेल और ट्वीट किएः प्रशांत

यूट्यूबर सिद्धार्थ कनन को दिए एक इंटरव्यू में प्रशांत ने राजामौली के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैंने सालों तक राजामौली का असिस्टेंट डायरेक्टर बनने की कोशिश की। मैं उन्हें मेल करता था, ट्वीट करता था कि सर प्लीज मुझे अपना असिस्टेंट डायरेक्टर बना लीजिए।

हालांकि, उन्होंने काफी स्वीटनेस के साथ मुझे यह कहते हुए इंकार कर दिया कि उनकी टीम में जगह नहीं है पर एक वक्त था जब मैं उनसे नफरत करता था। सोचता था कि मैं इतना टैलेंटेड हूं और हार्ड वर्किंग हूं फिर भी ये मुझे अपनी टीम में क्यों नहीं ले रहे।'

इस इंटरव्यू में प्रशांत ने यह भी कहा कि उन्होंने राम चरण, अल्लू अर्जुन और जूनियर एनटीआर जैसे स्टार्स का इंतजार करते हुए अपना काफी टाइम वेस्ट किया है। प्रशांत बोले- 'मैं स्टार्स के साथ काम करने के खिलाफ नहीं हूं पर आमतौर पर स्टार्स काफी टाइम लेते हैं। मैंने कई स्टार्स का इंतजार करते हुए अपना काफी टाइम वेस्ट किया है। फिर मैंने डिसाइड किया कि नहीं, अब मैं सिर्फ डेडलाइन्स पर काम करूंगा। इस डेडलाइन के बाद भले ही टॉम क्रूज मेरे साथ काम करने को तैयार हों पर मैं उसी के साथ आगे बढ़ूंगा जो मेरे पास होगा। मैं इंडस्ट्री में सिर्फ स्टार्स के साथ काम करने नहीं आया हूं।'

वर्मा ने यह भी बताया कि उन्हें बॉलीवुड से लगातार कई ऑफर्स मिल रहे हैं। हालांकि, वो अभी बॉलीवुड डेब्यू करने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे पहले से ही कुछ अलग प्लान हैं और ये मैंने 'हनुमान' के सक्सेसफुल होने से पहले ही तय किए थे। अब दिक्कत यह है कि मुझे इस वक्त कई लोगों को इंकार करना पड़ रहा है।' प्रशांत की फिल्म 'हनुमान' ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 158 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। वहीं वर्ल्डवाइड 'हनुमान' अब तक 250 करोड़ रुपए का बिजनेस कर चुकी है।

अली गोनी और जैस्मिन भसीन की रोमांटिक फोटो देख फैंस हुए इमोशनल

इन दिनों हर जगह 'बिग बॉस 17' के फिनाले की चर्चा है। वहीं दूसरी ओर इस शो में ही शुरू होने वाली एक लवस्टोरी भी चर्चा में है। हम बात कर रहे हैं, अली गोनी और जैस्मिन भसीन की। दरअसल, एक्टर अली गोनी ने सोशल मीडिया पर अपनी गर्लफ्रेंड जैस्मिन भसीन के साथ एक खास फोटो शेयर की है। जिसे देखकर उनके फैंस इमोशनल हो गए हैं। क्योंकि अली ने जैस्मिन को अपनी ताकत बताया है।

कातिल है दोनों का लुक

इंस्टाग्राम पर शेयर फोटो में कपल पिंक कलर के आउटफिट में नजर आ रहे हैं। जैस्मीन ने लाइट पिंक कलर की साड़ी पहनी है। जबकि, अली ने पिंक थ्री-पीस सूट सेट पहना हुआ है। 'दिल ही तो है' के अभिनेता जैस्मीन को गले लगाते दिख रहे हैं, जबकि जैस्मिन रोमांटिक अंदाज में अली को देख रही है।

सेलेब्स ने की तारीफें

बैकग्राउंड ट्रैक 'वे हानियां' है, जिसे डैनी ने गाया है। इस गाने में सरगुन मेहता और रवि दुबे की जोड़ी है। पोस्ट को कैप्शन दिया गया, मेरी ताकत"। सरगुन ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए कहा, आप लोग बहुत प्यारे हैं। रवि दुबे, जो सरगुन के पति हैं, ने कमेंट किया, "प्यारे लोग"। जैस्मिन और अर्जुन बिजलानी ने कई रेड हार्ट वाले इमोजी सेंट किए। अली की बहन इल्हाम गोनी ने कमेंट किया, माशाल्लाह"।

ऐसे शुरू हुई लवस्टोरी

बता दें कि गोनी की जैस्मीन से मुलाकात 2018 में 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान हुई थी। उन्होंने 'बिग बॉस 14' में आने के बाद 2021 में डेटिंग शुरू की। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अली अब से पहले म्यूजिक वीडियो 'सावन आ गया' में नजर आए थे। जैस्मीन की पाइपलाइन में 'वॉर्निंग 2', 'कैरी ऑन जट्टिये' हैं।

नितेश तिवारी की 'रामायण' में हनुमान बनेंगे सनी देओल

फर्स्ट पार्ट में होगा गेस्ट अपीयरेंस, मई से शुरू करेंगे अपने हिस्से की शूटिंग

नितेश तिवारी जल्द ही अपनी अगले बिग बजट प्रोजेक्ट 'रामायण' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। बीते कुछ महीनों में रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर इस फिल्म की कास्टिंग से जुड़ी कई खबरें सामने आई हैं। अब एक रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म में हनुमान के रोल के लिए सनी देओल को लॉक कर लिया गया है।

सेकेंड और थर्ड पार्ट में होगा पूरा प्रेजेंस

फिल्म से जुड़े सूत्रों की मानें तो सनी ने नितेश को इस फिल्म के हामी भर दी है। वो हनुमान का रोल प्ले करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। चर्चा है कि सनी मई 2024 से इस फिल्म के फर्स्ट पार्ट के लिए शूटिंग शुरू करेंगे। हालांकि, फिल्म के फर्स्ट पार्ट में सनी का गेस्ट अपीयरेंस ही होगा पर इसके सेकेंड और थर्ड पार्ट में स्क्रीन पर उनका पूरा प्रेजेंस होगा।

विजय सेतुपति और लारा दत्ता के जुड़ने की खबरें भी

इससे पहले यह भी सुनने में आया था कि मेकर्स विभीषण के रोल के लिए साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति से चर्चा कर रहे हैं। वहीं फिल्म में लारा दत्ता को कैकयी के रोल के लिए अप्रोच किया गया है। यह भी चर्चा थी कि फिल्म में सनी के भाई बॉबी देओल, कुंभकरण के रोल में दिखेंगे। हालांकि, बाद में बॉबी की टीम ने इसे अफवाह करार दिया था।

तीन पार्ट में बनने वाली इस फिल्म का हर पार्ट 3 घंटे का होगा।

इसे 500 करोड़ से भी ज्यादा बजट में बनाया जाएगा। इसे मधु मंटेना, अल्लू अरविंद और नमित मल्होत्रा मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी।

फिल्म के वीएफएक्स पर ऑस्कर विनिंग कंपनी DNEG काम करने वाली है।

2025 में रिलीज हो सकता है पहला पार्ट

उम्मीद है कि नितेश मार्च 2024 तक रणबीर और साई के साथ इस फिल्म के पहले पार्ट की शूटिंग शुरू कर देंगे। वहीं यश तो फिल्म में रावण का रोल करेंगे, वो जुलाई 2024 में इसकी शूटिंग जॉइन करेंगे। मेकर्स इसके पहले पार्ट को साल 2025 के सेकेंड हाफ तक रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

फिलहाल 'लाहौर 1947' पर जुटे हैं सनी

वर्क फ्रंट पर सनी देओल ने पिछले साल 'गदर-2' जैसी हिट फिल्म दी है। इन दिनों वो अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' पर जुटे हुए हैं। चर्चा है कि इस फिल्म में सनी के साथ प्रीति जिंटा नजर आएंगी। एक्ट्रेस हाल ही में अपने लुक टेस्ट के लिए स्टूडियो पहुंची थीं। अगर फिल्म में उनकी फाइनल कास्टिंग होती है तो वो 6 साल बाद बॉलीवुड में कमबैक करेंगी। प्रीति की आखिरी फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' 2018 में रिलीज हुई थी। इसमें भी वो सनी के ही अपोजिट नजर आई थीं।

करण जौहर ने की अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट, नाम गेस करने वालों को मिलेगा ईनाम

करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में एक पोस्ट कर के अपनी अगली फिल्म की अनाउंसमेंट की है। हालांकि, उन्होंने फिल्म का ना तो नाम बताया है और ना ही फिल्म के कास्ट के बारे में कोई जानकारी दी है। लेकिन उन्होंने फैंस से इस फिल्म के बारे में गेस करने के लिए कहा है।

बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने-माने फिल्ममेकर करण जौहर हाल ही में अपने टॉक शो कॉफी विद करण को लेकर सुर्खियों में छाए हुए थे। कुछ दिन पहले ही उनके शो का 8वां सीजन समाप्त हुआ है। वहीं अब अपने शो के खत्म होते ही करण जौहर ने अपने फैंस को एक और सरप्राइज दे दिया है। हाल ही में केजो ने अपने इंस्टा पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी अगली फिल्म की घोषणा की है, लेकिन इस पोस्ट में उन्होंने फिल्म को लेकर थोड़ा सस्पेंस रखा है। ना तो उन्होंने अपने इस पोस्ट में फिल्म का नाम बताया है और ना ही उन्होंने फिल्म की कास्ट के बारे में कुछ कहा है।

करण जौहर ने फिल्म को लेकर दिया ये हिंट

हालांकि करण ने ये पोस्ट शेयर करते हुए फैंस से फिल्म का नाम गेस करने के लिए कहा है साथ ही ये भी कहा है कि जो भी उनकी फिल्म की नाम को गेस करेगा उसे वो ईनाम देंगे। करण जौहर ने पोस्ट में लिखा है- 'अनुमान लगाना शुरू कर दीजिए।' स्टेटमेंट में करण ने कहा, यह कोई फिल्म की अनाउंसमेंट नहीं है, इस फिल्म की हम पिछले साल से शूटिंग कर रहे हैं। हमने इसे सीक्रेट रखा, क्योंकि डेब्यू डायरेक्टर का फैसला था कि फिल्म से जुड़े प्रमुख पहलुओं को न बताया जाये, यहां तक कि क्रू को भी नहीं। इसलिए हमने इसे छिपा कर रखा।

कभी शाहरुख की 5 फिल्मों से निकाली गईं थीं ऐश्वर्या

'वीर जारा' में प्रीति जिंटा ने किया रिप्लेस, चलते-चलते' और 'कल हो न हो' से भी निकाली गईं

ऐश्वर्या राय बच्चन अपने दौर की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में थीं। उन दिनों उनके पास फिल्मों की लाइन थी। लेकिन एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपने करियर से जुड़ा एक खुलासा किया। ऐश्वर्या को पहले 5 फिल्मों में साइन किया गया था। लेकिन एक दिन अचानक उन्हें पांचों फिल्मों से निकाल दिया गया।

दरअसल कई साल पहले ऐश्वर्या सिमी गारेवाल के शो में आई थीं। इस दौरान ऐश्वर्या ने फिल्मों से निकाले जाने पर बात की थी। बता दें ऐश्वर्या पहले फिल्म 'वीर जारा' में नजर आने वाली थीं। यहां तक की ऐश्वर्या को ध्यान में रखकर ही ये फिल्म लिखी गई थी। सिमी ने एक्ट्रेस से पूछा कि क्या कारण था जो उन्हें फिल्म से इस तरह निकाल दिया गया था। इसपर ऐश्वर्या ने कहा- हां, ये सच है कि मैं और शाहरुख खान एक साथ कई फिल्में करने वाले थे। लेकिन अचानक सब कुछ बदल गया। मुझे नहीं पता क्यों?

फिल्मों से निकलना मेरा फैसला नहीं था- ऐश्वर्या

ऐश्वर्या ने कहा- मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि फिल्मों से निकलना मेरा फैसला नहीं था। उन्हें कई साल पहले 5 फिल्मों से रिप्लेस कर दिया गया था। फिल्मों की लिस्ट में फेमस 'वीर जारा' 'कल हो न हो' 'और 'चलते चलते' शामिल है। जहां वीर जारा में ऐश्वर्या को प्रीति जिंटा ने रिप्लेस किया। वहीं चलते-चलते में रानी मुखर्जी ने उन्हें रिप्लेस कर दिया था। खबरों की मानें तो किस्सा उस समय का है, जब सलमान खान से ऐश्वर्या का ब्रेकअप हुआ था।

1997 में ऐश्वर्या ने किया था बॉलीवुड डेब्यू

बता दें कि ऐश्वर्या राय ने 1997 में मणिरत्नम की तमिल फिल्म 'इरुवर' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसी साल एक्ट्रेस ने फिल्म 'और प्यार हो गया' से अपना बॉलीवुड डेब्यू भी किया था। इस फिल्म में ऐश्वर्या के साथ सनी देओल के छोटे भाई बॉबी देओल लीड रोल में थे।

ऐश्वर्या और अभिषेक की शादी

ऐश्वर्या ने 2007 में अभिषेक बच्चन से शादी की थी। उस दौर में शादी के बाद एक्ट्रेस फिल्मों से ब्रेक ले लेती थीं, लेकिन ऐश्वर्या ने ऐसा नहीं किया। इसी साल उनकी तीन फिल्में गुरु, द लास्ट लीजन, प्रोवोक्ड रिलीज हुईं। 2008 से लेकर 2010 तक उनकी हर साल दो से तीन फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें तमिल फिल्म 'एंथिरन' ही हिट रही। ऐश्वर्या का करियर प्रेग्नेंसी के दौरान और भी धीमा पड़ गया। 2011 में वो बेटी आराध्या की मां बनीं।

डर में ऐश्वर्या राय को कास्ट करना चाहते थे यश चोपड़ा

इससे पहले बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में डिजाइनर नीता लुल्ला ने बताया था कि 1993 में आई फिल्म डर में फिल्म मेकर यश चोपड़ा ऐश्वर्या राय को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

नीता ने कहा- 'यश जी और मैंने चर्चा की थी, हमने कहा कि ऐश्वर्या खूबसूरत हैं, लेकिन वह उसी साल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए जा रही थीं। वह चली गईं। बता दें कि फिल्म डर में शाहरुख खान, सनी देओल और जूही चावला लीड रोल्स में थे।

नवाजुद्दीन- एक्टर्स हर फिल्म से कमा लेते हैं 10 करोड़

छोटे रोल पर बोले- इसके लिए कोई 25 करोड़ दे, फिर भी काम नहीं करूंगा

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इंडस्ट्री में एक्टर्स के रेवेन्यू स्ट्रक्चर पर बात की है। उन्होंने बताया है कि एक्टर्स हर फिल्म से लगभग 10 करोड़ रुपए कमा लेते हैं। हालांकि, यह आंकड़ा बढ़ता-घटता है। दूसरी तरह, वो दूसरे एक्टर्स की तरह ज्यादा फीस के लिए सौदेबाजी भी नहीं करते हैं।

इंटरव्यू में होस्ट ने नवाज से एक्टर की कमाई पर सवाल किया। इस पर उन्होंने कहा- बहुत कमा लेते हैं। फिर होस्ट ने पूछा कि क्या एक्टर्स की कमाई 10 करोड़ से ज्यादा होती है? इस पर नवाज ने कहा- हां, उसके आसपास ही। फीस के लिए सौदेबाजी पर उन्होंने कहा कि वो यह सब ज्यादा नहीं करते हैं। उन्होंने कहा- इंडस्ट्री आपको वो देती है जिसके आप हकदार हैं। यदि आप नेगोशिएट करते हैं, तो वे आपसे पूछते 'क्या आप इतना डिजर्व करते हो?'

25 करोड़ देने पर भी छोटा रोल नहीं करूंगा- नवाज

कुछ समय पहले नवाज ने एक इंटरव्यू के दौरान छोटे रोल पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि अगर छोटे रोल के लिए, बहुत ज्यादा फीस भी दी जाए, तब भी वो काम नहीं करेंगे। इस बारे में उनका कहना था, 'मैं इससे थक चुका हूं। अब तो मुझे कोई 25 करोड़ भी देगा, तब भी छोटा रोल नहीं करूंगा।

मुझे लगता है कि पैसा और फेम एक दूसरे के पूरक हैं। अगर आप अपना काम अच्छे से करेंगे तो पैसा और शोहरत आपके पीछे दौड़ेगी। यदि आप उनका पीछा करेंगे, तो आप उन्हें कभी नहीं ढूंढ पाएंगे, इसलिए बस अच्छा काम करते रहें।

एक बार नवाजुद्दीन ने एक इंटरव्यू में ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, 'टिकटें कितनी बिक रही हैं इससे एक एक्टर को परेशान नहीं होना चाहिए। बॉक्स ऑफिस पर क्या हो रहा है इसकी चिंता करना प्रोड्यूसर का काम है।

एक एक्टर अगर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करता है तो मैं इसे एक क्राफ्ट करप्शन की तरह देखता हूं। जो एक्टर 100 करोड़ फीस लेते हैं, किसी फिल्म को गिराने में सबसे बड़ा हाथ उन्हीं का होता है। एक छोटे बजट या मामूली बजट की फिल्म कभी फ्लॉप नहीं होती।'

थलपति विजय के साथ अनबन पर रजनीकांत का रिएक्शन

बोले- वो मेरी आंखों के सामने बड़े हुए, हमारे बीच कॉम्पिटिशन नहीं, लोग हमारी तुलना ना करें

सोशल मीडिया पर कई दिन से यह खबरें हैं कि थलपति विजय और रजनीकांत के बीच विवाद चल रहा है। अब रजनीकांत ने इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी है और इन खबरों को अफवाह करार दिया है। उनका कहना है कि विजय के साथ उनका कोई कॉम्पिटिशन नहीं है। विजय उनकी आंखों के सामने बड़े हुए हैं।

कैसे शुरू हुई अनबन की खबरें?

पिछले साल जुलाई में फिल्म जेलर के ऑडियो लॉन्च इवेंट में रजनीकांत के एक भाषण के बाद से रजनीकांत (थलाइवर) और थलपति विजय के फैंस आमने-सामने आ गए। दरअसल, इस दौरान रजनीकांत ने एक कहानी शेयर की थी, जिसमें उन्होंने कौवे का जिक्र किया जो बाकी पक्षियों को गिराने की कोशिश करता है। मगर, कभी भी उनसे ऊपर उड़ने वाले बाजों की ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाता है।

कुछ लोगों का लगा कि रजनीकांत विजय के बारे में बात कर रहे हैं, जिस वजह से दोनों स्टार्स के फैंस के बीच तनाव पैदा हो गया। फिर इसे लोग दोनों स्टार्स की पर्सनल रिलेशन से भी जोड़ने लगे।

फिल्म लाल सलाम के इवेंट के दौरान अनबन की खबरों पर रजनीकांत ने कहा, 'कौवे-चील की कहानी को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से परोसा गया। अफवाह फैला दी कि यह सारी चीजें विजय के खिलाफ हैं। यह बहुत निराशाजनक है। विजय मेरी आंखों के सामने बड़े हुए हैं।

बातचीत के दौरान उन्होंने विजय के घर पर अपनी पुरानी फिल्मों में से एक की शूटिंग को भी याद किया। उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म धर्मथिन थलाइवन की शूटिंग विजय के घर हुई थी और वो 13 साल के थे। शूटिंग के दौरान वो मुझे ऊपर से देख रहे थे। शूटिंग के बाद एसए चन्द्रशेखर ने उन्हें मुझसे मिलवाया और कहा कि विजय का भी एक्टिंग में रुझान है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं विजय से कहूं कि वो पहले अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। तब मैंने विजय को पहले स्कूलिंग खत्म करने की सलाह दी थी।

रजनीकांत ने की विजय की तारीफ

रजनीकांत ने आगे विजय की तारीफ में कहा कि उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि विजय आगे राजनीति में कदम रख रहे हैं और हमारे बीच कोई कॉम्पिटिशन नहीं है। उन्होंने कहा- यह कहना अपमानजनक है कि हम एक-दूसरे के कॉम्पिटिटर हैं। मैं अपने फैंस से रिक्वेस्ट करूंगा कि वो हम दोनों की तुलना ना करें। बताते चलें, आने वाले समय में रजनीकांत को फिल्म लाल सलाम में देखा जाएगा, जो 9 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अपकमिंग फिल्म में वेट्टैयान और थलाइवर 171 का नाम भी शामिल है।

विजय और रजनीकांत के लिए 2023 खास रहा। इस साल उनकी फिल्में लियो और जेलर ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की।

'स्किल्ड युवाओं' के लिए काम की कमी नहीं

मुंबई से लंदन होते हुए अमरीकाकनाडा यात्रा प्रवास के दौरान बहुत कुछ जानने, समझने और सीखने के लिए मिला है, जो हमारे देश के लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

तीन सप्ताह की इस विदेश यात्रा में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश कनाडा में भारतीय लोगों के लिए रोजगार व्यवसाय की अपार संभावनाएं देखी गईं।

आकार में बड़ा होने के बावजूद जनसंख्या बहुत कम होने के कारण कनाडा में काम करने वाले लोगों की अति आवश्यकता है। अमरीका की तरह ही साधन-सुविधाओं से सम्पन्न देश कनाडा में रोजगारव्यवसाय के लिए वीजा प्रक्रिया भी काफी आसान है। स्किल्ड लोगों के लिए इधर काम के अनेक अवसर मौजूद हैं, वर्क वीजा के लिए अंग्रेजी की प्राथमिक परीक्षा पास करना जरूरी है।

अपनी शिक्षा और कौशल के आधार पर सेवाएं देकर भी धनोपार्जन कर सकते हैं- जैसे कि शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबंधक, वकील, श्रमिक, कलाकार आदि । विभिन्न प्रकार की घरेलू वस्तुओं जैसे फ्रिज,

एयर कंडीशनर, टैलीविजन, रसोई घर के उपकरण मरम्मत का काम, इलैक्ट्रीशियन, प्लंबर, बढ़ई आदि कौशल पर आधारित रोजगार भी हैं। कम्प्यूटर व मोबाइल फोन जैसी वस्तुओं के मुरम्मत के काम की अच्छी मांग है। सरकारी नियमानुसार 15 डॉलर प्रति घंटा न्यूनतम वेतन है, फिर भी एक कुशल व्यक्ति को 50 से 100 डॉलर के बीच सामान्य पगार मिल जाती है।

मरीन इंजीनियरिंग में भविष्य

मरीन इंजीनियरिंग पेशे का अपना आकर्षण है। इसमें देश-विदेश में घूमने की सहूलियत और इंजीनियरिंग की दूसरी ब्रांचेस के मुकाबले अच्छी तनख्वाह और बहुत अच्छी ज़िंदगी मिलती है। साल के छह महीने जहाज पर रहना और बाकी महीने अपनी जिंदगी जीना। यही वजह है कि बड़ी संख्या में युवा इस क्षेत्र में आ रहे हैं। खासकर वे युवा, जो थोड़े वक्त में अच्छा पैसा कमाने की चाह रखते हैं, जल्द से जल्द अपना करियर स्थापित करना चाहते हैं।

वैसे, सुविधाओं के साथ-साथ यह पेशा काफी चुनौती भरा भी है। मरीन इंजीनियर के कंधों पर जलपोतों के निर्माण, रख-रखाव और इंस्टॉलेशन की बड़ी जिम्मेदारी होती है। इन दिनों जहाज भी मॉडर्न टेक्नोलॉजी और इक्विपमेंट से लैस रहने लगे हैं, जिन्हें हैंडल करने के लिए मरीन इंजीनियर्स की जरूरत पड़ती है। चीफ मरीन इंजीनियर ही शिप और उसके कार्गो का इंचार्ज होता है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री ट्रैफिक बढ़ने से पब्लिक और प्राइवेट शिपिंग कंपनीज में मरीन इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कोर्स एवं योग्यता

अंडरग्रैजुएट कोर्स में एडमिशन लेने के लिए अभ्यर्थी को 12वीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा 12वीं में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथेमेटिक्स में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना जरूरी है। उम्र किसी भी सत्र के अगस्त तक 17 से 25 साल के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हीं छात्रों को एडमिशन लेने का अवसर मिलता है, जिन्होंने आई.एम.यू द्वारा आयोजित सी.ई.टी (कॉमन एंट्रेंस टैस्ट) की परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथ, रीजनिंग, इंग्लिश एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित 200 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते हैं।

कार्यक्षेत्र

एक मरीन इंजीनियर के तौर पर काम करने के लिए आप में सामुद्रिक संरचना की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की समझ होनी भी जरूरी है। इंडस्ट्री के अनुसार कार्यक्षेत्र का दायरा भी कुछ अलग हो सकता है। वैसे तो एक मरीन इंजीनियर का मुख्य काम पोत का निर्माण व मशीनरी की मरम्मत करना ही होता है लेकिन ये जहाजों और नौकाओं के डिजाइन की रूपरेखा तैयार करने समेत कई अन्य जिम्मेदारियां भी निभाते हैं। इसके अलावा ऑफशोर ऑइल व गैस के लिए ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म, पाइपलाइन आदि का निर्माण व डिजाइनिंग का काम भी इन्हीं के जिम्मे होता है। कई बार प्रोफेशनल्स को मरीन सर्वेयर की भूमिका भी निभानी पड़ती है, जिसके अंतर्गत जहाजों का परीक्षण, ऑफशोर इंस्टॉलेशन और सेफ्टी उपायों का अध्ययन आदि करना होता है। मरीन इंजीनियर में लीडरशिप क्वॉलिटी होनी भी जरूरी है क्योंकि उसे मरीन टेक्निशियंस की टीम को मैनेज करना होता है।

जॉब के अवसर

मरीन इंजीनियर अपना करियर शिप पर फोर्थ इंजीनियर या थर्ड असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा इंजन प्रोडक्शन फर्म्स, शिप बिल्डिंग फर्म्स, रिसर्च बॉडीज, शिप डिजाइन फर्म्स या भारतीय नौसेना में भी काम करने के मौके मिल सकते हैं। बंदरगाहों पर स्थित मरीन वर्कशॉप्स में भी मरीन इंजीनियर्स की जरूरत होती है। अनुभवी मरीन इंजीनियर्स की आईटी सेक्टर, कंसल्टेंसी फर्म्स, कंस्ट्रक्शन कंपनीज, पावर सेक्टर, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री में भी अच्छी मांग है।

वेतन

इस क्षेत्र में प्रारंभिक रूप में भी काफी अच्छा वेतन पैकेज होता है। मर्चेंट नेवी में बतौर जूनियर इंजीनियर काम करने वाला व्यक्ति भी 25000 से 30000 रुपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। एक मरीन इंजीनियर शुरुआती स्तर पर भी 7.5 से 10 लाख रुपए प्रतिवर्ष अर्जन करता है। रैंक बढ़ने पर यह कमाई डेढ़ लाख से बढ़कर छह लाख या फिर उससे अधिक भी हो सकती है। अनुभव के बाद दूसरे सेक्टर्स में भी अच्छे पैसे मिलते हैं।

बैंक से कर्ज़ लेते समय आप भी तो नहीं करते हैं ये गलतियाँ?

बैंक से लोन लेने के लिए दूसरे कई ज़रूरी डॉक्यूमेंट की तरह ही स्वीकृति पत्र (सैंक्शन लेटर) भी ज़रूरी पेपर होता है, लेकिन कई लोग इसे भरते वक़्त ध्यान नहीं रखते, जिससे लोन मिलने में परेशानी होती है। स्वीकृति पत्र में कई जानकारियाँ होती हैं जिन्हें क़र्ज़ लेने से पहले अच्छी तरह समझ लेना चाहिए और कोई भी सँदेह या साफ़ जानकारी नहीं होने पर बैंक से पूरी जानकरी लेनी चाहिए। एक बार आप स्वीकृति पत्र पर दस्तख़त करके अपनी स्वीकृति दे देते हैं तो आप उन सभी नियम और कायदे से बँध जाते हैं जो उसमें लिखी गई हैं। कर्ज़ लेने वाले को अधिकार है की वह अपने स्वीकृति पत्र को अपनी मातृभाषा में माँग सकता है।

कैसे भरें स्वीकृति पत्र नाम : इसमें कर्ज़ लेने वाले (आवेदक) का पूरा नाम लिखा होता है। व्यावसायिक क़र्ज़ में यहाँ पर आवेदक के साथ कंपनी का नाम आता है।

सह आवेदक / जमानतदार : इसमें सह आवेदक या जमानतदार का नाम होता है।

कर्ज़ (ऋण) राशि : कितनी राशि का कर्ज़ स्वीकृत हुआ है उसकी जानकारी यहाँ दी जाती है। यह राशि आवेदन की गयी राशि से कम हो सकती है।

कर्ज़ का प्रकार : किस काम के लिए कर्ज़ लिया जा रहा उसकी जानकारी यहाँ दी जाती है। जैसे की शिक्षण ऋण, वाहन ऋण, गृह ऋण इत्यादि ।

ब्याज दर : कर्ज़ लेने वाले को ऋण किस ब्याज़ दर पर और किस प्रकार का ब्याज़ (अपरिवर्तनीय या परिवर्तनीय) उसे लगाया जा रहा है उसकी जानकारी यहाँ लिखी होती है। परिवर्तनीय ब्याज़ दर वह होती है जो बैंक द्वारा ऋण की अवधि में बदल सकता है, अपरिवर्तनीय ब्याज़ दर ऋण की अवधि में समान रहती है। आमतौर पर अपरिवर्तनीय ब्याज़ दर एक से दो प्रतिशत ज़्यादा होती है। परिवर्तनीय ब्याज़ में बदलाव बैंक कई कारणों से लाते हैं, जैसे कि आर बी आई द्वारा दरों में बदलाव करने पर।

ऋण अवधि : ऋण कितनी अवधि के लिए दिया गया।

क़िस्त की राशि : प्रत्येक महीने कितनी राशि आवेदक द्वारा बैंक को देय होगी।

अधिस्थगन (मोरेटोरियम पीरियड) : अगर आवेदक द्वारा अधिस्थगन की माँग की गयी थी तो उसकी अवधि यहाँ बताई जाती है। अधिस्थगन के दौरान ब्याज़ का भुगतान आवेदक द्वारा किया जाएगा या नहीं यह भी यहाँ बताया जाता है।

प्राथमिक सुरक्षा और संपार्श्विक सुरक्षा (प्राइमरी एंड कोलैटरल सिक्योरिटी) : बैंक द्वारा सुरक्षा के रूप में क्या लिया गया है। सुरक्षा दो प्रकार की होती है, प्राथमिक वह जिसको ऋणदाता द्वारा दी गयी राशि से ही बनाया गया हो तथा संपार्श्विक वह जिसे बैंक प्राथमिक के अतिरिक्त लेते हैं। इन पर बैंक का हक़ होता है जबतक कर्ज़ (ऋण) चुकता न हो जाए।

विभिन्न प्रकार के शुल्क : जैसे कि प्रोसेसिंग, डॉक्यूमेंटेशन , इंस्पेक्शन इत्यादि शुल्क। कितने लगेंगे इसकी जानकारी यहाँ दी जाती है।

कर्ज़ (ऋण) के लिए विशिष्ट नियम और शर्तें : अगर बैंक द्वारा कोई ऐसी औपचारिकता हो जो आपके ऋण के सन्दर्भ में विशेष रूप से पूरी करनी हो तो उसका उल्लेख भी स्वीकृति पत्र में होता है।

स्वीकृति प्रदानकर्ता के हस्ताक्षर : अंत में बैंक के अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किये हुए स्वीकृति पत्र को ही मान्य माना जाता है और प्रत्येक आवेदक को अच्छी तरह से स्वीकृत पत्र पढ़ने के पश्चात ही अपनी स्वीकृति देनी चाहिए।

स्वीकृति पत्र की तारीख : पत्र में तारीख का महत्व बहुत है। हर स्वीकृति पत्र एक निश्चित अवधि के लिए ही मान्य होता है, इसलिए पत्र किस तारीख को दिया गया है उसको भी संज्ञान में लेना चाहिए।

बायोडाटा' नौकरी का पहला कदम

किसी भी पद के लिए आवेदन करते समय आपको अपना बायोडाटा भी भेजना पड़ता है। सही ढंग से बनाया गया बायोडाटा आपको साक्षात्कार का बुलावा दिला सकता है।

कुछ छोटी-छोटी बातें ऐसी भी हैं, जिनका विशेष तौर पर ध्यान रखकर आप अपने बायोडाटा को बेहतर बना सकते हैं। आइए डालते हैं इन पर एक नजरः

* बायोडाटा अच्छी क्वालिटी के ए-4 आकार के कागज पर ही बनाइए।

* बायोडाटा अच्छी तरह से उचित हाशिया छोड़कर टाइप किया जाना चाहिए।

* बायोडाटा को दो या अधिक से अधिक तीन पेजों तक ही सीमित रखें । कोशिश करें कि एक ही पेज में आपकी सारी जानकारियां समाहित हो जाएं।

* अतिशयोक्ति का सहारा न लें। भारी भरकम, साहित्यिक शब्दों के प्रयोग से बचें। भाषा सरल और स्पष्ट हो । वांछित वेतन का उल्लेख तभी करें, जब इसके बारे में विशेष रूप से पूछा गया हो ।

* केवल उन उपलब्धियों का उल्लेख करें, जिनके प्रमाण पत्र आपके पास उपलब्ध हैं।

* कुछ भी, कोई भी बात न लिखें क्योंकि बायोडाटा में लिखा गया झूठ भी आपका छोटा-सा झूठ आपको साक्षात्कार के समय परेशानी में डाल सकता है ।

* तथ्यों को तोड़मरोड़कर या इस प्रकार से न रखें कि उनको समझने में सामने वाले को कठिनाई हो। कोई भी बात छिपाने की कोशिश न करें ।

नैनो टेक्नोलॉजी में रोजगार के अवसर

21वीं सदी नैनो सदी बनने जा रही है। आज वस्तुओं के आकार को छोटा और मजबूत बनाने की होड़-सी मची हुई है। विभिन्न क्षेत्रों में नैनो तकनीक विकसित करने के लिए दुनिया भर में बड़े पैमाने पर शोध हो रहे हैं। अति सूक्ष्म आकार, बेजोड़ मजबूती और टिकाऊपन के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिसिन, ऑटो, बायोसाइंस, पेट्रोलियम, फॉरेंसिक और डिफेंस जैसे तमाम क्षेत्रों में नैनो टेक्नोलॉजी की असीम संभावनाएं बन रही हैं।

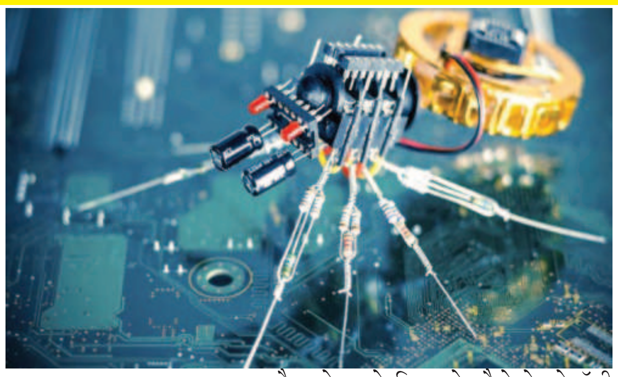

नैनो टेक्नोलॉजी का भविष्य

भविष्य में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा, इसलिए इस क्षेत्र में रोजगार की जबरदस्त संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। विज्ञान, इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी के किसी भी विषय से ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर नैनो टेक्नोलॉजी विषय लिया जा सकता है। तकनीकी जानकारों का मानना है कि आने वाला समय नैनो टेक्नोलॉजी का होगा। इससे ऐसी सूक्ष्म दवा बनाई जा सकेगी, जो कैंसर की करोड़ों कोशिकाओं में से किसी एक को पहचान कर उसका अलग से इलाज कर सकेगी।

नैनो टेक्नोलॉजी क्या है?

नैनो का अर्थ है ऐसे पदार्थ, जो अति सूक्ष्म आकार वाले तत्वों (मीटर के अरबवें हिस्से) से बने होते हैं। नैनो टेक्नोलॉजी अणुओं व परमाणुओं की इंजीनियरिंग है, जो भौतिकी, रसायन, बायो इन्फॉर्मेटिक्स व बायो टेक्नोलॉजी जैसे विषयों को आपस में जोड़ती है। इस प्रौद्योगिकी से विनिर्माण, बायो साइंस, मेडिकल साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स व रक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है, क्योंकि इससे किसी वस्तु को एक हजार गुणा तक मजबूत, हल्का और भरोसेमंद बनाया जा सकता है। नैनो विज्ञान अति सूक्ष्म मशीनें बनाने का विज्ञान है। ऐसी मशीनें, जो इंसान के जिस्म में उतर कर, उसकी धमनियों में चल-फिर कर वहीं रोग का ऑपरेशन कर सकें। ऐसी मशीनें, जो मोबाइल को आपके नाखून से भी छोटा कर दें। जो ऐसी धातु बना दें, जो स्टील से दस गुना हल्की और सौ गुना मजबूत हो। यानी वह धातु, जिससे ऐसे खंभे बनाए जा सकें, जो सिर्फ कुछ इंच के हों, लेकिन पुल का बोझ सह सकें। नेसकॉम की रिपोर्ट के मुताबिक नैनो टेक्नोलॉजी का अनुमानित बाजार 2015 तक 180 अरब डॉलर से बढ़ कर 891 अरब डॉलर हो जाएगा। इसके साथ ही दुनिया भर में 1.2 करोड़ नए रोजगार पैदा होंगे, जिसमें एक बड़ा हिस्सा भारत का होगा। अमेरिका, जापान और चीन के बाद भारत इस क्षेत्र में शोध पर सबसे अधिक निवेश करने वाला देश है। फिलहाल 400 से अधिक कंपनियां इस प्रौद्योगिकी पर आधारित 1000 से अधिक वस्तुएं बाजार में उतार चुकी हैं। भारत की तीस से अधिक कंपनियां सैकड़ों करोड़ के नैनो उत्पादों को अमेरिका, जर्मनी और पोलैंड जैसे देशों को निर्यात कर रही हैं। बेंग्लुरू में बन रहा नैनो-एस एंड टी पार्क देश को विश्व के नैनो टेक्नोलॉजी बाजार में स्थापित करेगा।

कौन बन सकता है नैनो इंजीनियर

नैनो टेक्नोलॉजी का मुख्य काम आज की तकनीक का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए बेहतर रिजल्ट तैयार करना है, इसलिए छात्रों को नए अनुसंधानों के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। यदि फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स व बायोलॉजी में अच्छी पकड़ है तो इससे अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने वाले छात्रों का धैर्यशील होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में कठिन और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है।

प्रमुख कोर्स

बी.टेक. इन नैनो टेक्नोलॉजी
एम.टेक. इन नैनो टेक्नोलॉजी
पी.जी. इन नैनो टेक्नोलॉजी

योग्यता

नैनो टेक्नोलॉजी में करियर बनाना है, तो तैयारी 12वीं से ही करनी होगी। बारहवीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान या गणित से पास होनी चाहिए, क्योंकि इसके बाद ही ग्रेजुएशन में साइंस रख पाएंगे। यही नैनोटेक का आधार भी है। जिन छात्रों ने मेकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रानिक्स, बायो टेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस जैसे विषयों से एमटेक किया है, वे भी इस क्षेत्र से जुड़ सकते हैं। नैनो टेक्नोलॉजी में पीजी करने के लिए साइंस में 50 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएट होना जरूरी है। एम.टेक. करने के लिए बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस, मैटीरियल साइंस, मैकेनिकल, बायो मेडिकल, केमिकल में से किसी भी विषय में बी.टेक. की डिग्री आवश्यक है। कुछ संस्थानों ने नैनोटेक्नोलॉजी में बी.टेक. की डिग्री भी शुरू की है।

वेतन : अगर आप नैनो टेक्नोलॉजी में बीटेक हैं तो शुरुआती दौर में 20 से 25 हजार रुपए आसानी से कमा सकते हैं। अगर एमटेक किया है तो वेतन 20 से 30 हजार रुपए प्रतिमाह तक जा सकता है। हालांकि आपकी क्षमता के आधार पर यह राशि लाखों में भी पहुंच सकती है।

किन-किन क्षेत्रों में हैं अवसर

नैनो टेक्नोलॉजी का अर्थ है साइंस ऑफ मिनिएचर यानी छोटी चीजों का विज्ञान। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन में बदल जाती है तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में भी भारी परिवर्तन आ जाता है। यह तकनीक मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में उपयोगी है। फार्मा, मेडिकल, कृषि, डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य एवं पेय पदार्थ की कंपनियों में, सरकार एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जा रहे शोध एवं विकास के प्रोजेक्ट में, शिक्षा और शोध में, बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में और प्रोडक्ट डेवलपमेंट में यह उपयोगी है।

फिटनेस ट्रेनर में बनाएं एक सुनहरा करियर

स्वस्थ शरीर और दिमाग दोनों ही फिटनेस को डिफाइन करते हैं। अगर हर दिन आप कसरत करते हैं तो कोई बीमारी आपको छू नहीं सकती है। कसरत कौन सी करें और कैसे करें इसके बारे में आपको फिटनेस ट्रेनर अच्छी तरह बता सकते हैं। आज के इस ब्लॉग के जरिए हम आपको बताएंगे कि फिटनेस ट्रेनर कौन होते हैं और फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए क्या करना पड़ता है। चलिए विस्तार से जानते हैं कि फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर कैसे बनाएं।

जैसे-जैसे लोग ठीक से व्यायाम करने लगते हैं, फिटनेस ट्रेनर उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्देश देते हैं और उन्हें जमकर प्रेरित भी करते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर एक या एक से अधिक क्षेत्रों में एक्सपर्ट हो सकते हैं और इस प्रकार, लोगों को उनके गाइडेंस में शारीरिक कसरत को करने में सहायता कर सकते हैं।

वे लोगों के एक ग्रुप को तैयार कर सकते हैं, या विशिष्ट क्लाइंट्स के साथ एक-के-बाद-एक सेशंस ले सकते हैं। यदि वे फिजिकल ट्रेनर बनने की इच्छा रखते हैं तो उनके पास संबंधित स्किल्स होना आवश्यक है क्योंकि नौकरी के लिए रोज़ाना के आधार पर क्लाइंट डीलिंग की आवश्यकता होती है।

फिटनेस ट्रेनर के कार्य

फिटनेस ट्रेनर का काम होता है अपने क्लाइंट्स को एक्सरसाइज कराना उसके अनुसार डाइट प्लानिंग कराना या बताना।

कसरत से आधारित सभी जानकारी अपने क्लाइंट्स को देना फिटनेस ट्रेनर के लिए आवश्यक होता है।

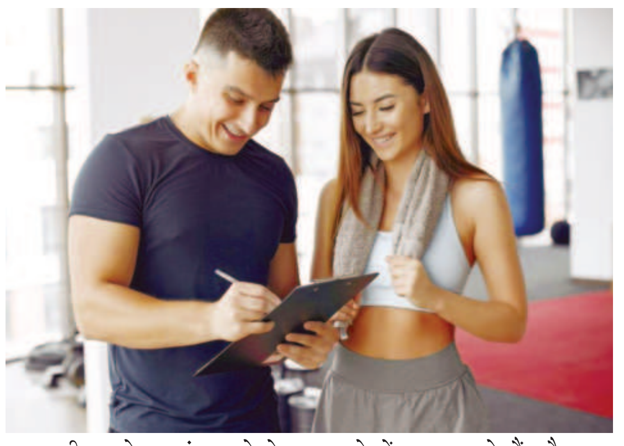

सभी ट्रेनिंग से संबंधित उपकरणों की नॉलेज होना बहुत आवश्यक है।

व्यक्ति के अनुसार तथा शरीर के मुताबिक कसरत और डाइट प्लान को बताना होता है।

फिटनेस ट्रेनर को पोषण, वजन प्रबंधन, तनाव कम करना, वजन घटाना, वजन बढ़ना, आहार से संबंधित आदि विषयों पर ध्यान देना होता है।

फिटनेस ट्रेनर के प्रकार

ऐसे कई अलग-अलग क्षेत्र हैं जिनमें एक ट्रेनर स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकता है। आइए नीचे जानते हैं फिटनेस ट्रेनर के प्रकार-

वेट मैनेजमेंट ट्रेनरः लाइफस्टाइल और वेट मैनेजमेंट सभी की एक आम चिंता बन गई है, इस प्रकार, ऐसे ट्रेनर लोगों को उनके सेट टारगेट के अनुसार वजन कम करने या बढ़ाने में मदद करते हैं और एक संतुलित लाइफस्टाइल प्राप्त करने में भी उनकी मदद करते हैं।

ऑर्थोपेडिक ट्रेनरः ऑर्थोपेडिक ट्रेनर उन क्लाइंट्स को अटेंड करते हैं जिनके पास विशेष रूप से घुटनों में मेडिकल कंडीशंस हैं और उनकी चिकित्सा स्थिरता को ध्यान में रखते हुए विशेष एक्सरसाइज और निर्देव की आवश्यकता होती है।

मेडिकल ट्रेनरः एक मेडिकल फिटनेस ट्रेनर उन लोगों का मैनेजमेंट करता है जो मेडिकल ट्रीटमेंट से गुजर रहे हैं या उन्हें कोई बीमारी है। जिसके कारण उन्हें एक निश्चित स्तर की फिजिकल फिटनेस बनाए रखनी होती है।

स्पेशल या सेलिब्रिटी ट्रेनरः फिटनेस ट्रेनर जो एडवांस ट्रेनिंग में स्पेशलाइजेशन रखते हैं, वे आमतौर पर लोकप्रिय सेलेब्स के साथ काम करते हैं और एक भूमिका के लिए उनकी बॉडी को प्राप्त करने में उनकी मदद करते हैं।

फिटनेस ट्रेनर बनने ले लिए टिप्स?

आवश्यक स्किल्स प्राप्त करें: फिटनेस क्षेत्र में प्रभावी होने के लिए, आपको फिट होने और दूसरों को भी ऐसा करने में मदद करने के लिए समर्पित होना चाहिए। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को कसरत करने के लिए प्रेरित करने में मदद कर सकते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर के लिए मजबूत इंटरपर्सनल स्किल्स की आवश्यकता होती है।

क्वालिफिकेशन परीक्षा दें: किसी मान्यता प्राप्त संघ द्वारा सर्टिफिकेशन फिटनेस इंडस्ट्री में शामिल होने का एक मानदंड है। कई संगठन लिखित और वास्तविकता मूल्यांकन के साथ स्वास्थ्य जांच प्रोग्राम प्रदान करते हैं।

स्पेशलाइजेशनः आप अपने चुने हुए क्षेत्र में विशेष कोर्स को करके अपने ट्रेनिंग अनुभव का विस्तार करते हैं। यदि आप वेट लिफ्टिंग या फंक्शनल फिटनेस में शामिल हैं, तो उस क्षेत्र के लिए विशिष्ट एडवांस्ड कोर्सेज के लिए एनरोल करें।

ऑन-द-जॉब ट्रेनिंगः यदि आप एक प्रोफेशनल फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो कार्य अनुभव एक आवश्यकता है। कई कंपनियां स्पेशलाइजेशन के आधार पर लोगों को भर्ती करती हैं। प्रैक्टिक अनुभव प्राप्त करने के लिए फ्रेशर्स ट्रेंड फिटनेस प्रोफेशनल्स के साथ असिस्टेंट के रूप में काम कर सकते हैं।

इस हफ्ते सुनील मित्तल ने बदल दी कहानी

तांकते रह गए टाटा और अंबानी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भले ही इस हफ्ते में शेयर बाजार काफी कम दिनों के लिए खुला हो, लेकिन देश की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप से एक लाख करोड़ रुपए साफ कर गया।

इस हफ्ते एयरटेल के मालिक सुनील मित्तल ने पूरी कहानी बदलकर रख दी। वहीं मुकेश अंबानी और रतन टाटा के पास सिर्फ सबकुछ देखने के अलावा कोई चारा नहीं था। वास्तव में सुनील मित्तल की एयरटेल के शेयरों में इजाफे की वजह से सबसे ज्यादा वैल्यूएशन में इजाफा हुआ है। वहीं टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट की वजह से वैल्यूएशन में कमी आई है।वैसे सेंसेक्स की टॉप कंपनियों में से सात का ज्वाइंट मार्केट कैप पिछले सप्ताह 1.16 लाख करोड़ रुपए घट गया। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 982.56 अंक या 1.37 फीसदी के नुकसान में रहा। टॉप 10 सबसे कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप में गिरावट आई। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और भारती एयरटेल की वैल्यूएशन बढ़ गई।

किन कंपनियों की घटी वैल्यूएशन

एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 32,661.45 करोड़ रुपए घटकर 10,90,001.31 करोड़ रुपए रह गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 20,682.74 करोड़ रुपए घटकर 5,71,337.04 करोड़ रुपए पर आ गया। सीएस का बाजार मूल्यांकन 19,173.43 करोड़ रुपए घटकर 13,93,439.94 करोड़ रुपए रह गया है। एसबीआई का पूंजीकरण 16,599.77 करोड़ रुपए के नुकसान से 5,46,989.47 करोड़ रुपए रह गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 15,908.1 करोड़ रुपए घटकर 5,68,262.28 करोड़ रुपए रह गया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर की 9,210.4 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 5,70,974.17 करोड़ रुपए रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकैप में 1,928.22 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 18,33,737.60 करोड़ रुपए पर आ गया।

इन कंपनियों की वैल्यूएशन

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 20,727.87 करोड़ रुपए बढ़कर 6,52,407.83 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इन्फोसिस ने 9,151.75 करोड़ रुपए जोड़े, जिससे उसका मूल्यांकन 6,93,457.65 करोड़ रुपए हो गया।

आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 1,137.37 करोड़ रुपए बढ़कर 7,08,511.16 करोड़ रुपए हो गई।

अगले हफ्ते 10 कंपनियों का होगा बाजार में डेब्यू, कराएंगी ताबड़तोड़ कमाई

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।अगले हफ्ते शेयर बाजार काफी धमाकेदार होने वाला है। जहां एक ओर 6 कंपनियों का आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। जोकि 500 करोड़ रुपए से ज्यादा जुटाएंगी। वहीं दूसरी तरफ 10 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टिंग होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसका मतलब है कि निवेशकों के दोनों हाथों में लड्डू होंगे। निवेश और कमाई दोनों के मौके इस हफ्ते में मिलने वाले हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर आने वाले हफ्ते में कौन-कौन कंपनियों की लिस्टिंग होने वाली हैं और कौन-कौन सी कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं।

इन कंपनियों के आने वाजे हैं आईपीओ

बीएलएस ई-सर्विसेज आईपीओ : नई दिल्ली बेस्ड कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज, एक टेक डिजिटेल सर्विस प्रोवाइडर है, जिसका पहला आईपीओ लॉन्च होने वाला है। आईपीओ का प्राइस बैंड 129-135 रुपए के बीच होगा और कंपनी 30 जनवरी को अपना आईपीओ लॉन्च करेगी। कंपनी 310.9 करोड़ रुपए जुटाने की प्लानिंग कर रही है। आईपीओ 1 फरवरी को बंद हो जाएगा। मेगाथर्म इंडक्शन आईपीओ : इंडक्शन हीटिंग और मेल्टिंग प्रोडक्ट मेकर 29 जनवरी को 100-108 रुपए प्रति शेयर के प्राइस बैंड पर अपना पब्लिक इश्यू जारी करेगा।

कंपनी का प्लानिंग बुक-बिल्ट इश्यू के माध्यम से 53.91 करोड़ रुपए जुटाने की है जो 31 जनवरी को बंद हो जाएगा। हर्षदीप हॉर्टिको आईपीओ : गमले और प्लांटर्स मेकर्स और सप्लार्या हर्षदीप हॉर्टिको भी 29-31 जनवरी तक अपना आईपीओ लेकर आ रहा है। कंपनी इस आईपीओ से 19.09 करोड़ रुपए जुटाएगी। इश्यू के लिए प्राइस बैंड 42-45 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

एलन मस्क की बादशाहत खत्म

बर्नार्ड अरनाल्ट ने छीनी नंबर वन की कुर्सी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जिस तरह से टेस्ला के शेयरों में गिरावट की वजह से एलन मस्क की दौलत में गिरावट देखने को मिल रही थी। कयास लगाए जा रहे थे कि एलन मस्क कभी भी दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी की कुर्सी गंवा सकते हैं। वो हो चुका है। फ्रेंच कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी बन चुके। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर्स के अनुसार बर्नार्ड की दौलत एलन मस्क के मुकाबले 3 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो चुकी है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर दोनों की कितनी दौलत हो चुकी है।अमेरिका के सबसे अमीर कारोबरी एलन मस्क अब दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन की कुर्सी से खिसककर दूसरे पायदान पर पहुंच गए थे। उन्हें फ्रेंच कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट ने पीछे छोड़ दिया है। फोर्ब्स रिलय टाइम बिलेनियर्स के अनुसार एलन मस्क की कुल दौलत 204.7 बिलियन डॉलर रह गई है। जबकि बर्नार्ड अरनॉल्ट की कुल दौलत 207.6 बिलियन डॉलर हो गई है। दोनों कारोबारियों के बीच करीब 3 बिलियन डॉलर का अंतर हो गया है। वहीं दूसरी ओर जेफ बेजोस की कुल दौलत 181.3 बिलियन डॉलर है और दुनिया के तीसरे नंबर के कारोबारी हैं।एलन मस्क के पिछड़ने का कारण टेस्ला के शेयरों में गिरावट है। बीते एक महीने में टेस्ला के शेयरों में करीब 28 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। जिसकी वजह से टेस्ला की वैल्यूएशन में 200 अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। जिसका असर एलन मस्क की कुल दौलत में देखने को मिला है। इस दौरान मस्क की नेटवर्थ में करीब 40 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। यही कारण है कि वो पहले पायदान से खिसककर दूसरे पायदान पर आ गए हैं।दूसरी ओर एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी कुल दौलत 104.4 अरब डॉलर पर आ गई है। वहीं दूसरी ओर गौतम अडानी की कुल दौलत 75.7 अरब डॉलर पर है। बीते कुछ समय से अंबानी और अडानी की नेटवर्थ में तेजी दोनों की कंपनियों में तेजी की वजह से देखने को मिली है।

खास बात तो ये है कि चीन का कोई भी बिलेनियर टॉप 20 तक में भी नहीं है। चीन के जोंग शैनशैन61.3 अरब डॉलर के साथ दुनिया के 22वें सबसे अमीर कारोबारी हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-52 सूर्यास्त. -18-05
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 08 -54 - पूर्ण दिन-रात तक
मास - माघ कृष्ण पक्ष , सोमवार 29 January
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - 18 - 57 - तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - शोभन - 09 - 43 - तक उप अतिगण्ड
करण- बव - 16 -52 - तक उप- बालव
विशेष:- संकष्ट तिल चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - चन्द्रोदय- रात्रि 21-10

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मकर	में	मकर..	05-57	बजे
चंद्र-	सिंह	में	कुंभ....	07-48	बजे
मंगल	धनु	में	मीन ..	09-25	बजे
बुध-	धनु	पें	मेष--	11-01	बजे
गुरु-	मेष	में	वृष--	12-46	बजे
शुक्र-	धनु	में	मिथुन..	14-46	बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-58	बजे
राहु-	मीन	में	सिंह....	19-10	बजे
केतु-	कन्या	में	कन्या..	21-17	बजे
			तुला.....	23-22	बजे
			वृश्चिक	00-33	बजे
			धनु.....	03-50	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:15 से 09:40 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:52 - 08:15	शुभ	चंचल.	18:05 - 19:44	शुभ
काल	08:15 - 09:40	अशुभ	रोग.	19:44 - 21:19	अशुभ
शुभ	09:40 - 11:04	शुभ	काल.	21:19 - 22:54	अशुभ
रोग	11:04 - 12:29	अशुभ	लाभ	22:54 - 24:29	शुभ
उत्पात	12:29 - 13:54	अशुभ	उत्पात	24:29 - 02:04	अशुभ
चंचल	13:54 - 15:19	शुभ	शुभ	02:04 - 03:40	शुभ
लाभ	15:19 - 16:44	शुभ	अमृत	03:40 - 05:15	शुभ
अमृत	16:44 - 18:05	शुभ	चंचल	05:15 - 06:52	शुभ

लग्जरी कारों पर जीएसटी कम कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ऑटो सेक्टर की कुछ प्रमुख कंपनियों का मानना है कि सरकार को अंतरिम बजट में ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने की पॉलिसी को जारी रखने की जरूरत है। उनका कहना है कि इसके अलावा इंफ्रा सेक्टर की विकास की रफ्तार को भी कायम रखने की जरूरत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी।

जीएसटी कम करने पर हो ध्यान

मर्सिडीज बेंज इंडिया के एमडी एवं सीईओ संतोष अय्यर ने कहा कि हमारा अनुमान है कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रोजेक्ट्स पर कैपिटल एक्सपेंडिचर जारी रहेगा। सरकार को ग्रीन मोबिलिटी के लिए नीतिगत प्रोत्साहन पर ध्यान जारी रखना चाहिए। इससे देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ाने में मदद मिलेगी। अय्यर ने कहा कि लग्जरी कार इंडस्ट्री देश के जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ऐसे में यह क्षेत्र चाहता है कि प्राथमिकता के आधार पर शुल्क ढांचे और जीएसटी को बेहतर किया जाए। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर हमें आगामी बजट में किसी तरह के आश्चर्य की उम्मीद नहीं है। फिलहाल लग्जरी कारों पर 28 फीसदी जीएसटी लगता है। साथ ही सेडान पर 20 फीसदी और एसयूवी पर 22 फीसदी का अतिरिक्त सेस लगता है। ऐसे में इन वाहनों पर कुल कर करीब 50 फीसदी बैठता है।

इकोनॉमी और ट्रांसपोर्ट सेक्टर

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के डिप्टी एमडी (कॉरपोरेट प्लानिंग, फाइनेंस, एडमिन और मैन्युफैक्चरिंग) स्वप्नेश आर मारू ने कहा कि व्हीकल मेकर्स को भरोसा है कि सरकार इकोनॉमी और ट्रांसपोर्ट सेक्टर को एक ऐसे ग्रीन फ्यूचर में ट्रांसफर करने की दिशा में अपना प्रयास जारी रखेगी जो जीवाश्म ईंधन पर कम निर्भर हो। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं एमडी रघुपति सिंघानिया ने कहा कि ऑटो सेक्टर के लिए सतत नीतियों से इस क्षेत्र का विस्तार होगा।

कमर्शियल व्हीकल हों इलेक्ट्रिक

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की एमडी एवं सीईओ सुमन मिश्रा ने कहा कि समावेशी आय सृजन, इलेक्ट्रिक तिपहिया और कमर्शियल व्हीकल के जरिए लोग वित्तीय रूप से सशक्त हो रहे हैं। हम बजट में भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल को अपनाने और मैन्युफैक्चरिंग (फेम) की योजना के जरिए इस क्षेत्र को प्राथमिकता देने की उम्मीद करते हैं।

ईएलसीवी पर सब्सिडी

पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड के सीईओ शल्य गुप्ता ने कहा कि सरकार 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है। ऐसे में हल्के वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईएलसीवी) न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं, बल्कि कम उत्सर्जन के समाधान की भी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार ईएलसीवी पर न केवल सब्सिडी समर्थन जारी रखेगी, बल्कि इनके पंजीकरण की प्रक्रिया को भी सरल करेगी।

कब मिलेगा सस्ता पेट्रोल और डीजल? दो महीने के हाई पर कच्चा तेल

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम दो महीने के हाई पर हैं। खाडी देशों का ब्रेंट क्रूड ऑयल और अमेरिकी तेल डब्ल्यूटीआई के दाम में इजाफा हुआ है। बीते एक हफ्ते में 6 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है। वैसे कच्चे तेल की कीमतें अब भी 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी हुई है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा नहीं होने वाले हैं। ऐसे में भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को कम करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। वैसे आम लोगों को अभी भी सस्ते कच्चे तेल की कीमतों का फायदा नहीं मिल सकता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को लगातार फायदा हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल पर कंपनियों को 11 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर का फायदा मिल रहा है। वहीं अनुमान है कि तीसरी तिमाही के नतीजों के आने के बाद ऑयल मार्केटिंग कंपनियों का प्रॉफिट 75 हजार करोड रुपए पर आ सकता है। जिसकी वजह से कयास लगाए जा रहे हैं कि फरवरी के महीने में आम लोगों को पेट्रोल और डीजल पर राहत दी जा सकती है।ब्रेंट क्रूड वायदा 1.12 डॉलर या 1.4 फीसदी बढ़कर 83.55 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जो 30 नवंबर के बाद का उच्चतम स्तर है। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई) 65 सेंट या 0.8 फीसी चढ़कर 78.01 डॉलर पर पहुंच गया, जो नवंबर के बाद का उच्चतम स्तर है। दोनों में बीते एक हफ्ते में 6 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। जो गाजा में इज़राइल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद 13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि है। अगर बात मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज की करें तो 16 फरवरी को समाप्त होने वाला कच्चा तेल वायदा 0.08 फीसदी बढ़कर 6,386 रुपए प्रति बैरल पर बंद हुआ, जो पिछले सत्र के दौरान 6,208 रुपए और 6,391 रुपए प्रति बैरल के बीच झूल रहा था।वहीं दूसरी ओर भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है।

सरकार आसान लोन का दे सकती है विकल्प, इनोवेशन सेंटर की पड़ेगी जरूरत

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। एडटेक फर्म बायजू ने 22 महीने की देरी के बाद आखिरकार 23 जनवरी 2024 को वित्तीय वर्ष 2022 के अपने फाइनेंशियल रिपोर्ट का खुलासा किया था। आंकड़ों से कंपनी के रेवेन्यू और नेट लॉस के बीच काफी अंतर का पता चलता है। बायजू के कॉसोलिडेट रेवेन्यू में 54।2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो वित्त वर्ष 2011 में 2,428 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2012 में 5,298 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इस वृद्धि पर कंपनी के नेट लॉस पर खास प्रभाव पड़ा, जो वित्त वर्ष 2021 में 4,564 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 8,245 करोड़ रुपये हो गया। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि कोरोना काल में एडटेक सेक्टर में जोरदार तेजी देखी गई थी। जो अब धीरे-धीरे कम होती है जा रही है। ऐसे में सरकार से इस सेक्टर के एक्सपर्ट जीएसटी कम करने की उम्मीद कर रहे हैं।एडीडीए247 के फाउंडर अनिल नागर कहते हैं कि केंद्रीय बजट 2024 नजदीक आने के साथ हम एडटेक सेक्टर को समर्थन देने पर एक मजबूत फोकस की उम्मीद करते हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों पर 18% वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को कम करेगी, जो एक महत्वपूर्ण कदम है। शैक्षिक सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाएं। हाइब्रिड/ऑनलाइन शिक्षा के बढ़ने के साथ, स्कूलों और कॉलेजों में टेक इंफ्रा में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। हमें कुछ सरकार समर्थित कार्यक्रमों और इनोवेशन सेंटर को देखने की भी उम्मीद है। कौशल भारत मिशन के तहत, सरकार अपस्किलिंग कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। हम युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए भारत को कौशल प्रदान करने में निजी खिलाड़ियों के सहयोग में वृद्धि की उम्मीद करते हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत गंभीर स्थिति से निपट रहा है, क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं के चलते देश की जीडीपी में 3.14% की बड़ी कमी आ रही है। स्टीलबर्ड के एमडी राजीव कपूर कहते हैं कि मेरा पहला प्रस्ताव है हेलमेट्स पर वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) को वर्तमान 18% से 5% करने का। इस कदम को आवश्यक माना गया है, क्योंकि हेलमेट्स को जीवन बचाने वाली उपकरण के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य इन्हें सामान्य जनता के लिए आर्थिक रूप से पहुंचने योग्य बनाना है और इसके परिणामस्वरूप हेलमेट उपयोग की कुल अनुपालन में वृद्धि करना है।मोबिक्विक के को-फाउंडर और सीईओ बिपिन प्रीत सिंह कहते हैं कि 2024 में हम उम्मीद करते हैं कि आगामी केंद्रीय बजट एमएसएमई के लिए क्रेडिट कॉर्पस को बढ़ाकर फाइनेंशियल इनक्लूजन को आगे बढ़ाएगा।

दाल, राजमा, मटर समेत खाने-पीने की कई चीजों पर भी पड़ रही महंगाई की मार, चावल हुआ सस्ता

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इस्राइल-हमास युद्ध के बाद लाल सागर में माल ढोने वाले जहाजों पर हमले के खतरे से अब भारत का व्यापार प्रभावित हो रहा है। स्थिति यह है कि भारत से चावल का निर्यात न होने से चावल के दामों में गिरावट आई है, जबकि दाल समेत अन्य चीजों का आयात न होने से लोगों पर महंगाई की मार पड़ने की आशंका बनी हुई है। व्यापारियों का दावा है कि अगर इस समस्या से निजात नहीं मिली तो आने वाले दिनों में कई सामानों के रेट में उछाल आ सकता है।

सामानों की सप्लाई प्रभावित

एग्री फार्मर एंड ट्रेड असोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील बलदेवा ने बताया कि बीते कुछ दिनों से लाल सागर के जरिए सामानों की सप्लाई प्रभावित हुई है। क्योंकि लाल सागर के जरिए जहाजों पर हमले का खतरा है। इससे शिपिंग कंपनियों ने प्रति टन सामानों की ढुलाई में 30 से 50 डॉलर की वृद्धि कर दी है, जिससे व्यापारी परेशान हैं।

कई कमोडिटी की सप्लाई ठप

बाजार में इस समय कई सामानों की सप्लाई लगभग ठप हो चुकी है। सुनील के मुताबिक, अफ्रीका से अरहर की दाल की सप्लाई भारत में होती है, लेकिन सप्लाई चेन प्रभावित होने से बीते कुछ दिनों में अरहर दाल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, चावल, सफेद मटर से लेकर कई चीजों की सप्लाई प्रभावित है। साथ ही कनाडा से आने वाले सनफ्लावर और पीले सरसों के तेल की सप्लाई पर भी असर पड़ा है।

चावल हो गया सस्ता

इस युद्ध की वजह से भारत से चावलों का निर्यात नहीं हो पा रहा है। इससे चावल के दाम भरभरा कर गिर गए हैं। नया बाजार के चावल कारोबारी सचिन शर्मा ने बताया कि विदेशों में चावल की सप्लाई भारत से होती है, लेकिन लाल सागर से चावल की होने वाली सप्लाई ठप होने से बीते दस दिनों में बासमती के चावल में प्रति किलो 10 रुपये तक की गिरावट आई है। साथ ही दूसरे देशों से चावल का ऑर्डर लेने वाले व्यापारी भी सप्लाई न देने से परेशान हैं।

इस अंजान शहर में बनेगी अमेरिका की सबसे ऊंची बिल्डिंग, नोएडा से भी कम है आबादी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में सबसे ऊंची इमारत बनने जा रही है। इसका निर्माण न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन या शिकागो में नहीं बल्कि एक अंजान शहर में होने जा रहा है। डेवलपर्स का एक ग्रुप इसे ओकलाहोमा सिटी में बनाना चाहता है। यह इमारत 1,907 फुट होगी और इसकी ऊंचाई शहर की अब तक की सबसे ऊंची इमारत से दोगुनी होगी।

यह अमेरिका की सबसे ऊंची और दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची इमारत होगी। अमेरिका में अभी 10 सबसे ऊंची इमारतें न्यूयॉर्क और शिकागो में है। न्यूयॉर्क अमेरिका का सबसे बड़ा शहर है जबकि शिकागो तीसरी बड़ी सिटी है। ओकलाहोमा सिटी अमेरिका का 20वां सबसे बड़ा शहर है और इसकी आबादी करीब 700,000 है। यानी यह आबादी के हिसाब से नोएडा से भी छोटा शहर है। नोएडा की आबादी इस साल 903,000 पहुंचने का अनुमान है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,): आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है । विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है | किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आज आपको ईमानदारी से काम लेना है।आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा । आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिल पायेंगे जिसके विचार आपसे मिलते हों ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

परिवार से कोई राजनीति में नहीं; फिर कैसे बढ़ी राजनीति ?

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से बिहार की राजनीति में अचानक तूफान आ गया था, जब अटकलें लगाई जानें लगी की सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसी बीच, तमाम राजनीतिक गठजोड़ के बाद आखिरकार नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंपकर अटकलों को सही साबित कर दिया है।

उन्होंने राजभवन पहुंचकर अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा है। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा नीतीश कुमार ने कहा कि मैं सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। पुराने गठबंधन के साथ काम करना बेहद मुश्किल हो रहा था। अब हम नए गठबंधन के साथ नई सरकार बनाएंगे। गौरतलब है कि बिहार में लालू प्रसाद की पार्टी आरजेडी के साथ नीतीश कुमार की जेडीयू के बीच गठबंधन था।

तमाम राजनीतिक उठापटक के बीच हर कोई नीतीश कुमार के परिवार और उनके बारे में सबकुछ जानना चाहता है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि नीतीश का परिवार हमेशा से ही लाइमलाइट से दूर रहा है। नीतीश कुमार का इकलौता बेटा निशांत कुमार भी कम ही चर्चा में रहता है। इसके अलावा नीतीश के भाई, बहन और पत्नी के बारे में भी लोगों को कम ही मालूम चलता है। ऐसे में आज हम आपका परिचय नीतीश कुमार के पूरे परिवार से कराएंगे।

शुरुआत नीतीश कुमार से ही करते हैं

नीतीश कुमार का जन्म एक मार्च 1951 को बिहार के बख्तियारपुर में हुआ था। उनकी मां का नाम परमेश्वरी देवी था। पिता कविराज राम लखन सिंह एक आयुर्वेदिक डॉक्टर (वैद्य) थे। नीतीश काफी शिक्षित घराने से आते हैं। उन्होंने 10वीं तक की पढ़ाई गांव के ही एक स्कूल से की थी, बाद में बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (अब एनआईटी पटना) से साल 1972 में मकैनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री ली। पढ़ाई के बाद उन्होंने बिहार इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड में काम करना शुरू किया। यहां उनका मन नहीं लगा तो वह राजनीति में उतर आए।

70 के दशक में इंदिरा गांधी और कांग्रेस सरकार की नीतियों के खिलाफ पूरे देश में गुस्सा था। जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार के साथ पूरे देश में आंदोलन चल रहा था। ऐसे में, नीतीश कुमार भी उस आंदोलन से जुड़ गए। जेपी के इस आंदोलन ने केंद्र की इंदिरा सरकार को

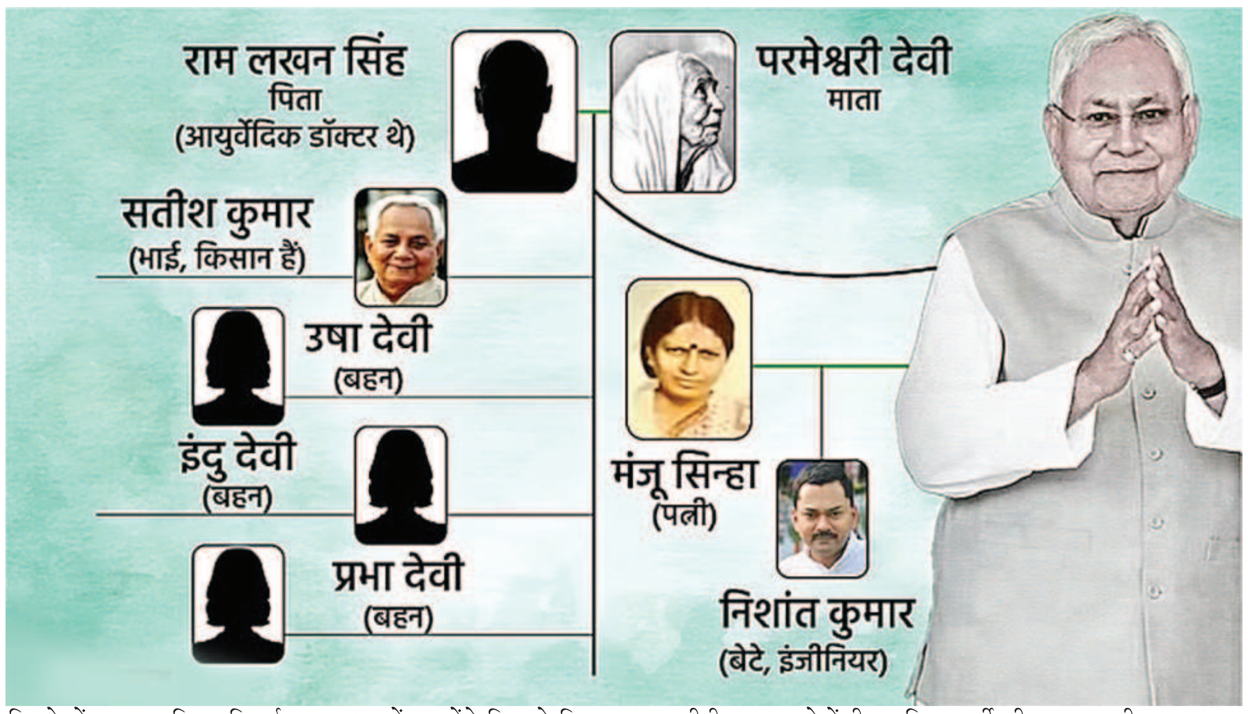

गिराने में अहम भूमिका निभाई। तब इस आंदोलन में कई युवा नेता उभर कर सामने आए, इनमें से एक नीतीश भी थे।

जनता पार्टी के अध्यक्ष सत्येंद्र नारायण सिन्हा के नीतीश काफी करीबी थे। सत्येंद्र नारायण की बदौलत ही वह जनता पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने जनता पार्टी के सदस्य के रूप में पहली बार 1977 का बिहार विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। 1985 में, उन्होंने फिर से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। 1987 में उन्हें लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

फिर ऐसे बढ़ी राजनीति

1989 में नीतीश कुमार को बिहार में जनता दल के महासचिव नियुक्त किए गए। उसी साल बिहार की बाढ़ लोकसभा क्षेत्र से संसद चुने गए।

अप्रैल 1990 से नवंबर 1990 तक नीतीश कुमार ने केंद्रीय कृषि और सहकारिता मंत्री के रूप में काम किया। 1991 में वह दूसरी बार सांसद चुने गए।

नीतीश कुमार को संसद का उपनेता बनाया गया। वह मंडल आयोग की रिपोर्ट के कार्यान्वयन में शामिल थे।

1995 में उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ लड़ाई लड़ी। जॉर्ज फर्नांडीस के साथ समता पार्टी की शुरुआत की। तब चुनाव में उनकी पार्टी केवल छह सीटें ही जीत सकी थी।

1996 में नीतीश ने फिर से लोकसभा चुनाव लड़ा और सांसद चुने गए। उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय रेल मंत्री, भूतल परिवहन मंत्री और कृषि मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।

दो अगस्त 1999 में गैसल ट्रेन दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए नीतीश कुमार ने केंद्रीय रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

नीतीश के रेल मंत्री रहते हुए ही टिकटों की तत्काल बुकिंग की सुविधा शुरू की गई थी।

मार्च 2000 में वह पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। हालांकि, केवल सात दिनों तक ही उनका कार्यकाल रहा। इसके बाद 2005, 2010, 2013, 2015, 2017, 2020 और 2022 में आठ बार मुख्यमंत्री बने।

अब परिवार के बारे में जान लीजिए

नीतीश कुमार की तीन बहनें और एक बड़े भाई हैं। बड़े भाई सतीश कुमार किसान हैं। उनके अलावा तीन बहनें उषा देवी, इंदु देवी और प्रभा देवी हैं। हलांकि, इन सभी के बारे में ज्यादा जानकारी पब्लिक में नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि नीतीश के परिवार के सभी सदस्य राजनीति और लाइमलाइट से दूर रहते हैं।

पत्नी की मौत पर खूब रोए थे

नीतीश कुमार ने इंटर कास्ट मैरिज की है। उनकी शादी 22 जून 1973 में मंजू कुमारी सिन्हा से हुई थी। मंजू सरकारी स्कूल में टीचर थीं। 2007 में मंजू का निधन हो गया था। पत्नी की मौत पर नीतीश काफी दुखी हुए थे। मीडिया रिपोटर्स के अनुसार उस दौरान वह खूब रोए थे।

बेटा निशांत राजनीति से दूर

नीतीश और मंजू का एक बेटा है निशांत कुमार। निशांत ने बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। निशांत राजनीति से हमेशा दूर ही रहे। वह राजनीतिक सभाओं या राजनैतिक कार्यक्रमों में कभी भी पिता के साथ नजर नहीं आते। निशांत खुद भी इस बात का एलान कर चुके हैं कि वह कभी भी अपने पिता की तरह राजनीति में नहीं आएंगे।

31 दिसंबर 2023 तक के आंकड़ों के मुताबिक, मुख्यमंत्री 1.64 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। उनके पास 22,552 रुपये नकद हैं, और विभिन्न बैंक खातों में 49,202 रुपये जमा हैं। मुख्यमंत्री के पास 11.32 लाख रुपये की एक फोर्ड इकोस्पोर्ट कार, 1.28 लाख रुपये की दो सोने की अंगूठियां और एक चांदी की अंगूठी और अन्य चल संपत्ति जैसे 1.45 लाख रुपये की 13 गायें और 10 बछड़े, एक ट्रेडमिल, एक व्यायाम साइकिल और एक माइक्रोवेव ओवन भी है। यह भी बताया गया है कि सीएम नीतीश कुमार के पास एकमात्र अचल संपत्ति नई दिल्ली के द्वारका में एक अपार्टमेंट है, जिसकी कीमत 2004 में 13.78 लाख रुपये थी और अब इसकी कीमत 1.48 करोड़ रुपये है।

'भूपेश की चिट्ठी के बाद ईडी की कार्रवाई'

सांसद बघेल बोले-ईओडब्ल्यू के पास पहले से थी शिकायत; पूर्व मंत्रियों सहित 100 पर केस

भिलाई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कोल और शराब स्कैम मामले में ईडी ने 106 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसे लेकर दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा है कि यह कार्रवाई पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पत्र के बाद हुई है। उन्होंने कहा कि, पूर्व मुख्यमंत्री ने ही ईडी को एक पत्र लिखा था।

सांसद विजय बघेल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि, उन्हें यह बात पता चली है। ईओडब्ल्यू के पास पहले से इसकी शिकायत थी। उन्होंने यह भी कहा कि कार्रवाई ईडी का अपना मामला है। कानून अपना काम करता है। हमें हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

पूर्व मंत्री लखमा-भगत सहित 100 पर एफआईआर

शराब और कोयला घोटाले मामले में ईडी ने दो पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 100 लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराई है। इनमें कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक यूडी मिंज, गुलाब

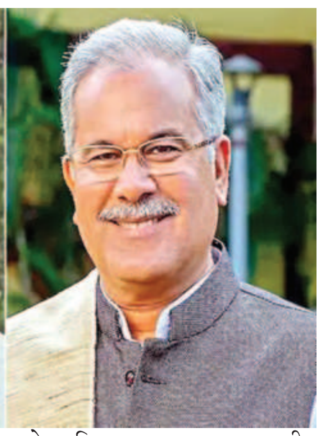

कमरो, शिशुपाल का नाम शामिल है।

इनके अलावा 2 निलंबित आईएएस, रिटायर्ड आईएएस अफसर सहित कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल सहित अन्य के नेताओं के नाम भी हैं। कोयला घोटाले में 30 से अधिक नाम और शराब घोटाले में 70 नाम शामिल हैं। ये एफआईआर एसीबी में 17 जनवरी को कराई गई है।

शराब घोटाले में था मंत्री और अफसरों का हिस्सा

शराब घोटाला मामले में आईएएस टुटेजा समेत 70 लोगों के खिलाफ धारा 120-बी-आईपीसी, 420, 467 आईपीसी 468,471,12पीआरई में केस की गई है। ईडी ने शिकायत में कहा है कि, आरोपियों ने शराब के अवैध व्यापार से करोड़ों कमाए और मंत्रियों, अफसरों का इसमें हिस्सा था।

कोल केस में अब तक क्या हुआ

ईडी ने अब तक कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सचिवालय में काम करने वाली अधिकारी सौम्या चौरसिया, आईएएस समीर बिश्नोई समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। 222 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई है और इस पूरे मामले की जांच जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री बोले-लोकसभा चुनाव को ध्यान में रख केस

इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन विधायक भूपेश बघेल ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग पिछले 3 सालों से इस मामले की जांच कर रहे थे। अब यह पता चला है कि सरकार ने राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

ईडी और आईटी द्वारा जब जांच की जा रही थी, तो उस दौरान हमारे किसी भी नेता का नाम नहीं लिया गया था। हालांकि, एसीबी ने अब हमारे कई नेताओं को नामित करते हुए अपराध दर्ज किया है। ऐसा लगता है कि आने वाले समय में लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मामला दर्ज किया गया है।

आयोजन समिति के पास नहीं क्राउड मैनेजमेंट का अनुभव

एचसी में पलामू के डीसीएलआर का सप्लीमेंट्री एफिडेविट बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम को लेकर दिया जवाब

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू में प्रस्तावित बाबा बागेश्वर धाम के कार्यक्रम को लेकर पलामू डीसीएसआर ने हाईकोर्ट में सप्लीमेंट्री एफिडेविट दाखिल किया गया है। अपने शपथ पत्र में उन्होंने उच्च न्यायालय को बताया है कि हनुमंत कथा आयोजन समिति के पास न तो इतने बड़े आयोजन का अनुभव है और न ही उनके पास क्राउड मैनेजमेंट को लेकर फुलप्रूफ प्लानिंग है।

आयोजन समिति ने किसी दूसरी एजेंसी को काम भी नहीं दिया है, जिसके बाद इस तरह के बड़े आयोजन का अनुभव हो। इसके साथ ही आयोजन को लेकर होने वाली प्रशासनिक परेशानियों के बारे भी बताया गया है। बता दें कि जिले के चैनपुर प्रखंड के ओरनार गांव में पंडित धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम होना है।

हाईकोर्ट ने 24 जनवरी की सुनवाई के दौरान जिला प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरतों की समीक्षा कर 29 जनवरी (अगली सुनवाई से पहले)

से पहले याचिका के रूप में रिपोर्ट देने को कहा था। जिसके बाद जिला प्रशासन की ओर से अदालत को विस्तृत जानकारी सौंपी गई।

जिले के डीसीएलआर प्यारे लाल की ओर से दायर एफिडेविट के अनुसार जिले में इतना बड़ा कार्यक्रम को संभालने के लिए पुलिस बल नहीं है। जिले में मात्र 750 पुलिसकर्मी तैनात हैं। बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम में चार से छह लाख लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में उन्हें नियंत्रित करने के लिए 7000 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की जरूरत होगी।

इसके साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 5000 एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेटों की आवश्यकता है। सूत्रों के मुताबिक जिला प्रशासन की गोपनीय रिपोर्ट बताती है कि इस कार्यक्रम में न केवल झारखंड बल्कि बिहार, यूपी और छत्तीसगढ़ से छह लाख तक लोग आ सकते हैं।

अदालत को दी गई जानकारी के अनुसार कथा के दौरान भक्तों के आने-जाने से नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे सहित दूसरी सड़कें बाधित हो जाएंगी। जिससे यातायात और ट्रांसपोर्टेशन की समस्या पैदा हो सकती है।

प्राइवेट और कॉमर्शियल वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह से रोका जाएगा। ऐसा होने से पलामू जिले की आम जनता को दूध, सब्जी, फल और किराना आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं से व्यवधान का सामना करना पड़ेगा। जानकारी के मुताबिक एफिडेविट में गूगल मैप से मिले फुटेज की एक फोटो कॉपी भी दी गई है।

हाईकोर्ट में सुनवाई कल होगी

इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। कल 29 जनवरी को इसी मामले को लेकर सुनवाई होगी। कार्यक्रम आयोजन को लेकर अदालत में हनुमंत कथा आयोजन समिति के सचिव दीनानाथ प्रसाद की ओर से संशोधित याचिका दायर की गई है।

इस मामले में 24 जनवरी को सुनवाई हुई थी। यह आंशिक सुनवाई थी। जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में हुई पिछली सुनवाई के दौरान अदालत की ओर से जिला प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरतों की समीक्षा कर 29 जनवरी से पहले याचिका के रूप में रिपोर्ट देने को कहा था। जिसके बाद जिला प्रशासन की ओर से अदालत को विस्तृत जानकारी सौंपी गई।

पलामू में 10 से 15 फरवरी के बीच बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री की कथा होनी है। पहले यह आयोजन शहर से लगी अमानत नदी के किनारे होना था। इसकी अनुमति एसडीओ लेवल पर दे दी गई थी।

झारखंड में हो सकता है बड़ा खेल

इंडिया गठबंधन के भविष्य पर कांग्रेस से चर्चा

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में जारी सियासी उथलपुथल का असर झारखंड की राजनीतिक पर भी पड़ सकता है। राजभवन में बीटिंग रिट्रीट समारोह में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज देर शाम दिल्ली पहुंच गए है। हेमंत सोरेन दिल्ली किससे मिलने गए हैं, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि झारखंड में भी बड़ी राजनीतिक उठापटक हो सकती है।

जमीन घोटाला मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अब तक दस समन भेज चुका है। सीएम से जमीन घोटाला मामले में एक बार पूछताछ हो चुकी है। ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से 27 से 31 जनवरी के बीच पूछताछ के लिए समय मांगा था। लेकिन, सीएम ने

पहले ही ईडी को पत्र भेजकर अपनी व्यस्तता का जिक्र किया था। हेमंत सोरेन ने जेएमएम की स्थापना दिवस समारोह और विधानसभा के बजट सत्र का हवाला दिया था।

बिहार में चल रहे राजनीतिक घमासान पर जब जेएमएम से सवाल किया गया तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर झारखंड मुक्ति मोरचा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने नीतीश कुमार के चरित्र पर ही सवाल खड़ा कर दिया था।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने पाला बदलने की संभावना की वजह से नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन का संयोजक नहीं बनाने की बात कही थी। दूसरी तरफ सीट बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा था, कांग्रेस के साथ लोकसभा सीटों को लेकर सहमति बन गई है। चुनाव की तारीख का ऐलान होने का इंतजार है।

इंडिया गठबंधन का भविष्य

जेएमएम सूत्रों की माने तो बिहार में जारी सियासी उठापटक के बीच सीएम हेमंत सोरेन इंडिया गठबंधन के भविष्य पर चर्चा करने दिल्ली गए हैं। दिल्ली में उनकी मुलाकात कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से हो सकती है।

चतरा लोकसभा मांग रहा विकास

पार्टी आलाकमान ने विश्वास जताया तो लड़ूंगा चुनाव, बोले - गिरिनाथ सिंह

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड भाजपा नेता गिरिनाथ सिंह ने चतरा लोकसभा सीट में दावेदारी पेश की है। उन्होंने कहा है कि पार्टी आलाकमान उनपर विश्वास जताती है तो वे लोकसभा चुनरव लड़ने को तैयार हैं। उनके मुताबिक चुनाव लड़ने की इच्छा उनकी नई इच्छा नहीं बल्कि पहले से है। पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने कहा है कि चतरा लोकसभा विकाा की मांग कर रहा है। यह दुर्भाग्य है कि आजादी के बाद से आजतक चतरा रेल से नही जुड़ सका है। उनकी पहली प्राथमिकता यही है कि चतरा का तेजी से विकास हो। उन्होंने डबल इंजन सरकार की खुलकर सराहना की। कहा कि जनता की मांग भी है कि चतरा विकास करे और यह विकास डबल इंजन की सरकार में ही संभव है। भाजपा नेता ने प्रदेश की हेमंत सरकार पर बड़ा

हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो स्थिति सचिवालय की है आज वहीं स्थिति राज्य में प्रखंडों की हो गई है। बिना न्योछावर दिए जनता का कोई काम नहीं हो रहा है। भ्रष्टाचार चरम पर है। अधिकारी बेलगाम हो गए हैं। आमलोगों का कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हेमंत सरकार को सत्ता से बेदखल किया जाए। लोकसभा चुनाव के बाद होने वाली विधानसभा चुनाव में डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

वीरता पुरस्कार मिला, पर सिस्टम से हारा ओम

दुर्ग का 10वीं का छात्र बोल-सुन नहीं सकता, नई मशीन चाहिए; पिता बोले-कई बार लगा चुके गुहार

रायपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने बच्चों को उनके अदम्य साहस के लिए वीरता पुरस्कार प्रदान किए। इस पुरस्कार को पाने वाला एक बच्चा भिलाई का ओम उपाध्याय भी है। छोटे बच्चों को डॉग्स के झुंड से बचाने के लिए उसे वीरता मेडल दिया गया है।

ओम के पिता सुधीर उपाध्याय बताते हैं कि वह दिव्यांग है। बचपन से ही बोल और सुन नहीं सकता है। ओम के लिए नई मशीनें चाहिए। इसकी कीमत करीब 6 लाख रुपए है। इसे लेकर वे 4-5 सालों में कई बार मुख्यमंत्री के पास आवेदन दे चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

ओम को 17 जनवरी 2011 में सुनने की मशीन (कोक्लियर इम्पलांट) लगाई गई थी। ऑपरेशन मेकाहारा अस्पताल के ईएनटी विभाग में किया गया था। उस समय राज्य सरकार की बाल श्रवण योजना के तहत मशीन का पूरा खर्च उठाया गया था। अब 4 साल से मशीन खराब है।

ओम सुन नही पाता, जन चौपाल में सुनवाई नहीं

सुधीर कहते हैं कि वे गरीबी रेखा से नीचे आते हैं। 2019 से ओम के कानों की मशीन खराब है। उन्होंने 4 साल पहले मुख्यमंत्री के जन चौपाल में अर्जी लगाई थी। इसमें बताया था कि ओम अब सुन नहीं पा रहा है। उसके भविष्य के लिए

मशीन बदलना जरूरी है, पर सुनवाई नहीं हुई।

मशीन सप्लाई करने वाली कंपनी ने पार्ट्स बनाना बंद कर दिया है। सुधीर ने कहा कि वे 4-5 सालों में दर्जन भर बार मुख्यमंत्री निवास में आवेदन दे चुके हैं। इसके अलावा भी कई अन्य जगह पर भी निवेदन दिया है, लेकिन कहीं से भी मदद नहीं मिल पा रही है।

6 लाख के करीब मशीन की कीमत

उन्होंने कहा कि इस मशीन की कीमत 6 लाख रुपए के आसपास है। इसमें ऑपरेशन और स्पीच थैरेपी भी शामिल है। हमारी आर्थिक स्थिति मशीन को खरीदने के लायक नही है। हम मुख्यमंत्री से निवेदन करते हैं कि वो ओम की मदद करें और उसे नई मशीन दिलवाएं।

ओम को इस वजह से मिला वीरता का पुरस्कार

सुधीर ने बताया दिसंबर 2023 को वार्ड 14 के सड़क नंबर 6 में जब छोटे बच्चे खेल रहे थे। उस दौरान वहां पर झुंड में आवारा डॉग्स पहुंचे और एक बच्चे पर झपटने वाले थे। तभी ओम दौड़कर पहुंचा और एक कुत्ते को पकड़कर दूर फेंका। इसके बाद बच्चे को लेकर सड़क पर दौड़ा।

उस दौरान एक कुत्ते ने ओम के हाथों को काट लिया उसके शरीर में दांत गड़ा दिए। इस घटना के बाद भी ओम डरा नही और अंत तक सभी बच्चों को सेफ जगह पर ले आया। ओम को इस वीरता के लिए सरकार ने मेडल और सर्टिफिकेट के साथ 25 हजार रुपए की राशि दी है।

ओम कराटे में है ब्राउन बेल्ट

सुधीर ने बताया की ओम कराटे में ब्राउन बेल्ट है। कराटे टीचर उसकी काबिलियत देखकर उसे मुफ्त में ट्रेनिंग दे रहे हैं। वो स्पोर्ट्स में भी अच्छा है। फिलहाल ओम दिव्य अनुभूति विद्यालय में 10वीं छात्र है। ओम कहता है कि उसका सपना है कि वो आर्मी में जाकर देश की सेवा करें। वह अपने परिवार का नाम ऊंचा करना चाहता है।

पद्मश्री की घोषणा के बाद जागेश्वर यादव का स्वागत

जशपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जशपुर जिले के रहने वाले जागेश्वर यादव का नाम 2024 के पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित हुआ है। जागेश्वर यादव के पद्मश्री अवॉर्ड के लिए चयनित होने के बाद से उनके घर-गांव खासकर बिरहोर और विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य ग्रामों में खुशी का माहौल है।

साथ ही बधाई देने के लिए भारी संख्या में लोग उनके घर पहुंच रहे

हैं। भितघरा गांव के निवासी खुशी से झूम-नाच रहे हैं। जब जशपुर से जागेश्वर यादव अपने गांव पहुंचे, तो उनका उत्साह से लोगों ने स्वागत किया। पारंपरिक गीत-नृत्य के साथ उनके घर तक नाचते-गाते हुए उन्हें घर पहुंचाया गया।

जिले के बिरहोर आदिवासियों के उत्थान के लिए बेहतर काम के लिए जागेश्वर यादव को यह अवॉर्ड दिया जाएगा। बगीचा ब्लॉक के भितघरा गांव में पहाड़ियों और जंगल के बीच रहने वाले जागेश्वर यादव 1989 से ही बिरहोर जनजाति के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए जशपुर में एक आश्रम की स्थापना की है, साथ ही शिविर लगाकर निरक्षरता को खत्म करने और स्वास्थ्य व्यवस्था लोगों तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत की है। उनके प्रयासों का नतीजा था कि कोरोना के दौरान लोगों को टीकाकरण की सुविधा मुहैया कराई जा सकी। इसके अलावा शिशु मृत्यु दर को कम करने में भी मदद मिली। जागेश्वर यादव का पूरा जीवन आदिवासी समाज के लिए समर्पित है। उन्होंने हाशिए पर पड़े बिरहोर और पहाड़ी कोरवा लोगों के लिए बहुत काम किया।

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में बंदूकधारियों ने मचाया आतंक

ताबड़तोड़ गोलीबारी में 4 लोगों की मौत

लॉस एंजिलिस, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अमेरिका पुलिस अपराधियों पर शिकंजा कस पाने में नाकाम साबित हो रही है। लिहाजा आए दिन अमेरिकी शहरों, स्कूलों, बाजारों, पब, बार और रेस्टोरेंट में फायरिंग की घटनाएं लगातार देखने को मिल रही हैं। इससे अमेरिकी लोगों में दहशत का माहौल है। अमेरिका की हाईटेक पुलिस के लिए अपराधी लगातार चुनौती पेश कर रहे हैं। इस तरह की आपराधिक वारदातों को रोकना अमेरिका पुलिस की नाक का सवाल भी बन गया है। ताजा घटना में लॉस एंजिलिस में 4 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दिए जाने से दहशत फैल गई है। लॉस एंजिलिस में शनिवार को गोलीबारी की घटना हुई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इसे हत्या के बाद आत्महत्या का मामला बताया है। लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा कर बताया कि लेर्डो एवेन्यू के 11600 ब्लॉक में गोलीबारी की सूचना मिलने पर अधिकारी रात सात बजे से पहले घटनास्थल पर पहुंचे। मगर इस दौरान 4 लोगों की मौत हो चुकी थी। पूरे इलाके में लोगों के बीच अफरातफरी मची हुई थी।

हत्या के बाद हमलावर पर आत्महत्या करने की आशंका

लॉस एंजिलिस पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर चार लोगों को मृत घोषित किया गया और जांचकर्ताओं के अनुसार, यह हत्या के बाद आत्महत्या करने का मामला है। मृतकों के बारे में और कोई जानकारी अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है और न ही यह बताया गया है कि गोलीबारी क्यों की गई। पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है।

शिवराज सिंह चौहान लड़ेंगे लोकसभा चुनाव केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले बोले- टिकट पक्का

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुए चुनावों में बीजेपी ने शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री ना बनाकर मोहन यादव को कुर्सी पर बिठाया। इसके बाद कई बार शिवराज का परोक्ष रूप से इस बात को लेकर दर्द भी छलका। ऐसे में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने ये कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि पिछले महीने मध्य प्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद से ही शिवराज सिंह चौहान के राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाएं हो रही हैं।

दिल्ली आएंगे तो कैबिनेट मंत्री बनाएंगे

क्या शिवराज सिंह चौहान का लोकसभा टिकट पक्का माना जाए? इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि मध्य प्रदेश में ओबीसी मुख्यमंत्री है। राजस्थान में ब्राह्मण मुख्यमंत्री बनाया। ऐसे सभी जातियों को मौका देना चाहिए। इसलिए जो निर्णय हुआ, वह अच्छा निर्णय है। अठावले ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में आएंगे, हमारे साथ आगे आएंगे। मंत्रिमंडल में आएंगे... अगर वह लोकसभा लड़ेंगे, दिल्ली आएंगे तो वहां उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाएंगे। उनका आदर तो मोदी जी करेंगे ही। इतना ही नहीं इस दौरान रामदास अठावले ने अपने चिर परिचित शायराना अंदाज में कहा-

शिवराज सिंह चौहान का लोकसभा में आना है पक्का इसलिए उनके दुश्मनों को होगा बहुत बड़ा धक्का अठावले ने शिवराज की तारीफों के बांधे पुल

बता दें कि आज केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले भोपाल दौरे पर हैं। आज उन्होंने बंसल वन स्थित भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों को संबोधित किया। अठावले ने इस दौरान कहा कि शिवराज सिंह चौहान भी दिल्ली में आएंगे, हमारे साथ आएंगे और मंत्रिमंडल में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने राज्य के विकास में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना जैसी स्कीम के जरिए उन्होंने सामाजिक न्याय के लिए भी काम किया।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी क्रूज मिसाइलें इस महीने में तीसरी बार किया परीक्षण

सियोल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने एक बार फिर क्रूज मिसाइलें दागी हैं। दक्षिण कोरिया की सेना ने रविवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सैन्य बंदरगाह से कई क्रूज मिसाइलें दागी हैं। हालांकि, दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने यह नहीं बताया है कि उत्तर कोरिया ने कितनी क्रूज मिसाइलें दागी हैं और यह कितनी दूर जाकर गिरी है।

साल 2024 में तीसरी बार किया मिसाइल परीक्षण

बता दें कि साल 2024 में उत्तर कोरिया ने तीसरी बार परीक्षण किया है। इससे पहले 24 जनवरी को क्रूज मिसाइले दागी गई थी। इसके अलावा 14 जनवरी को हाइपरसोनिक हथियार ले जाने वाली एक ठोस ईंधन वाली मध्यवर्ती दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया गया था।

कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव बढ़ा

हाल के महीनों में कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव बढ़ा है क्योंकि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने हथियारों के विस्तार में तेजी लाई है। उत्तर कोरिया के परीक्षण को लेकर अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया कई बार चिंता भी व्यक्त कर चुके हैं। इसके साथ ही अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने अपने संयुक्त सैन्य अभ्यास का विस्तार किया है।

पाकिस्तान ने इतिहास में पहली बार माना बलूचिस्तान मांग रहा आजादी, कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने कही बड़ी बात

इस्लामाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार किसी भी राजनीतिक नेता ने पहली बार माना है कि बलूचिस्तान के लोग आजादी मांग रहे हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान के लोग न केवल पाकिस्तान से असंतुष्ट हैं, बल्कि एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं।

बलूचिस्तान में जबरन गायब हो रहे लोग

बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, काकर ने एक साक्षात्कार में बलूचिस्तान में जबरन गायब हो रहे लोगों के जटिल मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। पाक पीएम ने इन मामलों को सुलझाने में आने वाली चुनौतियों को पहचाना और लापता व्यक्तियों की वापसी पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

पीएम ने स्वीकारा, बलूचों में है असंतोष

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान में असंतोष की जड़ एक अलग बलूच पहचान है। हालांकि, ये इस बात को पिछले पाकिस्तानी प्रशासनों ने कभी स्वीकार नहीं किया था।

पहली बार किसी पीएम ने स्वीकारी बात

बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाक पीएम का यह बयान पिछली पाकिस्तानी सरकारों के एक अलग दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो बलूचिस्तान स्वतंत्रता आंदोलन को अल्पसंख्यकों की चिंता को दिखाता है। इससे पहले सभी नेता आजादी की मांग को कभी स्वीकारते नहीं थे। बलूचिस्तान के पश्तून बेल्ट से आने वाले कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में काकर का कार्यकाल विवादों से भरा रहा है।

बलूचिस्तान में स्वतंत्रता-समर्थक और राजनीतिक दलों ने उनकी सरकार की आलोचना की है, उनका कहना है कि बलूच आंदोलन के दमन में वो शामिल रहे हैं। काकर के प्रशासन पर लापता व्यक्तियों के रिश्तेदारों के खिलाफ बल प्रयोग करने और राजनीतिक प्रतिशोध में शामिल होने का आरोप लगा है। अंतरिम प्रधानमंत्री ने जबरन गायब किए गए लोगों के परिवारों के प्रदर्शनों का खुले तौर पर विरोध किया है और इन मुद्दों का समर्थन करने वाले पत्रकारों, लेखकों और नागरिक समाज के अधिवक्ताओं पर बलूच सशस्त्र संघर्ष से जुड़े होने का आरोप लगाया है।

गांव नांगल जमालपुर और निमोठ में बाघ की दहशत, वन विभाग ने कहा- अफवाह, पंजे के निशान दूसरे जानवर के हैं

रेवाड़ी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी जिले के गांव नांगल जमालपुर और निमोठ में बाघ को लेकर ग्रामीण दहशत में आ चुके हैं। दरअसल, अफवाह फैलाई गई है कि यहां पर बाघ आया है। पंजों के निशान की भी बात कही जा रही है। हालांकि, अभी वन विभाग ने इसकी पुष्टि नहीं की है। वन विभाग का कहना है कि यह केवल अफवाह है, जो पंजों के निशान मिले भी हैं, वह बाघ के नहीं है। अन्य जानवरों के हैं।

पिछले सप्ताह भटसाना पहुंचा था बाघ

राजस्थान से जिस रास्ते से पिछले सप्ताह बाघ भटसाना पहुंचा था, अगले दिन बाघ सुबह उसी रास्ते से पहले गांव खरखड़ा के खेतों में वापस आया और फिर रविवार को भी उसी रास्ते में पड़ने वाले गांव भटसाना तक पहुंच गया।

पाकिस्तान में 'तीर करेगा शेर का शिकार'

बिलावल भुट्टो की नवाज शरीफ को खुली चुनौती

इस्लामाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव करीब आते ही पाकिस्तान में नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौरा शुरू हो गया है। मुल्तान में एक राजनीतिक रैली के दौरान पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी ने नवाज शरीफ को जमकर घेरा। इस दौरान उन्होंने खुली बहस करने की चुनौती भी दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बिलावल भुट्टो-जरदारी ने पीएमएल-एन पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा- इन लोगों को लगता है कि उन्होंने मैच फिक्स कर लिया है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। इस दौरान उन्होंने कहा इस बार 8 फरवरी को होने वाले चुनाव में तीर शेर का शिकार करेगा। दरअसल, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का चुनाव चिन्ह तीर और पीएमएल-एन पार्टी चुनाव चिन्ह शेर है। जनता को संबोधित करते हुए जरदारी ने कहा देश को बचाने के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को वोट करना होगा।

बिलावल ने खुली बहस की दी चुनौती

भुट्टो-जरदारी ने कहा कि पीएमएल-एन के नेता अपने घर से नहीं निकल रहे हैं। बगैर मतदाताओं तक पहुंचे ये चुनाव जीतना चाहते हैं, इनको लगता है कि इन्होंने मैच फिक्स कर लिया है, लेकिन ये सच नहीं है। देश के सामने मौजूद समस्याओं पर खुली बहस करने के लिए एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से बिलावल ने शरीफ को चुनौती दी है। बिलावल ने कहा पीएमएल-एन उम्मीदवार नवाज शरीफ को चुनाव से पहले खुली बहस में आगे आना चाहिए और अपनी योजनाओं पर चर्चा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार टेलीविजन पर बहस में भाग लेते हैं, जिससे मतदाताओं को उनकी योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। मुल्तान में रैली के दौरान बिलावल ने विरोधी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा ये लोग व्यक्तिगत लाभ के लिए विभाजन और नफरत को बढ़ावा देने का काम करते हैं। इनका ध्यान सिर्फ कुर्सी पाने तक सीमीति है, ये लोग देश की समस्याओं पर उदासीन रवैया अपनाते हैं। बिलावल ने शरीफ पर निशाना साधते हुए कहा- जो राजनेता तीन बार प्रधानमंत्री पद पर रह चुके हैं, वे चौथी बार कुर्सी के लिए प्रयास कर रहे हैं।

बिलावल ने घोषणा पत्र की नकल करने का लगाया आरोप

रिपोर्ट के मुताबिक पीएमएल-एन पार्टी द्वारा चुनावी घोषणा पत्र जारी नहीं करने पर बिलावल ने कहा- पीएमएल-एन के नेता पीपीपी के घोषणापत्र की नकल करने में जुटे हैं। इनके पास खुद का कोई चुनावी मुद्दा नहीं है। अपनी चुनावी रणनीति को रेखांकित करते हुए बिलावल ने कहा देश में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी चरम पर है। देश में पीपीपी को छोड़कर किसी अन्य पार्टी के पास इन मुद्दों से निपटने के लिए व्यापक योजना नहीं है।

पाकिस्तान में निमोनिया का कहर, जनवरी में अब तक 244 बच्चों की हो गई मौत

इस्लामाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में निमोनिया ने कहर बरपा रखा है। कड़कड़ाती ठंड में ये बीमारी जानलेवा साबित हो रही है। आलम ये है कि जनवरी के महीने में निमोनिया से अब तक कम से कम 244 लोगों की मौत हो गई है। वहीं पिछले 24 घंटे में पंजाब में सात और युवाओं की मौत हो गई। पंजाब स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 24 घंटों में पूरे पंजाब प्रांत में निमोनिया के 942 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें लाहौर में 212 नए मामलों की पुष्टि हुई है। पंजाब में इस महीने हुई 244 मौतों में से अकेले लाहौर में 50 मौतें शामिल हैं।

स्वास्थ्य अधिकारी के मुताबिक मौतों में वृद्धि के लिए सर्दियों के मौसम के दौरान धुंध से हो रहे प्रदूषण को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि सर्दी के महीनों के दौरान स्मॉग की वजह से निमोनिया के मामलों में वृद्धि होती है। दरसअल निमोनिया फेफड़ों की बीमारी है जो आमतौर पर वायरस की वजह से होती है। सर्दी और फ्लू के चलते निमोनिया होता जाता है जो कई बार जानलेवा भी साबित हो जाता है। बच्चों के बीच ये बीमारी ज्यादा फैलती है। पांच साल और उससे कम उम्र के बच्चों को ज्यादा निमोनिया होता है।

उधर पंजाब की कार्यवाहक सरकार का कहना है कि जिन बच्चों की मौत हुई है, उनमें से ज्यादातर बच्चों को निमोनिया का टीका नहीं लगा था। बच्चे कुपोषित थे जिसकी वजह से वो काफी कमजोर थे और उनमें वायरस से लड़ने की क्षमता नहीं थी। हालात की गंभीरता को देखते हुए सरकार पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गई है। सरकार ने पूरे पंजाब प्रांत में स्कूलों में 31 जनवरी तक पूरे प्रांत में मॉर्निंग एसेंबली पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मनाली से रखेंगे सियाचिन समेत अन्य ग्लेशियरों की हलचल पर नजर, देश की पहली प्रयोगशाला तैयार

मनाली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सियाचिन से उत्तर पूर्व में भारतीय सीमावर्ती हिमालय क्षेत्रों में हिमस्खलन, बाढ़ और ग्लेशियर से संबंधित मौसम घटनाओं का स्टीक पूर्वानुमान अब आसान हो गया है। डीआरडीओ के मनाली स्थित रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) में आधुनिक तकनीक की अंशांकन प्रयोगशाला बनकर तैयार हो गई है। स्नो एवलांच सेंसर्स के लिए देश में इस तरह की पहली प्रयोगशाला बनी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के महानिदेशक डॉ. शैलेंद्र वी. गाडे ने मनाली में अंशांकन प्रयोगशाला का शुभारंभ किया।

अजित डोभाल से बातचीत के बाद बदले कनाडा के सुर

क्या संबंधों में आएगी नरमी, निज्जर हत्याकांड पर भी दिया बयान

ओटावा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंधों में चल रहे तनाव अब कम होने की उम्मीद है। शीर्ष कनाडाई अधिकारी जोडी थॉमस ने पहली बार इस मुद्दे पर कहा कि नई दिल्ली और ओटावा मिलकर इस पर काम कर रहे हैं और भारत इस मामले में सहयोग कर रहा है। इसी शुक्रवार को रिटायर हुईं कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोडी थॉमस ने अपने भारतीय समकक्ष अजित डोभाल के साथ भी वार्ता होने और इसके सकारात्मक परिणाम होने की बातच कही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के साथ कनाडा के रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। थॉमस ने कहा कि उनकी भारत के एनएसए अजित डोभाल से बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, मेरी भारत समकक्ष अजित डोभाल के साथ मेरी चर्चा सार्थक रही है और मुझे लगता है कि उन्होंने चीजों को आगे बढ़ाया है। हम उम्मीद करते हैं कि हम रिश्ते में प्रगति करेंगे। साथ ही मैं ये भी कहूंगी कि हमें भारत के लिए ये नहीं कहना चाहिए कि उन्होंने सहयोग नहीं किया। दिसंबर में, कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी कहा था कि उनका मानना है कि अमेरिकी अभियोग का खुलासा होने के बाद से कनाडा के साथ भारत के संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत के साथ कनाडा के बेहतर रिश्ते अमेरिकी अभियोग का परिणाम थे। इस पर निवर्तमान एनएसए जोडी थॉमस ने कहा कि दोनों निश्चित रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने जो जानकारी दी, वह भारत के साथ हमारी स्थिति और हमारे दावों का समर्थन करती है। भारत हमारे और विशेष रूप से मेरे समकक्ष डोभाल के साथ इसे हल करने के लिए अधिक निकटता से काम कर रहा है।

बीते साल शुरू हुआ था विवाद

बीते सालर जून में सरे में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। इस बाद सितंबर में कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया था कि इस हत्या में भारत सरकार का हाथ होने के विश्वसनीय सबूत हैं। भारत ने आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो गए। कनाडा के प्रधानमंत्री के बयान और भारत की प्रतिक्रिया का दोनों देशों के संबंधों पर असर साफ दिखा और बीते कई महीने से दोनों दोनों के रिश्तों में तनाव है।

तुर्किये और यूनान को फाइटर जेट बेचेगा यूएस, तुर्किये को मिलेंगे 40 नए एफ-16 विमान; ग्रीस के साथ भी पक्की हुई डील

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने तुर्किये को एफ-16 लड़ाकू विमान बेचने की मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने तुर्किये को लड़ाकू विमान बेचने के लिए 23 अरब डॉलर के समझौते के बारे में यूएस कांग्रेस को अधिसूचित किया है।

ग्रीस को 8.6 अरब डॉलर के एफ-35 लड़ाकू विमान मिलेंगे

इसके अलावा अमेरिका ने ग्रीस को 8.6 अरब डॉलर के एफ-35 लड़ाकू विमानों की बिक्री को भी मंजूरी दी है। अमेरिकी विदेश विभाग की यह अधिसूचना ऐसे समय में आई है, जब तुर्किये ने नाटो में स्वीडन के शामिल होने के लिए अपने अनुमोदन को वॉशिंगटन में जमा कराया है।

तुर्किये को मिलेंगे 40 एफ-16 लड़ाकू विमान

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, तुर्किये को 40 एफ-16 लड़ाकू विमान मिलेंगे और उनके मौजूदा एफ-16 बेड़े में शामिल 79 जेट को अपग्रेड किया जाएगा। इसके अलावा ग्रीस को 40 एफ-35 लाइटनिंग आईआई ज्वाइंट स्ट्राइक फाइटर और उससे संबंधित उपकरण मिलेंगे।

एफ-16 बेड़े को अपग्रेड करने की मांग कर रहा था तुर्किये

तुर्किये लंबे समय से अपने एफ-16 बेड़े को अपग्रेड करने की मांग कर रहा था। अक्टूबर 2021 में उन्होंने फाइटर जेट में अपग्रेड का भी अनुरोध किया था। हालांकि, ये फैसला स्वीडन को नाटो में शामिल होने की मंजूरी पर निर्भर था। तुर्किये की तरफ से स्वीडन को नाटो का सदस्य बनने की मंजूरी के बाद इस समझौते का एलान किया गया।

जो बाइडन ने किया फाइटर जेट बिक्री का समर्थन

अल जजीरा ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने फाइटर जेट बिक्री का समर्थन किया, लेकिन कई सांसदों ने तुर्किये के मानवाधिकार रिकॉर्ड के कारण आपत्ति व्यक्त की थी। यूएस कांग्रेस पर इस बिक्री पर आपत्ति जताने के लिए सिर्फ 15 दिन का समय है, जिसके बाद इस बिक्री को अंतिम माना जाएगा।

निक्की हेली ने ट्रंप की बढ़ती उम्र पर उठाए सवाल

पूर्व राष्ट्रपति ने अपने जवाब से की बोलती बंद

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वह दिमागी तौर पर 20 साल पहले जितने तेज थे, अब उससे भी तेज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब उनकी प्रतिद्वंदी निक्की हेली ने बढ़ती उम्र को लेकर पूर्व राष्ट्रपति पर निशाना साधा है। ट्रंप ने ये भी कहा कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों का दिमागी टेस्ट भी होना चाहिए। निक्की हेली ने भी ऐसे ही नीति बनाने की मांग की थी और डोनाल्ड ट्रंप (77 वर्षीय) और जो बाइडन (81 वर्षीय) की बढ़ती उम्र को लेकर सवाल खड़े किए थे।

निक्की हेली ने ट्रंप की बढ़ती उम्र का मुद्दा उठाया था

हेली ने हाल ही में ट्रंप की समझ पर सवाल उठाए थे। दरअसल बीते दिनों अपने एक बयान में ट्रंप निक्की हेली और पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी को लेकर कन्फ्यूज हो गए थे। साथ ही ट्रंप ने बराक ओबामा को लेकर भी गलत बयान दिया था। यही वजह है कि हेली ने ट्रंप और बाइडन की बढ़ती उम्र को मुद्दा बनाने की कोशिश की थी। नेवादा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ट्रंप ने खुद को दिमागी तौर पर पूरी तरह से तेज बताया और निक्की हेली को जवाब दिया। नेवादा में 8 फरवरी को प्राइमरी चुनाव होना है।

निक्की हेली पर भारी पड़े ट्रंप

ट्रंप आयोवा और न्यू हैंपशायर कॉकस का चुनाव जीत चुके हैं और नवादा के चुनाव में निक्की हेली अपनी दावेदारी वापस ले चुकी हैं। ऐसे में नवादा में भी ट्रंप की जीत तय है। इसके बाद साउथ कैरोलिना में प्राइमरी चुनाव होने हैं, लेकिन सर्वे में साउथ कैरोलिना में भी निक्की हेली पर भारी पड़ते दिख रहे हैं। अपना पलड़ा मजबूत देख ट्रंप निक्की हेली पर तीखा हमला कर रहे हैं। ट्रंप की चुनाव प्रचार टीम की कोशिश है कि निक्की हेली भी अपना नामांकन वापस ले लें। जिसके बाद ट्रंप की आगामी नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए दावेदारी तय हो जाएगी। हालांकि निक्की हेली साफ कर चुकी हैं कि वह आसानी से हार नहीं मानेंगी और फिलहाल उनका नामांकन वापस लेने का कोई इरादा नहीं है।

शिक्षा मंत्री दिलावर बोले-
अधिकारियों की अवैध संपत्ति भी ढूंढेंगे
अधिकारियों को कहा- चाहे दोषी हो या नहीं, इनकी पहचान करें, बुलडोजर चलेगा

कोटा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। स्कूल में गलत आचरण करने वाले टीचर और अधिकारियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बयान दिया था। रविवार को दोबार उन्हें अपने इस बयान को दोहराते हुए दूसरे विभागों के अधिकारियों की भी चेतावनी दे डाली।

वे बोले- ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों की अवैध संपत्ति की पहचान कर उस पर एक्शन लिया जाएगा। दरअसल, रविवार सुबह 8:30 बजे उन्होंने कोटा कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासन, शिक्षा और पुलिस समेत अन्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में सभी प्रमुख अधिकारियों को कहा कि गलत व्यवहार करने वाले कर्मचारियों को चिंहित कर इनकी अवैध संपत्ति की जानकारी जुटाई जाए और इन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बोले-दोषी हो या न हो, अवैध प्रॉपर्टी मिली तो बुलडोजर चलेगा

मीटिंग के दौरान उन्होंने साफ हिदायत दी कि वे बुलडोजर वाले बयान पर अब भी कायम है। उन्होंने कार्यक्रम में अपने दिए हुए बयान का जिक्र करते हुए कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों के अवैध तरीके से सरकार के नियमों का उल्लंघन कर, अतिक्रमण कर बनाई गई प्रॉपर्टी को तोड़ेंगे।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए है कि ऐसे लोगों की पहचान करके रखे, जिनके खिलाफ एफआईआर होती है, अखबार में आता है या शिकायत मिलती है। उसकी जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाया जाता है या जरूरी सबूतों के अभाव में अगर दोषी भी नहीं पाया जाता तो भी गलत तरीके से संपत्ति बनाई हुई है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा, भले ही वह दोषी हो या नहीं हो।

मीटिंग में उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं, जिन्होंने गलत तरीके से प्रॉपर्टी शामिल कर रखी है और अवैध निर्माण कर रखा है।

कलेक्ट्रेट में बैठक के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा- पीएम का सपना है कि देश साफ सुथरा होना चाहिए। इसलिए राजस्थान सरकार ने भी तय किया है कि राजस्थान हमेशा साफ सुथरा दिखना चाहिए ताकि बीमारियां भी कम हो और सफाई भी रहे। इसलिए इसे हमने अभियान के रूप में लिया है। वहीं सफाई में सबका सहयोग लेते हुए स्वच्छता अभियान को चलाना है। महीने में एक बार वार्ड, शहर की सफाई एक साथ सभी संस्थाएं मिलकर करें। सरकारी साधनों का तो रोज उपयोग तो करेंगे ही लेकिन आमजन भी इसमें शामिल करें।

सूर्य नमस्कार के अभियान को लेकर वे बोले- सूर्य भगवान अंधकार मिटाता है, सब प्रकार की व्याधियों से दूर रखता है इसलिए सूर्य नमस्कार का निर्णय लिया है। सूर्य सप्तमी पर सभी संस्थानों में उन्होंने सूर्य नमस्कार करने के भी निर्देश दिए।

मंत्री सुरेश रावत बोले-
पीएम मोदी की कल्याणकारी नीतियों से आत्मनिर्भर और सशक्त बन रही महिलाएं

अजमेर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर जिला भाजपा देहात कार्यालय कांकरदा भूणाबाय में शक्ति वंदन जिला कार्यशाला का अयोजन किया गया। इसमें जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम में भाजपा जिला देहात कार्यकारिणी और महिला विंग ने मंत्री रावत का 51 किलो की फूलों की माला पहनाकर और साफा बंधवाकर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं से आज संपूर्ण भारत देश की महिलाएं आत्मनिर्भर और सशक्त हुई हैं। उनका अटल संकल्प है कि हमें अपने हर संसाधन का पूरा इस्तेमाल करना होगा। यह आत्मनिर्भर भारत का भी मंत्र है, क्योंकि हम जब लोकल की ताकत पहचानेंगे तभी तो देश

आत्मनिर्भर होगा।

प्रधानमंत्री की इसी सोच के तहत बनाई गई नीतियों से महिलाओं के स्वयं सहायता समूह और अनेकों एनजीओ द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के कार्य हो रहे हैं। इससे हमारी महिलाएं देश के उत्थान में बराबर की साझेदार बन रही है।

कार्यक्रम में सांसद भागीरथ चौधरी, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, अजमेर जिला भाजपा देहात अध्यक्ष देवी शंकर भूतड़ा, सरिता गैना महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री, पूर्व जिलाध्यक्ष बीपी सारस्वत, जिला महामंत्री जीतमल प्रजापति, प्रभारी रमा चौपड़ा, शक्ति सिंह रावत सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियों में जुटी कांग्रेस
पार्टी के वरिष्ठ नेता करेंगे राज्य का दौरा

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राजस्थान में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कमर कस ली है। इस संबंध में प्रदेश चुनाव समिति के अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने समिति के सदस्यों में कामों का बंटवारा किया है, जिसके तहत समिति के दो-दो सदस्यों का समूह 5 फरवरी तक संबद्ध लोकसभा क्षेत्रों का दौरा कर प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर अपनी रिपोर्ट प्रदेश चुनाव समिति को पेश करेगा।

लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस की रणनीति पर बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने जिला स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलन किए जाने की बात कही। इस बार के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस भाजपा के क्लीन स्वीप को रोकने की तैयारी में है।

राजस्थान में कब आएगी भारत जोड़ो यात्रा

राजस्थान में पार्टी प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए बताया 14 जनवरी से मणिपुर में शुरू हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। यह यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों से गुजरते हुए 67 दिनों में 6,713 किमी. की दूरी तय करेगी। यात्रा फिलहाल बंगाल में है और यहां से बिहार पहुंचेगी। राजस्थान में फरवरी या मार्च की शुरुआत इसके आने की संभावना है।

इससे पहले भारत जोड़ो न्याय यात्रा और लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर राज्य इकाई के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा पार्टी अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के साथ मिलकर प्रदेश का दौरा करेंगे।

संभागीय आयुक्त के औचक निरीक्षण से अस्पताल स्टाफ में हड़कंप
व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

दौसा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जिला अस्पताल के आकस्मिक निरीक्षण पर पहुंचीं संभागीय आयुक्त के साथ कलेक्टर देवेंद्र कुमार भी अस्पताल में मौजूद थे। दोनों अधिकारियों को एक साथ अस्पताल में देखकर वहां मौजूद स्टाफ में भागदौड़ मच गई। अस्पताल की व्यवस्थाओं को देखकर आरुषी मलिक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पताल की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द सुधारा जाए।

उन्होंने इमरजेंसी के साथ ही लेबर रूम और अन्य वार्डों का निरीक्षण किया और स्टाफ को फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश दिए। कुल मिलाकर संभागीय आयुक्त औचक निरीक्षण के लिए आई भीं और कुछ ही देर में खानापूर्ति करके रवाना हो गईं।

लोकसभा चुनाव की तैयारी में बीएपी
बांसवाड़ा-डूंगरपुर को छोड़ 12 लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी नियुक्त किए

बांसवाड़ा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में जनजाति क्षेत्र में भारतीय आदिवासी पार्टी ने विधानसभा चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी के बाद यह पार्टी अब लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। जो इस बार राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के जनजाति क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। इसको लेकर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की जिम्मेदारी संभालने के लिए प्रभारियों को नियुक्त किया है। केन्द्रीय एकीकरण समिति (CCC) के निर्देशानुसार प्रभारियों को टीम बनाकर लोकसभा वार संगठन निर्माण कर 'जनप्रतिनिधि सलेक्शन प्रणाली' (JPSP) का अमलीकरण कराकर 'लोकसभा उम्मीदवार नाम आम सहमति से निर्णय कर तय समय तक राष्ट्रीय कार्यालय में जमा कराने के निर्देश दिया है। हालांकि बांसवाड़ा- डूंगरपुर सीट के प्रभारी की घोषणा अभी नहीं की है।

पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल रोत ने साबरकांठा लोकसभा क्षेत्र के लिए-पोपटलाल खोखरिया, नमोनारायण वन्हात, दिवंश परमार चंदुलाल बरंडा को जिम्मेदारी सौंपी है। इसी तरह गुजरात के लोकसभा क्षेत्र दाहोद के लिए रामप्रसाद डेंडोर, कांतिलाल रोत, राजू भाई बलवाई को जिम्मेदारी दी गई है। गुजरात के ही लोकसभा छोटा उदयपुर के लिए रामप्रसाद डेंडोर, राजु भाई पलवाड, मणीलाल गरासिया को नियुक्त किया गया है। वहीं भारुच लोकसभा सीट के लिए दिलीप भाई वसावा, कांतिलाल रोत को जिम्मेदारी दी गई है. लोकसभा सीट बारडोली के लिए मिलेस कयावा, कांतिलाल रोत और लोकसभा वलसाड के लिए राजकुमार रोत और सत्यजीत डामोर को जिम्मेदारी दी है।

लोकसभा सीट दादरा नगर हवेली के लिए राजकुमार रोत और हरिताल गोदा को जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार लोकसभा नंदुरबार के लिए राजकुमार रोत और जितेंद्र असलकर, रतलाम लोकसभा के लिए विधायक कमलेश्वर डोडीयार, थावरचंद डामोर, मांगीलाल ननामा, हीरालाल दामा, लोकसभा चित्तौड़गढ़ के लिए थावरचंद डामोर, रमेश मईडा को प्रभारी बनाया गया है। उदयपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए उमेश डामोर , थावर चंद डामोर, अनुतोष रोत, लालशंकर सरपोटा और खरगोन लोकसभा के लिए कातिलाल रोत, जितेन्द्र असलकर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बदमाशों ने सुरंग में लगा रखी थी वाईफाई डोर बेल
कोई दुकान पर आता तो बेल बजाकर काम रोकने का इशारा करते, 12 घंटे तक करते खुदाई

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में दो बैंक और ज्वेलरी शोरूम में चोरी करने के लिए सुरंग खोदने वाले बदमाश से पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। बदमाशों ने सुरंग में वाईफाई डोर बेल लगा रखी थी, ताकि कोई दुकान में आए तो सुरंग में घुसे साथियों को अलर्ट कर सकें और खुदाई का काम रोका जा सके।

इन बदमाशों ने लूट के लिए 3 दिनों तक बैंक की रेकी कर लॉकर रूम की डायरेक्शन पता की थी। इन लोगों ने एक लॉकर धारक से लॉकर खुलवाने के बहाने लॉकर रूम के बारे में पूरी डिटेल ली थी।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि बदमाशों ने एक वाई-फाई डोर बेल सुरंग में लगा रखी थी। खुदाई के दौरान अगर कोई दुकान पर आता तो ये लोग एक बार बेल बजा देते थे, ताकि खुदाई का काम रोक दिया जाता। वहीं दो बार बेल बजाते तो खुदाई का काम फिर से शुरू कर दिया जाता। एक बेल का मतलब था कि काम रोक, दो खतरा है। दो बार बेल बजने का मतलब था कि खतरा खत्म हो चुका है, काम दोबारा शुरू करना है। 12 घंटे तक ये लोग सुरंग में रहकर काम करते और मिट्टी के कट्टे भरते। रात होने पर एक ट्रक को बुलाया जाता और उसमें मिट्टी के कट्टे भरकर उन्हें क्राइम सीन से दूर ले जाकर खाली किया जाता था।

बदमाश ने बताया- रिजवान और उसके साथ एक अन्य युवक ने 3 दिनों तक बैंक की रेकी की थी। ये लोग बैंक में खाता खुलवाने के बहाने और कागजों को लेकर कई बार बैंक गए। बैंक में बैठकर ये लोग सेफ हाउस और लॉकर की जानकारी जुटाते। जो लोग लॉकर से सामान निकालने के लिए आते उन पर ध्यान देते कि वह किस तरफ जा

रहे हैं। लॉकर कितना नीचे है और लॉकर से सामान निकालने और बाहर आने में कितना समय लग रहा है।

इन लोगों ने एक लॉकर धारक से लॉकर खुलवाने के बहाने लॉकर रूम के बारे में पूरी डिटेल ली। इस पर लॉकर धारक ने उनको बैंक के लॉकर की जगह की जानकारी देते हुए बताया कि यहां पर तो बड़े-बडे. लोगों का लॉकर है। आपको डरने की जरूरत ही नहीं है। यहां पर बहुत सारे लॉकर हैं, जिसमें लोग अपना पैसा, कागजात और सोना रखते हैं। लॉकरों में पैसा और गोल्ड होने के साथ-साथ रिजवान को यह पता चल गया था कि लॉकर किस डायरेक्शन में हैं। बैंक के नजदीक आने पर कितना गहरी खुदाई करनी होगी।

पुलिस रिमांड पर चल रहे बाबा खान ने पूछताछ में बताया कि रिजवान इस गैंग को ऑपरेट कर रहा था। हालांकि बाबा खान ने पुलिस को अभी तक गैंग द्वारा की गई दूसरी वारदातों के बारे में नहीं बताया है। उसने बताया कि रिजवान बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में लोगों से कर्जा लेकर अपना और अपने परिवार का जीवन यापन करता था। कर्जा ज्यादा होने पर उसने बैंक लूटने का प्लान बनाया। उसने पैसा ज्यादा मिलने का लालच दिया था। इस पर हम लोग भी उसके साथ शामिल हो गए।

बाबा खान ने बताया- रिजवान ही सबसे पहले जयपुर आया था। 7 महीने पहले जालूपुरा में उस्मान नाम के व्यक्ति के घर में कमरा किराए पर लिया। उसके बाद सभी को जयपुर लेकर आया।

दिनदहाड़े लुटेरे ने छात्रा को 60 फीट तक घसीटा
खौफ में घर से निकलना बंद किया; सहमकर बोली- बदमाश उसे मार देगा

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मैं स्कूल में पढ़ाकर वापस घर लौट रही थी। कुछ रास्ते ऑटो से आई थी। फिर पैदल घर आ रही थी। तभी पीछे से आए बदमाश ने पर्स छीन लिया। मैंने भी पर्स नहीं छोड़ा। वो मुझे घसीटता हुआ ले गया। किसी तरह खुद को संभालकर 100 नंबर पर मदद मांगी, लेकिन पुलिस नहीं पहुंचे। जब परिवार के साथ थाने पहुंची तो एफआईआर भी दर्ज नहीं की गई।

जयपुर में ये पूरी घटना एक 22 साल की छात्रा के साथ हुई। घटना के बाद छात्रा में इतना खौफ हो गया है कि घर से बाहर नहीं निकल रही। उसे लग रहा है कि बदमाश उसे मार देगा। युवती के हाथ और पैर में गंभीर चोट लगी है। परिवार युवती को समझा रहा है कि बदमाश जल्दी ही पकड़ा जाएगा।

पूरी घटना करधनी थाना इलाके में 26 जनवरी की है। बीएड कर रही प्रिया बाकोलिया (22) उच्च माध्यमिक स्कूल चांदबाड़ी में लेक्चर देकर लौट रही थी। स्कूल से वेदजी के चौराहे तक ऑटो से आई। वेदजी के चौराहे के बाद वह पैदल लक्ष्मीनगर विस्तार अपने घर तक पैदल जा रही थी। इस दौरान पीछे से आए बदमाश ने प्रिया का पर्स छीनने की कोशिश की। प्रिया ने पर्स नहीं छोड़ा तो बदमाश उसे 60 फीट तक पर्स के साथ घसीटता चला गया। फिर मौके पर छोड़कर भाग गया।

प्रिया ने बताया- खुद के साथ हुई घटना की जानकारी घायल होने के बाद 100 नम्बर पर दी, लेकिन पुलिस नहीं पहुंची। जैसे-तैसे पीड़िता घर पहुंची। प्रिया के परिवार ने आरोप लगाया कि करधनी थाने में घटना की जानकारी दी। सीसीटीवी फुटेज दिखाए, लेकिन अभी तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की।

पीड़ित छात्रा के भाई डॉक्टर दीपक ने बताया- 26 तारीख को थाने पहुंचा तो डीओ ने कहा की बाद में आना, अभी जाप्ता और अधिकारी नहीं हैं। जब 27 को थाने पहुंचा तो पुलिस ने लिखित रिपोर्ट लेकर रवाना कर दिया।

इसके बाद दीपक ने सीसीटीवी से बाइक के नम्बर निकाले। इंश्योरेंस कम्पनी से बाइक के मालिक का पता किया। जिस से पता चला कि बाइक गोनेर रोड स्थित पतासा फैक्ट्री के पास रहने वाले महेश चंद्र टेलर की हैं। महेश ने दीपक को बताया कि उसकी बाइक 15 दिन पहले विधायकपुरी से चोरी हो गई थी। इस पर छात्रा का भाई दीपक विधायकपुरी थाने पहुंचा। रिपोर्ट चैक की तो पता चला की वास्तव में बाइक 15 दिन पहले विधायकपुरी से चोरी हुई थी।

प्रिया के भाई डॉक्टर दीपक ने बताया- उसकी बहन बहुत बुरी तरह से डरी हुई है। वह घर से बाहर निकलने में डरने लगी है। वह बोलती है कि दोबारा से वह बदमाश उसे मार देगा। वह कहती हैं कि पुलिस ने रिपोर्ट तो दर्ज नहीं की। बदमाश को पकड़ेगी कैसे। रविवार सुबह 7 बजे पुलिस घर पहुंची और प्रिया को लेकर कावंटिया अस्पताल पहुंची। इसके बाद उसका मेडिकल कराया गया है।

डीसीपी वेस्ट संजीव नैन का कहना है कि घटना उनकी जानकारी में है। बदमाश को पकड़ने के लिए टीम शुक्रवार को लगा दी थी। करधनी थाना सीआई उदयसिंह ने बताया- मुकदमा दर्ज कर रहे हैं। उदयसिंह ने इस दौरान पीड़ित युवती के भाई से बात कराई। जिस पर दीपक ने कहा कि आज एफआईआर दर्ज हो रही है। पुलिस ने दो दिन एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की इसका सीआई ने कोई जवाब नहीं दिया।

जयपुर में टावर पर चढ़ा तेंदुआ

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर टूरिज्म को लेकर दुनियाभर में अलग पहचान बना चुका है। अब यहां की वाइल्डलाइफ भी फेसम होने लगी है। जयपुर के झालाना के जंगलों में अब तेंदुओं की अठखेलियां देश-दुनिया के टूरिस्ट को लुभा रही है। ऐसा ही नजारा जयपुर के झालाना लेपर्ड सफारी में नजर आया। जहां निगरानी के लिए बनाए गए वॉच टावर पर मेल लेपर्ड राणा बैठा दिखा।

यहां से वो फीमेल लेपर्ड बर्फी को शिकार की कोशिश करते देखता रहा।

इस दौरान मौके पर मौजूद दिल्ली के वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर मुकुल सागवान ने बताया- मैं सफारी कर रहा था। तब अचानक मेरी नजर वॉच टावर पर गई। जहां राणा बैठ अपने इलाके को देख रहा था। उसी के नजदीक वाटर पॉइंट पर बर्फी (जो जलेबी की बेटी है) पानी पी रही थी। तभी वहां एक गिलहरी आई। इसे देख बर्फी उसका शिकार करने की कोशिश में जुट गई।

भुट्टा बास में हवाई फायरिंग

बीकानेर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बीकानेर के सदर थाना क्षेत्र में एक परिवार पर हमला करने का मामला सामने आया है। भुट्टों के बास में एक परिवार के सदस्यों के साथ पहले मारपीट की गई और बाद में हवाई फायर करके डराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। 69 साल के जमालदीन पुत्र भंवरु खान ने पुलिस को बताया कि वो मस्जिद के पास रहता है। सिकन्दर पुत्र सत्तार खान, अनीश पुत्र सत्तार खान, सत्तार खान पुत्र मेऊ खान, लक्की पुत्र सलाम और सुनील बिश्नाई ने उसके घर पर हमला दिया।

बिश्नोई और गोदारा गैंग के 13 ठिकानों पर पुलिस की छापेमारी, सात सदस्यों को किया गिरफ्तार

जोधपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी की पुष्टि के बाद पुलिस ने गैंग के 13 ठिकानों पर छापेमारी अभियान चलाया था, जिसके तहत पुलिस ने गोदारा और बिश्नोई गैंग से जुड़े 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। फलौदी के पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि खुफिया सूत्रों से जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शुक्रवार सुबह गैंग के 13 ठिकानों पर छापेमारी की।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने बदमाशों के पास से बगैर नंबर प्लेट के दो वाहन भी जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में हिस्ट्रीशीटर मनीष विश्नोई समेत राजू ढाका, अशोक उर्फ मंत्री, विकास दलानी, अनिल राव, संतोष उर्फ संगीर विश्नोई, नरेश विश्नोई शामिल हैं। इनमें नरेश को छोड़कर बाकी सभी आरोपियो के खिलाफ किसी न किसी तरह के आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

फर्जी पासपोर्ट घोटाला: सीआईडी को मिली पुलिस अधिकारियों की भूमिका

हैदराबाद, 28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में फर्जी पासपोर्ट घोटाले से हड़कंप मचा हुआ है। फर्जी पासपोर्ट घोटाला मामले में अधिकारियों ने जांच तेज कर दी है। सीआईडी अधिकारियों ने पाया कि फर्जी पासपोर्ट से बड़ी संख्या में लोगों को श्रीलंका ले जाया गया था। यह पाया गया कि हैदराबाद क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से 92 पासपोर्ट जारी किये गये थे। कुछ पुलिस अधिकारियों की भूमिका की पहचान की गई है। सीआईडी पहले ही 14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है और अन्य की तलाश कर रही है। तमिलनाडु के एजेंट मुरलीधरन की पहचान मास्टरमाइंड के रूप में की गई है। सीआईडी ने पाया कि मुरलीधर ने पासपोर्ट घोटाला किया था।

तेलंगाना सीआईडी की एडिशनल डीजी शिखा गोयल ने कहा कि पासपोर्ट मामले में व्यापक जांच चल रही है। 14 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कई श्रीलंकाई लोगों को गलती से पासपोर्ट मिल गया। ऐसा कहा जाता है कि तमिलनाडु के एजेंट मुरलीधरन और हैदराबाद के सत्तार ने फर्जी दस्तावेज बनाए और उन्हें हैदराबाद भेजा था। तमिलनाडु के मुख्य दलाल समेत विभिन्न जिलों के पासपोर्ट दलालों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह पाया गया कि ज्यादातर पासपोर्ट करीमनगर और हैदराबाद से प्राप्त किये गये थे। उन्होंने कहा कि कुछ विदेशियों को फर्जी आईडी प्रूफ और पासपोर्ट दिए गए। उन्होंने कहा कि 92 पासपोर्ट की पहचान कर ली गई है और उनमें से कुछ पासपोर्ट लेकर विदेश चले गए हैं। पता चला है कि अधिकतर पासपोर्ट धारक श्रीलंका के हैं। उन्होंने कहा कि विशेष शाखा के दो पुलिस अधिकारियों को इस मामले में लिप्त पाया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एसबी और पासपोर्ट स्टाफ की भूमिका के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 92 लोगों को फर्जी दस्तावेजों के साथ पासपोर्ट प्राप्त करते हुए पाया गया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद क्षेत्रीय पासपोर्ट केंद्र से 92 फर्जी पासपोर्ट जारी किये गये हैं. उन्होंने कहा कि अदालत ने 12 आरोपियों को पांच दिनों के लिए हिरासत में लेने की अनुमति दी और पासपोर्ट घोटाला मामले की जांच जारी रहेगी।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति की समिक्षा बैठक मल्काजगिरी में संपन्न हुई। समिति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सचिव राज नारायण सिंह ने बताया कि, बिहार सहयोग समिति बहुत तेजी से आगे बढ रही है और इसमें और तेजी लाने के लिए कुछ नये लोगों को भी जोडना चाहिए। इसके लिए हर एरिया में कमेटी का गठन किया जाएगा। कोर कमेटी के हरीश यादव ने मनोज भगत और रविन्द्र भगत को सेन्टर कमेटी में लेने का और गोपाल भगत को एकलव्य कोलोनी का इंचार्ज बनाने का प्रस्ताव रखा। जिसको अध्यक्ष बिनय कुमार यादव और सागर भगत ने सहमति जताई। प्रोग्राम इंचार्ज सुनील भगत ने बताया कि आयोजित हरि कीर्तन के तैयारी में हमें लग जाना चाहिए और इसके लिए 11 फरवरी को बैठक बुलाई गई है। बैठक में अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष सागर भगत, सचिव राज नारायण सिंह, कोषाध्यक्ष आनंद गुप्ता, पंकज यादव, प्रोग्राम इंचार्ज सुनील भगत, मनोज भगत, ललन मिश्रा, सुनील ठाकुर, दीपक गुप्ता, रविन्द्र भगत, राजेश यादव, डी यादव, बिशाल यादव एवं भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ता शामिल हुए और भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधा : मोदी

गणतंत्र दिवस परेड में नारी शक्ति दिखी

मन की बात

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 109वां एपिसोड पर देश को संबोधित कर रहे हैं। ये साल 2024 का पहला मन की बात कार्यक्रम है। संबोधन की शुरूआत पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस पर बात की। इसके अलावा पीएम ने 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर भी बात की।

पीएम ने कहा कि दो दिन पहले हम सभी देशवासियों ने 75वां गणतंत्र दिवस बहुत धूमधाम से मनाया है। इस साल हमारे संविधान के भी 75 वर्ष हो रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के भी 75 वर्ष हो रहे हैं। हमारे लोकतंत्र के ये पर्व, लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं।

राममला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पीएम ने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है। सबकी भावना एक, सबकी भक्ति एक, सबकी बातों में राम, सबके हृदय में राम हैं। 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने रामज्योति जलाई, दिवाली मनाई। पीएम ने फर्स्ट टाइम वोटर्स से अनुरोध किया कि वोटर लिस्ट में अपना नाम जरूर लिखवाएं। इसके साथ ही पंजाब केसरी लाला लाजपत राय और फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा की जयंती पर दोनों को श्रद्धांजलि दी।

पीएम बोले, इस साल गणतंत्र दिवस की परेड में नारी शक्ति की सबसे ज्यादा चर्चा हुई :

पीएम ने कहा कि इस बार 26 जनवरी की परेड अद्भुत रही, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा परेड में नारी शक्ति की हुई। जब कर्त्तव्य पथ पर, केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की महिला टुकड़ियों ने कदमताल शुरू किया तो सभी गर्व से भर उठे।

दरअसल, देश का 75वां गणतंत्र दिवस इस बार कई मायनों में खास रहा। इस साल कर्तव्य पथ पर परेड और झांकियों में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा दिखी। 100 महिलाओं ने शंख, नगाड़ा और अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाकर इसका आगाज किया। ये गणतंत्र दिवस के इतिहास में पहली बार हुआ।

पीएम ने अर्जुन पुरस्कार पाने वाली महिला खिलाड़ियों की तारीफ की :

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार अर्जुन अवॉर्ड समारोह में भी जिस एक बात ने लोगों का खूब ध्यान खींचा, वो थी अर्जुन पुरस्कार पाने वाली बेटियां और उनकी जिंदगी की कहानी। इस बार 13 महिला खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इन महिला खिलाड़ियों ने कई बड़े टूर्नामेंट्स में हिस्सा लिया और भारत का परचम लहराया। शारीरिक चुनौतियां, आर्थिक चुनौतियां, इन साहसी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के आगे टिक नहीं पाईं।

सेल्फ हेल्प ग्रुप्स :

पीएम ने कहा कि एक और क्षेत्र है जहां महिलाओं ने अपना परचम लहराया है, वो है- सेल्फ हेल्प ग्रुप्स। आज महिला स्वयंसेवी समूहों की देश में संख्या भी बढ़ी है और उनके काम करने के दायरे का भी बहुत विस्तार हुआ है। वो दिन दूर नहीं, जब आपको गांव-गांव में खेतों में, नमो ड्रोन दीदियां, ड्रोन के माध्यम से खेती में मदद करती हुई दिखाई देंगी।

पद्म पुरस्कारों पर : पीएम ने कहा कि पद्म सम्मान पाने वालों में हर किसी का योगदान देशवासियों को प्रेरित करने वाला है। इस बार सम्मान पाने वालों में बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य, थिएटर और भजन की दुनिया में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

प्राकृत, मालवी और लम्बाडी भाषा में बहुत ही शानदार काम करने वालों को भी ये सम्मान दिया गया है। विदेश के भी कई लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है जिनके कार्यों से भारतीय संस्कृति और विरासत को नई ऊंचाई मिल रही है। इनमें फ्रांस, ताईवान, मेक्सिको और बांग्लादेश के नागरिक भी शामिल हैं।

लॉयन्स क्लब का कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लायन्स क्लअ ऑफ हैदराबाद ईस्ट एवं जोन चेयरपर्सन विभा भारती द्वारा आयोजित जोन कार्यक्रम सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। जोन परिवार के अंतर्गत आने वाले लॉयन्स क्लब कोठी, लॉयन्स क्लब साऊथ एवं लॉयन्स क्लब राजधानी के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष व डिस्ट्रिक्ट के पदाधिकारी लॉयन नागेश, प्रकाश राव, नागा राजु, प्रवीण मेरी, जंगैया यादव, सुजाता, श्रीनिवासलु, डा. रमना राव, प्रकाश भंडारी, मुन्नालाल बंग, जोगिन्दर सिंह मुरजाल, ताराकांत, विकास हिसारिया, विजय लक्ष्मी, निलेश छेडा, प्रमोद जायसवाल, राकेश साहनी, देवचंद गाला, उमेश अग्रवाल, श्याम गोयनका, निशा हिसारिया, सीता राव, लीना छेडा, संतोष तांटिया एवं लॉयन श्रुतिकान्त भारती ने संचालन किया। जोन चेयरपर्सन के रूप में विभा भारती एवं पदाधिकारियों ने संबोधन किया। लक्ष्मीनारायण सोनी ने सभी का स्वागत किया।

'झोलाछाप' डाक्टरों पर टीएसडीसीए ने कसा शिकंजा

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिना लाइसेंस वाले झोलाछाप डाक्टरों चिकित्सकों पर अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए, टीएस ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीएसडीसीए) के अधिकारियों ने शनिवार को डी श्रीनिवास द्वारा संचालित 'श्रीनिवास क्लिनिक' पर छापा मारा और कोठापेट गांव में बिक्री के लिए रखी गई 70,000 रुपये की दवाएं जब्त कर लीं।

डीसीए के मुताबिक, श्रीनिवास खुद को रूरल मेडिकल प्रैक्टिशनर्स (आरएमपी) बताकर क्लिनिक चला रहा था। डीसीए टीम ने एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एनाल्जेसिक, एंटी अल्सर दवाओं और एंटी-हाइपरटेन्सिव सहित 41 प्रकार की दवाओं के अनधिकृत स्टॉक का पता लगाया और जब्त कर लिया।

डीसीए टीम ने नरसापुर, मेडक जिले की कुछ थोक एजेंसियों से संबंधित खरीद बिल और नकद रसीदें भी जब्त कीं। टीएसडीसीए के महानिदेशक, वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि छापे के दौरान क्लिनिक में कई उच्च स्तर के एंटीबायोटिक्स भी पाए गए। उन्होंने ऐसे थोक विक्रेताओं, डीलरों को चेतावनी दी जो ऐसे अयोग्य व्यक्तियों, बिना लाइसेंस वाली दुकानों को दवाएं आपूर्ति करते हैं और बताया कि वे भी ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत दंडनीय हैं और ऐसे थोक विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सिद्दीपेट के सहायक निदेशक डॉ. जे. राजू और मेडक के ड्रग्स इंस्पेक्टर राजा रेड्डी ने भी छापेमारी की।

आईसीएम द्वारा 30 जनवरी को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला हेतु मुख्य अतिथि के रूप में महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग को आमंत्रित करते हुए आईसीएम की नीलू पाण्डे , एस एल एन टी श्रीनिवास।

गोशाला को सूखे चारे का वितरण

हैदराबाद, 28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। लॉयन्स क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के तत्वावधान में राष्ट्रीय जीव जंतु कल्याण पखवाडा के अंतर्गत रविवार को सैदाबाद भू लक्ष्मी माता गौशाला में पशु आहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष महेन्दर गुप्ता, मानद मंत्री निर्मल कुमार जैन, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत, प्रवीण खंडेलवाल, नीता खंडेलवाल, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल, रवि आदि उपस्थित थे। लॉयनस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण की कार्यकारिणी द्वारा प्रति माह गोशाला को चारा प्रदान करने के निर्णय का तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने स्वागत किया एवं उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, हिन्दू वाहिनी एवं सभी सामाजिक संस्थाओं से आग्रह किया कि वे भी आगे आकर एक गौ दत्तक लें।

साहित्यिक समूह की स्थापना और गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजमाता साहित्यिक समूह की स्थापना और प्रथम गोष्ठी नामपल्ली स्थित होटल के सभागार में सम्पन्न हुई। प्रकाश बोलाकी संरक्षक, सुनीता लुल्ला - अध्यक्ष, और वरिष्ठ साहित्यकार सत्य प्रसन्न प्रमुख परामर्शदाता बने। सूचना और प्रसारण का कार्यभार श्रीमती गीता अग्रवाल और उनके पति कृष्ण प्रकाश अग्रवाल को सौंपा गया।

आज सरस्वती दीप प्रज्वलन करके समूह की स्थापना की गई। प्रकाश बोलाकी , सुनीता लुल्ला सत्य प्रसन्न , गीता अग्रवाल, , वर्षा शर्मा , रेखा अग्रवाल ,लेफ्टिनेंट कर्नल शिव प्रसाद ,उमा सोनी , मोहिनी गुप्ता, भक्ति चावला , भरत जसानी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आरम्भ गीता अग्रवाल के सरस्वती वंदना से हुआ।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का 24वाँ वार्षिकोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सतयुग में वशिष्ठ, त्रेता में परशुराम, द्वापर में द्रोणाचार्य और कलियुग में चाणक्य के वंशज हैं भूमिहार। उक्त जानकारी देते हुए दंडी स्वामी अनंतानंद सरस्वतीने कहा कि ब्रह्मर्षि ही एक ऐसी जाति है जो अन्याय के ख़िलाफ़ अपनों से भी लड़ने को तैयार हो जाते हैं।

समाज के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्र ने कहा कि स्वामी जी ने आज हम सभी ब्रह्मर्षियों को स्वयं से परिचय करवाया है। साथ ही उन्होंने समाज के प्रथम स्थापना दिवस से लेकर 24 वर्षों तक की यात्रा की यादें ताजा की।

समाज के महासचिव सुनील सिंह ने बताया कि यह भव्य कार्यक्रम सह सचिव पंकज कुमार कार्यकारिणी सदस्य अमर सिंह, मोहन सिंह, सुजीत ठाकुर, मुकेश कुमार, रंजीत शुक्ला, विनोद कुमार राय, मनोज शाही, पंकज सिंह, गोविंद राय, सुधा राय, अमित मिश्रा, पूजा मिश्रा, प्रियंका सिंह, आदि के अथक परिश्रम से संपन्न हो सका।

कार्यक्रम के द्वितीय भाग का संचालन दीप प्रज्वलन एवं भगवान परशुराम तथा स्वामी सहजानंद सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ शुभारंभ हुआ। पूर्व अध्यक्ष गोपाल चौधरी, सुजीत ठाकुर एवं शिशिर मिश्रा ने स्वामी जी का स्वागत किया।

उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राय ने शब्द कुसुमों से सभी का स्वागत किया और डॉ आशा मिश्रा (पूर्व महिला अध्यक्ष) ने मुख्य अतिथि स्वामी जी का परिचय प्रस्तुत किया। श्रीमती सुधा राय (पूर्व उपाध्यक्ष) ने सभी आगंतुकों का एक दूसरे से परिचय कराया।

अवसर पर डॉ एस एन राय को इण्डियन नैशनल चैप्टर ऑफ़ इंडियन असोसिएशन ऑफ़ हाइड्रोलॉजिस्ट द्वारा प्राप्त लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए समाज की ओर से विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समाज ने आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को गोविंद राय (पूर्व अध्यक्ष), सुजीत ठाकुर एवं इंद्रदेव प्रसाद सिंह (पूर्व महासचिव) के सहयोग से छात्रवृत्ति प्रदान किया गया, जिसका लाभ शांतनु कुमार, स्वप्ना मिश्रा, राधा ठाकुर, आकृति सिंह, गुंजन, दिव्या कुमारी और हर्षित कुमार को मिला।

साथ ही समाज के मेधावी बच्चे जिन्होंने 2023 में दसवीं और बारहवीं कक्षा में 75% से अधिक अंक प्राप्त किये हैं की श्रेणी में बारहवीं कक्षा के लिए आदित्य सिंह (79.3%), अक्षिती मिश्रा (80%) प्रियंका कुमारी (92.4%), विग्रेश कुमार (90%) और दसवीं के लिए रुपाशी सिंह (90%), रिधिमा कुमारी (10 सीजीपी) तथा वैष्णवी कुमारी (8.3 सीजीपी) को सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ सदस्य डॉ अहिल्या मिश्र की गरिमामय उपस्थिति और आर एस शर्मा (पूर्व उपाध्यक्ष), एस एन राय , गीता मिश्रा आदि की उपस्थिति से समाज कृतार्थ हुआ।

अग्रसेन बायोडाटा कमिटी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमिटी की बैठक दुर्गा प्रसाद बंसल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। पंकज कुमार संघी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुख्य अतिथि के रूप में संघी समिति के अध्यक्ष सुबोध संघी को शॉल और मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया. अग्रसेन बायोटेक कमेटी के कार्य के लिए मुख्य अतिथि ने प्रशंसा कर सभी को प्रोत्साहन दिया। यह संस्था 6 वर्ष पूर्व स्थापित की गई थी जिसके द्वारा लगभग 1550 रिश्ते संपन्न हो चुके हैं। प्रति सप्ताह रविवार के दिन यहां पर लगभग 30 से 40 अभिभावक सम्मिलित होते हैं।

दुर्गा प्रसाद बंसल, सुबोध संघी, पंकज कुमार संघी, रुचिता संघी, डॉक्टर संगीता गर्ग, पुरुषोत्तम गुप्ता,सुनील अग्रवाल, सतनारायण मोदी,अरविंद गोयल, संगीता गोयल,जयश्री केडिया,सोनल, महेश सांवरिया, मनोज अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, रवि अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

इसी तरह अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की 19 वीं बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में आयोजित की गई। कमिटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 10 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कमिटी द्वारा 2023-25 के इस कार्यकाल में पिछले 5 महीनों में 54 रिश्ते पक्के हुए । समाज के पिछले कार्यकाल 2021-23 में 96 रिश्ते तय हुए थे। बैठक प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित समय पर हर रविवार को होगी सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा का लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह है आगामी बैठक रविवार को होगी । आज की बैठक में चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वेनर रमेश तुल्सियान, वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल , गोविंद अग्रवाल, अशोक दादरीवाला, एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक गण आदि उपस्थित थे ।

अग्रणी महिला मंच की ओर से स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपतराय की जयंती मनाई गई। हिमायत नगर स्थित कार्यालय में हुए इस कार्यक्रम में लालाजी को श्रद्धांजली अर्पित कि गई। इस अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, मीनाक्षी अग्रवाल, प्रीति गोयल, वंदना पचारिया, रखी एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

मल्लापुर स्थित श्री आईमाता बडेर मे आयोजित जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए महंत श्री हनुमानदासजी महाराज संत श्री रमतारामजी महाराज अवसर पर भजनो व भोजन प्रसादी का लाभ लेते हुए समाज के पदाधिकारी व समाज बन्धु।

चेन्नई से पधारे साहुकारपेट कुमावत समाज के अध्यक्ष ओंकारराम मेडतिया का आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने साफा और पुष्प माला डालकर स्वागत किया। इस अवसर पर चेनाराम, आसुराम, मोतीलाल पारसमल, सुरेंद्र रेणवाल, रामचन्द्र कालुराम मावर, गेपरराम मालीवाड एवं अन्य।

पब्लिक गार्डन स्थित शिव मंदिर में रुद्राभिषेक एवं अन्नकूट कार्यक्रम संपंन्न हुआ। इस में सुशील महाराज, एनआर लक्ष्मण राव, मणिलाल शाह, प्रशांत माने, कैलाश केडिया, राजेंद्र यादव, ओम प्रकाश जैन, श्याम लाल, अशोक एवं अन्य शामिल हुए।

गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष्य में जामबाग डिवीजन के संगम पूसलबस्ती में स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगरसेवक राकेश जायसवाल ने अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर अमर सिंह, अजय, सुरेश टॉल्डी, प्रवीण बाबू उपस्थित थे।

फलकनुमा में डीसीए ने अवैध फार्मेसी पर मारा छापा; 1.20 लाख रुपये की दवाइयां जब्त

हैदराबाद, 28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। टीएस ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीएसडीसीए) के अधिकारियों ने जंगलमेट, फलकनुमा में के अच्युत रेड्डी द्वारा बिना ड्रग लाइसेंस के अवैध रूप से चलाई जा रही एक मेडिकल दुकान पर छापा मारा और 1.20 लाख रुपये की दवाएं जब्त की।

फलकनुमा में अवैध मेडिकल दुकान पर छापेमारी के दौरान, डीसीए टीम ने 40 प्रकार की दवाएं जब्त कीं, जिनमें एंटी-डायबिटिक, एंटी-फंगल, एंटी-हाइपरटेंसिव, दर्द निवारक, एंटी-अल्सर आदि दवाएं शामिल थीं, ऐसा टीएसडीसीए के डिजी वी बी कमलासन रेड्डी ने रविवार को एक बयान में कहा।

फलकनुमा में छापेमारी का हिस्सा रहे डीसीए अधिकारियों की टीम में टी. राजामौली, सहायक निदेशक, बी. लक्ष्मी, ड्रग्स इंस्पेक्टर, चारमीनार, जी. अनिल, ड्रग्स इंस्पेक्टर, मलकपेट, के. अन्वेष, ड्रग्स इंस्पेक्टर, मेहदीपट्टनम शामिल थे।

प्रेम संबंधों के चलते आईटी पेशेवर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर के राजेंद्र नगर में एक आईटी पेशेवर महिला ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। महिला की पहचान अतिथि भारद्वाज के रूप में हुई। वह अत्तापुर में हैप्पी होम फॉर्च्यून अपार्टमेंट की निवासी थी और एक निजी कंपनी में कार्यरत थी। महिला के दोस्तों ने पुलिस को बताया कि उसकी एक आदमी के साथ दोस्ती थी और दोनों ने जल्द ही शादी करने की योजना बनाई थी। लेकिन वह व्यक्ति कथित तौर पर पीछे हट गया और उसे धोखा दिया। इससे महिला अवसाद में आ गई और उसने शयनकक्ष में पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

इंग्लैंड ने 28 रन से जीता पहला टेस्ट

भारत की दूसरी पारी 202 पर सिमटी

डेब्यू कर रहे टॉम हार्टले ने लिए 7 विकेट

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 28 रन से जीत लिया है। इस जीत से इंग्लिश टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

हैदराबाद में रविवार को 231 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम दूसरी पारी में 202 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान रोहित शर्मा ने 39 रन बनाए। रविचंद्रन अश्विन और केएस भरत ने 28-28 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से डेब्यू कर रहे टॉम हार्टले ने 7 विकेट लिए।

इंग्लैंड ने चौथे दिन की शुरुआत 316/6 के स्कोर से की और दूसरी पारी में 420 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 231 रन का टारगेट दिया। ओली पोप ने 196 रन की पारी खेली। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 436 रन और इंग्लैंड ने 246 बनाए थे। 70वें ओवर में भारत ने आखिरी विकेट गंवा दिया है। टॉम हार्टले की बॉल पर बेन फोक्स ने मोहम्मद सिराज को स्टंप कर दिया।

231 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम ने 200 रन बना लिए हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज क्रीज पर हैं।

भारत ने नौवां विकेट गंवा दिया है। टॉम हार्टले ने अश्विन को स्टंप कराया। अश्विन 28 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

भारत ने 8वां विकेट गंवा दिया है। टॉम हार्टले ने केएस भरत (28 रन) को बोल्ड करके अर्धशतकीय साझेदारी तोड़ी। यह हार्टले का 5वां विकेट है। विकेटकीपर केएस भरत और रविचंद्रन अश्विन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो चुकी है। यह साझेदारी अहम मौके पर आई। दोनों ने 130 बॉल पर 57 रन जोड़े।

231 रन के टारगेट का पीछा कर रही भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। 57वें ओवर में रेहान अहमद की बॉल पर भरत के चौके के साथ भारत का स्कोर 152 रन पर 7 विकेट हो गया।

7 विकेट गिरने के बाद रविचंद्रन अश्विन और केएस भरत ने टीम इंडिया को संभाला। दोनों ने 41 से 55 ओवर के बीच एक ही बाउंड्री लगाई और 25 रन जोड़ लिए। भारत ने 7वां विकेट 119 रन के स्कोर पर गंवाया था।

श्रेयस अय्यर 41वें ओवर में आउट हुए। उनके विकेट के बाद केएस भरत और रविचंद्रन अश्विन ने बेहद धीमी बैटिंग की। दोनों अगले 5 ओवर में 4 ही रन बना सके। श्रेयस अय्यर 13 रन बनाकर स्लिप में कैच आउट हो गए। उन्हें जैक लीच ने पवेलियन भेजा। भारत ने 24 रन के अंदर 3 विकेट गंवा दिए। तीसरे सेशन में टीम ने 95/3 के स्कोर से पारी आगे बढ़ाई। 119 के स्कोर पर भारत ने सातवां विकेट भी गंवा दिया।

डेविस कप : पाकिस्तान ने भारतीय टीम के लिए जारी किया वीजा, 3-4 फरवरी को भिड़ेंगी दोनों टीमें

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग ने पाकिस्तान और भारत के बीच डेविस कप में विश्व ग्रुप -1 प्लेऑफ मैच खेलने के लिए सहयोगी स्टाफ सहित भारतीय डेविस कप टीम को वीजा जारी किया है। विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ मुकाबला तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला जाना है। नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक बयान में कहा ₹पाकिस्तान उच्चायोग, नई दिल्ली ने डेविस कप खेलने के लिए सहयोगी स्टाफ सहित भारतीय डेविस कप टीम को वीजा जारी किया है।₹ पाकिस्तान और भारत के बीच विश्व ग्रुप -1 प्लेऑफ मैच होना है।

भारतीय डेविस कप टीम 1964 के बाद पहली बार पाकिस्तान की यात्रा करेगी। भारत ने 2019 में अपने सबसे हालिया तटस्थ साइट मैच में पाकिस्तान को 4-0 से हराया।

इससे पहले, अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप I प्ले-ऑफ के लिए छह सदस्यीय भारतीय टेनिस टीम चुनी, जो तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद में होगी। मैच पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ग्रास कोर्ट पर होंगे। पूर्व खिलाड़ी रोहित राजपाल भारतीय डेविस कप टीम के गैर-खिलाड़ी कप्तान बने रहेंगे, जबकि जीशान अली कोच होंगे।

हालांकि, टीम को अनुभवी रोहन बोपन्ना की कमी खलेगी। 43 वर्षीय बोपन्ना ने सितंबर में मोरक्को के खिलाफ मैच में अपना अंतिम डेविस कप मैच खेला और भारत ने 4-1 से जीत हासिल की।

डेविस कप के लिए टीम इंडियाः युकी भांबरी, रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, साकेत माइनेनी, निकी कालियांदा पूनाचा, दिग्विजय एसडी प्रज्वल देव (रिजर्व), रोहित राजपाल (कप्तान)।

भारतीय टेनिस टीम का डेविस कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1966, 1974 और 1987 में था, जब वे दूसरे स्थान पर रहे थे।

विश्व कप में रिदम-उज्जवल की जोड़ी ने जीता स्वर्ण पदक

एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में किया कमाल

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। रिदम सांगवान और उज्जवल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में एलमिरा कारापेयन और बेनिक खलघाटयान की अर्मेनियाई जोड़ी को 17-7 से हराकर भारत को आईएसएसएफ विश्वकप में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। रिदम का यह लगातार दूसरा विश्वकप मिश्रित टीम स्वर्ण पदक है। रिदम और उज्जवल की जोड़ी ने 580 अंक से अर्मेनिया की जोड़ी से एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

इससे पहले अर्जुन बबुता और सोनम उत्तम मस्कर की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। पदार्पण कर रही निशानेबाज अनुराधा देवी ने रियो ओलंपिक चैंपियन अन्ना कोराकाक्की को पछाड़ते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला। भारतीय निशानेबाजों ने अभी तक एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीते हैं।

क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर मे अर्जुन-सोनम

अर्जुन और सोनम की जोड़ी क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रही थी, लेकिन फाइनल में ब्रिटेन के डीन बेल और सियोनेड मैकिंतोश से पिछड़कर दूसरे स्थान पर रहे। अनुराधा (33 वर्ष) ने आठवें और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान से फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले सागर डंगी भी पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन वह छठे स्थान पर रहे। अनुराधा ने 575 अंक से फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

फाइनल में उन्होंने कजाखस्तान की इरिना युनुस्मेतोवा को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। अनुराधा 239.9 के स्कोर से कोराकाक्की से 1.2 अंक पीछे रहीं। पुरुषों के ट्रैप स्पर्धा में कोई भी भारतीय फाइनल तक नहीं पहुंच सका। जोरावर संधू 12वें स्थान पर रहे। महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में राजेश्वरी कुमारी 13वें स्थान पर थीं।

वंदना कटारिया की महिला हॉकी टीम में वापसी, मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की विफलता से उबरते हुए सविता पूनिया की अगुवाई वाली 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग मैच में ताजा शुरुआत करने की कोशिश करेगी। उत्तराखंड की वंदना कटारिया की चोट से उबरने के बाद बतौर उप कप्तान टीम में वापसी हुई है। इसी चोट के कारण वह इस महीने के शुरू में रांची में ओलंपिक क्वालिफायर्स में नहीं खेल पाई थीं।

रांची में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिससे वह ओलंपिक में जगह बनाने से चूक गई जबकि पिछले दो चरण में टीम ने क्वालिफाई किया था। टोक्यो ओलंपिक में टीम चौथे स्थान पर रही थी। प्रो लीग का भुवनेश्वर चरण तीन से नौ फरवरी तक चलेगा जबकि राउरकेला

चरण 12 से 18 फरवरी तक होगा। भारत दोनों चरण में अमेरिका, नीदरलैंड, चीन और ऑस्ट्रेलिया से दो-दो बार भिड़ेगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत तीन फरवरी को मौजूदा एशियाड चैम्पियन चीन के खिलाफ करेंगी।

टीम - गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम।

डिफेंडरः गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री।

मिडफील्डरः निशा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, नवनीत कौर, सलीमा टेटे, सोनिका, ज्योति, बलजीत कौर, सुनेलिता टोप्पो।

फॉरवर्डः मुमताज खान, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया (उप कप्तान), शर्मिला देवी।

भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से हराया, हरमनप्रीत, अभिषेक और सुमित ने किए गोल

केपटाउन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए मेजबान टीम को 3-0 से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत (दूसरा मिनट), अभिषेक (13वां मिनट) और सुमित (30वां मिनट) ने गोल किए। भारत ने आक्रामक शुरुआत की थी और जल्द ही पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। इस पर हरमनप्रीत ने ताकतवर ड्रैगफ्लिक से गोल कर दिया।

पहले क्वार्टर की समाप्ति से पहले अभिषेक ने गोलकीपर को छकाते हुए बढ़त को दोगुना कर दिया। दूसरे क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका टीम ने कई हमले बोले लेकिन भारतीय रक्षण मजबूत था। मध्यांतर से पहले सुमित ने 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी थी।

फिर टूटा गाबा का घमंड, वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को आठ रन से हराया; डे-नाइट टेस्ट में पहली हार

ब्रिसबेन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो मैच की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज ने आठ रन से जीत लिया है। रोमांचक मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर वेस्टइंडीज ने सीरीज भी 1-1 से बराबर कर ली। इस मैच की पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 311 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट पर 289 रन बनाकर पहली पारी घोषित की। दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की टीम सिर्फ 193 रन पर सिमट गई और ऑस्ट्रेलिया के सामने जीत के लिए 216 रन का लक्ष्य रखा। इसके जवाब में कंगारू टीम 207 रन ही बना पाई और आठ रन से मैच हार गई।

वेस्टइंडीज ने 27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में किसी टेस्ट मैच में हराया है। वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया में पिछली जीत पर्थ के मैदान पर 1997 में मिली थी। यह पहला मौका था, जब कंगारू टीम को डे-नाइट टेस्ट मैच हारी है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 11 डे-नाइट टेस्ट मैच जीते थे।

गाबा का मैदान ऑस्ट्रेलिया का अजेय किला माना जाता रहा है। हालांकि, भारत ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया को इस मैदान पर हराया था और वेस्टइंडीज ने भी ऐसा किया है। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया 1988 से इस मैदान पर तीसरा ही टेस्ट हारा है। 1988 में वेस्टइंडीज ने हराया था। 2021 में भारत ने परास्त किया था और अब वेस्टइंडीज ने शिकस्त दी है। अब गाबा का घमंड पूरी तरह से टूट चुका है।

मैच में क्या हुआ?

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। खराब शुरुआत के बाद कवेम हॉज के 71 और जोशुआ डे सिल्वा के 79 रन ने पारी को संभाला। केविन सिंक्लेयर ने 50 और अल्जारी जोशेफ ने 32 रन की पारी खेल टीम का स्कोर 311 रन तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने चार विकेट लिए। हेजलवुड और लियोन को दो-दो विकेट मिले।

ऑस्ट्रेलिया ने भी पहली पारी में बेहद खराब शुरुआत की। ख्वाजा के 75 रन और एलेक्स कैरी के 65 रन ने टीम को 54/5 के स्कोर से उबारा। कप्तान कमिंस ने नाबाद 64 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट पर 289 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की। हेजलवुड बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। वेस्टइंडीज के अल्जारी जोशेफ ने चार और केमार रोच ने तीन विकेट लिए। दूसरी पारी में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी पूरी तरह फेल रहे। सबसे ज्यादा 41 रन किर्क मैकेंजी ने बनाए। एलिक एथानजे ने 35 और जस्टिन ग्रेव्स ने 33 रन का योगदान दिया। दूसरी पारी में 193 रन बनाकर वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 216 रन का लक्ष्य रखा। जोश हेजलवुड और नाथन लियोन ने तीन-तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में स्टीव स्मिथ ने नाबाद 91 रन बनाए, लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। उनके अलावा कैमरून ग्रीन ने 42 रन और मिचेल स्टार्क ने 21 रन का योगदान दिया। अंत में ऑस्ट्रेलियाई टीम 207 रन पर सिमट गई। स्मिथ एक छोर पर नाबाद रह गए। वह अपने शतक से चूके और टीम को जीत भी नहीं दिला पाए।

वेस्टइंडीज के लिए शमर जोसेफ ने सात विकेट लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। जोसेफ ने मैच में आठ विकेट लिए।

पांच छक्के एक चौका के सात अफ्रीकी स्टार ने रचा इतिहास

तोड़ दिया ऋषभ पंत का बड़ा रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के स्टार खिलाड़ी स्टीव स्टोक ने रनों का तूफान ला दिया है। स्टीव ने स्कॉटलैंड के खिलाफ ऐसी तूफानी पारी खेली है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता है। बल्लेबाज की यह पारी इतिहास के पन्नों में हमेशा-हमेशा के लिए दर्ज हो गई है। जो भी फैंस इस मैच को देखने के लिए आए थे, उन्होंने पैसा वसूल मैच का लुत्फ उठाया है। जब साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज मैदान पर उतरे तो ऐसा लगा कि साउथ अफ्रीका में पानी की नहीं बल्कि छक्के और चौकों की बारिश शुरू हो गई है। फैंस ने भी इस बारिश का खूब आनंद लिया है। बता दें कि बल्लेबाज ने स्कॉटलैंड के एक गेंदबाज को एक ही ओवर में 34 रन कूट दिए हैं। इस ओवर में स्टीव ने 5 छक्के और एक चौके लगाए हैं।

स्टीव स्टोक ने ना सिर्फ तूफानी पारी खेलीं हैं, बल्कि उन्होंने इस शानदार पारी के साथ ही भारत के विस्फोटक बल्लेबाज ऋषभ पंत का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जो रिकॉर्ड इस मैच से पहले ऋषभ पंत के नाम दर्ज था, अब स्टीव ने उसे अपने नाम पर रजिस्टर करा लिया है। बता दें कि अंडर 19 विश्व कप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड ऋषभ पंत के नाम दर्ज था। उन्होंने साल 2018 के अंडर 19 विश्व कप में नेपाल के खिलाफ सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। पंत ने इस रिकॉर्ड को 6 साल तक अपने पास रखा, लेकिन अब साउथ अफ्रीकी स्टार ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है।

बता दें कि स्टीव स्टोक ने इस पारी में सिर्फ 37 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली है। इस तूफानी पारी के दौरान खिलाड़ी के बल्ले से 7 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के भी निकले हैं। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 269 रन बनाया। ऐसा लग रहा था कि यह मैच टक्कर का हो सकता है, लेकिन साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज स्टीव स्टोक ने ऐसा तूफान लाया कि महज 27 ओवर में अपनी टीम को जीत दिला दी।

आरसीबी को लगा बड़ा झटका, विदेशी स्टार खिलाड़ी टीम से बाहर, रिप्लेसमेंट का हुआ ऐलान

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। आरसीबी टीम को बड़ा झटका लगा है। इससे टीम की मुश्किलें बढ़ गई है। टूर्नामेंट का आगाज होने से पहले ही विदेशी स्टार खिलाड़ी ने लीग से अपना नाम वापस ले लिया है। खिलाड़ी के बाहर होने से आरसीबी फैंस को भी करारा झटका लगा है। खिलाड़ी ने अपना नाम वापस क्यों लिया इसकी वजह तो अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन खिलाड़ी का बाहर जाना आरसीबी के लिए बेहद ही बुरी खबर है। खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से टीम को जिताने की काबिलियत रखते हैं, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट शुरू होने से

पहले ही टीम का साथ छोड़ने का फैसला किया है। अब उनकी जगह एक अन्य विदेशी खिलाड़ी को टीम में एंट्री भी मिल चुकी है।

बता दें कि अगले महीने के 23 फरवरी से महिला प्रीमियर लीग का आगाज होने वाला है। इससे पहले ही आरसीबी टीम को यह झटका लगा है। आरसीबी के लिए खेलने वाली इंग्लैंड की स्टार खिलाड़ी हीथर नाइट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। नाइट के टीम से बाहर होने से आरसीबी को करारा झटका लगा होगा। अब आरसीबी ने उनकी रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है। नाइट की जगह साउथ अफ्रीका की खिलाड़ी नादिन डी क्लार्क को टीम में शामिल किया गया है। क्लार्क भी टीम के लिए काफी शानदार प्रदर्शन करती हैं।

डब्ल्यूपीएल 2024 का आगाज 23 फरवरी को होने के बाद इसका फाइनल मैच 17 मार्च को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 22 मैच खेले जाएंगे। इनमें से शुरुआती 11 मुकाबले बेंगलुरू के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद बाकी के 11 मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला है। इसको लेकर फैंस में जबरदस्त रोमांच देखा जा रहा है। लीग का पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाला है।

तेलंगाना हर तरह से निवेश के लिए उपयुक्त : भट्टी

हाईटेक्स में आयोजित बिल्डर्स कन्वेंशन में डिप्टी सीएम शामिल हुए

हैदराबाद , 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) । राज्य के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि इंदिरम्मा राज्य में कांग्रेस सरकार बिल्डरों को ठेकेदार के रूप में नहीं बल्कि धन के निर्माता के रूप में देखती है। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि संपत्ति बनाने वाले रचनाकारों की रक्षा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना हमारी जिम्मेदारी है। भट्टी रविवार को हाईटेक्स में आयोजित बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 31वें सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सम्मेलन में लगाये गये विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया तथा उनकी तैयारी एवं उपयोग के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर "बिल्डिंग थ्रू टाइम, टेक्निकल वॉल्यूम" पुस्तकें लॉन्च की गईं। बाद में डिप्टी सीएम ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि देश में निर्माण क्षेत्र में तेलुगु राज्यों के ठेकेदारों का योगदान अधिक है और तेलुगु राज्यों के बिल्डर देश की संपत्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना सरकारों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक एवं कल्याणकारी राज्य है। उन्होंने कहा कि अगर देश में कल्याणकारी राज्य लागू करना है तो धन की जरूरत है और सरकार लोगों की कल्याणकारी जरूरतों को तभी पूरा कर सकती है जब धन पैदा करने वाली संस्थाएं आएंगी। उन्होंने कहा कि धन पैदा करने वाली संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने का विचार इंदिरम्मा के राज्य में मौजूद नहीं होगा।कई ठेकेदारों को वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि सरकार ने काम करने वाले ठेकेदारों के लिए निर्माण कार्य के बिलों का भुगतान न करना कठिन बना दिया है। उन्होंने अनुरोध किया कि ठेकेदारों को सरकार की ओर से बकाया राशि का भुगतान यथाशीघ्र किया जाये। इस मौके पर उन्होंने सरकार से सिंचाई परियोजनाओं में निर्माण ठेकेदारों को कुछ कर छूट और रियायतें देने की अपील की। इस कार्यक्रम में आयोजन सचिव सचितानंद रेड्डी, राज्य अध्यक्ष देवेंदर रेड्डी, सह उपाध्यक्ष डीवीएन रेड्डी, राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष आर राधाकृष्ण और अन्य ने भाग लिया।

निवेश में धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने नेश्नर सिरीश कुमार नाम के एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह तिरूपति, आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। सिरीश निर्दोष लोगों को धोखा देने के लिए चीनी राष्ट्रीय साइबर धोखेबाजों को बैंक खाते उपलब्ध कराता था। पीड़ित निवासी लोअर टैंक बंड, हैदराबाद से प्राप्त शिकायत में कहा गया है कि साइबर जालसाजों ने व्हाट्सएप और टेलीग्राम एप्लिकेशन के माध्यम से उससे संपर्क किया और ऑनलाइन उत्पादों को रेटिंग और विज्ञापन देने का काम बताकर उसे धोखा दिया और 6 लाख रुपये की राशि का लालच दिया। उनसे उनके द्वारा दिए गए बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा। इस संबंध में साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद ने सीआर नंबर में मामला दर्ज जांच की।

अभियुक्त की कार्यप्रणाली के बारे में पुलिस का कहना है कि आरोपी सिरीश कुमार ने साइबर जालसाजों के साथ मिलीभगत की और कमीशन प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन उत्पादों की रेटिंग और विज्ञापन करने का काम सौंपकर निर्दोष लोगों को धोखा दिया। शुरुआत में साइबर जालसाज विश्वास दिलाने के लिए कमीशन के रूप में छोटी रकम देते थे। फिर, उन्होंने पीड़ितों पर भारी रकम निवेश करने का दबाव डाला, फिर उन्होंने उन्हें जवाब देना बंद कर दिया। इन साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए, आरोपियों ने निर्दोष लोगों को धोखा देने के लिए साइबर जालसाजों को बैंक खाते उपलब्ध कराए।

आरोपियों ने करीब 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। एक ही दिन में एक खाते में 1.5 करोड़ रुपये थे जो उनसे जब्त किए गए थे और जिसके लिए पूरे भारत में कई मामले दर्ज किए गए थे। आरोपी सिरीश चीन जाता था और चीनी नागरिकों के साथ काम करता था। पुलिस निरीक्षक के. मधुसूदन राव की टीम के के.सतीश रेड्डी, एसआई, एनएसएस प्रकाश, एएसआई, बी.भास्कर पीसी और फारूक ने ए.वी.रंगनाथ, संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं एसआईटी, हैदराबाद की सीधी निगरानी में मामले की छानबीन की। डी.कविता, डीसीपी, साइबर अपराध, हैदराबाद और आर.जी. शिवा मारुति, एसीपी, साइबर क्राइम पीएस, हैदराबाद की देखरेख में मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने जनता को सावधान करते हुए कहा है कि वे धोखाधड़ी वाली ऑनलाइन वेबसाइटों पर विश्वास न करें और अनधिकृत वेबसाइटों या किसी अन्य माध्यम से निवेश न करें, जो घर बैठे कम राशि का निवेश करके उच्च रिटर्न का लालच देती हैं।

'जातीय जनगणना न्याय की दिशा में पहला कदम'

राहुल गांधी ने तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी को दी बधाई

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी दक्षिण भारतीय प्रदेश- तेलंगाना में पहली बार सरकार बनाने में कामयाब रही है। पार्टी के चुनावी वादों में जातीय जनगणना कराने का एलान भी शामिल है। सीएम रेवंत रेड्डी ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया है। ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस फैसले के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना वंचित तबकों को इंसाफ दिलाने की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जातीय जनगणना की घोषणा 'न्याय की तरफ उठाया गया पहला कदम' है। सरकार इसके लिए बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि देश की समृद्धि में समाज के हर वर्ग की समान भागीदारी सुनिश्चित कराने का एकमात्र तरीका जातीय जनगणना है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को एक पोस्ट कर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समाज के सामाजिक और आर्थिक सेहत को जाने बिना उसके लिए उचित योजना बनाना असंभव है। जातीय जनगणना समाज के हर वर्ग की न्यायसंगत भागीदारी और देश की समृद्धि सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा, न्याय की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तेलंगाना सरकार को बधाई।

बता दें कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बड़ी कवायद कर रही है। 10 साल के बाद पहली बार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार को उखाड़ फेंकने में कामयाब रही कांग्रेस सरकार के मुखिया- सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार पूरे राज्य में जातीय जनगणना की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने जातीय जनगणना कराने का वादा किया था। अब सरकार जनगणना कराने की तैयारियां कर रही है। राज्य के बड़े अधिकारियों के साथ बैठक में सीएम रेवंत रेड्डी ने अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और आदिवासी कल्याण विभागों से संबंधित मुद्दों पर बैठक कर जातीय जनगणना कराने का निर्देश दिया।

फिल्मी हस्तियों ने की मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद , 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से तेलुगु फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष दिल राजू, तेलुगु फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल के अध्यक्ष केएल दामोदर प्रसाद, काउंसिल के सचिव वाईवीएस चौधरी, तेलंगाना राज्य फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील नारायण, सचिव के. अनुपमा रेड्डी, कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष अनिल कुमार, सचिव टीएसएन डोरा, निर्माता गिल्ड के अध्यक्ष पीवी रवि किशोर, कोषाध्यक्ष बापिनिडु, सुप्रिया् आदि से शिष्टाचार भेंट की।

तेलंगाना से मुक्त हुए पन्ना के बंधक बनाए गए 14 मजदूर

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 45 मजदूरों को रोजगार दिलाने के नाम पर कर्नाटक व तेलंगाना में ले जाकर बंधक बनाया गया था। इस मजदूरों में से तेलंगाना से 14 मजदूरों को मुक्त कराया गया है। इस पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व खजुराहो के सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने गृहमंत्री अमित शाह का आभार माना है।

बताया गया है कि मानव तस्करों द्वारा पन्ना जिले के अलग-अलग क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 45 मजदूरों को कर्नाटक और तेलंगाना में बंधक बनाकर मजदूरी कराई जा रही थी। मानव तस्कर इन मजदूरों को जबलपुर में अच्छी मजदूरी दिलाने के नाम पर पन्ना से बहला-फुसलाकर ले गए थे। तस्कर मजदूरों को जबलपुर न ले जाकर 27 मजदूरों को कर्नाटक और 14 को तेलंगाना ले गए। कई महीनों से मजदूरों को बंधक बनाकर वहां मजदूरी कराई जा रही थी।

क्षेत्रीय मजदूरों के दूसरे राज्यों में बंधक बनाए जाने की स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के माध्यम से मिलने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर घटना की पूरी जानकारी देकर अनुसूचित जनजाति के लोगों मुक्त कराने का आग्रह किया। तेलंगाना से 14 मजदूरों को मुक्त कराया गया है।

बीमा के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो गिरफ्तार

हैदराबाद , 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मुख्य आरोपी बेल्लारी पवन कुमार (27 वर्ष), निवासी चेन्नई, तमिलनाडु और सौदरी बसवराज (27 वर्ष), निवासी कुर्नूल, आंध्र प्रदेश को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने जनरल इंश्योरेंस के नाम पर ऑनलाइन धोखाधड़ी और जालसाजी की।पीड़ित से प्राप्त शिकायत में कहा गया है कि साइबर जालसाजों ने उनकी कंपनी चोला एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का उपयोग करके सामान्य बीमा के नाम पर आम लोगों से संपर्क किया और उनकी कंपनी के ग्राहकों से उनके द्वारा प्रदान किए गए बैंक खातों में पैसे स्थानांतरित करने के लिए राशि एकत्र की। इस संबंध में साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद ने सीआर नंबर में मामला दर्ज जांच की । पुलिस को छानबीन में पता चला कि आरोपी बेल्लारी पवन कुमार दूसरे आरोपी सौदरी बसवराज की सहायता से एक फर्जी ग्राहक सेवा केंद्र चला रहा था और चोलामंडलम एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी के बीमाकृत व्यक्ति के विवरण की जानकारी एकत्र की, जिन्होंने पहले कंपनी से बीमा पॉलिसियां ली थीं और नवीनीकरण के बहाने राशि एकत्र की थी। चोल एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी के नाम का उपयोग करके उनकी बीमा पॉलिसियां पता की। इन साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने बीमाधारक लोगों को बैंक खाते उपलब्ध कराए और भोले-भाले लोगों को धोखा दिया। इसी तरह दोनों आरोपियों ने करीब 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1,88,599 नकद, 7 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप, 6 एटीएम कार्ड और 6 सिम कार्ड बरामद किया है। पुलिस निरीक्षक के. प्रसाद राव के नेतृत्व वाली टीम में अभिषेक, एसआई, हरिराम, एएसआई, एचसी श्रीनवास और पीसी सतीश, भास्कर, मुरली, नवीन, क्रांति ने आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। पुलिस ने जनता को सावधान किया है कि वे धोखाधड़ी वाली ऑनलाइन वेबसाइटों पर विश्वास न करें और बीमा कंपनियों के नाम पर फर्जी कॉलों पर भी भरोसा न करें और अनधिकृत वेबसाइटों या किसी अन्य माध्यम का अनुसरण न करें।

मंत्रिमंडल में कोदंडराम?

हैदराबाद,28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। ऐसा लगता है कि सीएम रेवंत रेड्डी तेलंगाना आंदोलन के प्रमुख, टीजेएस प्रमुख और मनोनीत एमएलसी कोदंडराम को कैबिनेट में लेने की सोच रहे हैं। खबर है कि उन्हें प्रमुख शिक्षा विभाग आवंटित करने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सीएम बजट बैठक से पहले कैबिनेट का पूर्ण विस्तार करने में जुटे हैं। इस महीने के अंत से पहले यह कवायद पूरी कर ली जाएगी और मंजूरी के लिए अथॉरिटी के पास भेज दी जाएगी। पार्टी में यह बात फैल रही है कि वह आलाकमान की सहमति से फरवरी के पहले सप्ताह में अपने मंत्रिमंडल का पूर्ण विस्तार कर देंगे। फिलहाल कैबिनेट में सीएम समेत 12 लोग हैं।अन्य छह को विस्तार में मौका मिलेगा। मालूम हो कि टीजेएसी के अध्यक्ष के तौर पर तेलंगाना आंदोलन का नेतृत्व करने वाले कोदंडराम को राज्य बनने और बीआरएस के सत्ता में आने के बाद केसीआर ने हटा दिया था। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा करने वाले कोदंडराम ने पार्टी के सत्ता में आने के बाद एमएलसी बनने का वादा किया था। रेवंत सरकार ने राज्यपाल कोटे की एमएलसी सीट के लिए कोदंडराम का नाम प्रस्तावित किया। राज्यपाल ने भी मंजूरी दे दी।जिससे तेलंगाना कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच सकारात्मक माहौल बना। कहा जा रहा है कि इसी सकारात्मकता को और मजबूत करने और लोकसभा चुनाव से पहले उन्हें वोट बैंक में बदलने की रणनीति के तहत वे उन्हें कैबिनेट में लेने की योजना बना रहे हैं। उम्मीद है कि बीआरएस लोकसभा चुनाव में तेलंगाना के मुद्दे को फिर से सामने लाएगा।

वर्तमान में रेवंत सहित कैबिनेट के चार सदस्य रेड्डी समुदाय से हैं। बीसी और एससी समुदायों से दो-दो और एसटी, ब्राह्मण, वेलामा और कम्मा समुदायों से एक-एक हैं। इस बार कैबिनेट विस्तार में रेड्डी समुदाय से किसी नेता को मौका मिल सकता है। संयुक्त निज़ामाबाद जिले से पूर्व मंत्री सुदर्शन रेड्डी का नाम प्रमुखता से सुना जा रहा है। लेकिन कोमती रेड्डी राजगोपाल रेड्डी भी पूरी कोशिश कर रहे ह। कहा कि बीसी, एससी व एसटी से एक-एक लेने का मौका है। बीसी में, गौड़ा समुदाय से पोन्नम प्रभाकर और मुन्नुरुकापु/पदमासाली समुदाय से कोंडा सुरेखा को पहले ही कैबिनेट में शामिल किया जा चुका है। इससे पता चल रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार में मुदिराज समुदाय से आने वाले वाकीति श्रीहरि के नाम पर प्रमुखता से विचार किया जा रहा है। संयुक्त महबूबनगर जिले से पहले से ही सीएम रेवंत और मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव हैं।

मुन्नुरुकापु युवक मंडली का प्रतिनिधिमंडल वीएच से मिला

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र मुन्नुरुकापु युवक मंडली के प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव सुंकारी पी क्रांति कुमार के नेतृत्व में पूर्व पीसीसी अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य वी.हनुमंत राव को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें कांग्रेस अभय हस्तम घोषणापत्र में दिए गए आश्वासन के अनुसार मुन्नुरु कापू निगम की स्थापना करने का अनुरोध किया गया। काचीगुडा मुन्नुरुकापु संघम परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में क्रांति कुमार ने वीएच के ध्यान में लाया कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव घोषणा पत्र पृष्ठ संख्या में आश्वासन दिया था कि पर्याप्त धनराशि के साथ मुन्नुरु कापू निगम की स्थापना करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए वी.एच. ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह सीएम रेवंत रेड्डी के साथ चर्चा करेंगे और चुनावी वादे को पूरा करने के लिए जल्द से जल्द आवश्यक पहल करेंगे। इस अवसर पर टीआरएमकेवाईएम के उपाध्यक्ष आदि अविनाश, पामूर राजेश, ए.अरुण कुमार, जी.नवीन कुमार, कार्यकारी सदस्य जिला मनोज कुमार, एनुगुला साई कुमार और अन्य उपस्थित थे।

अविश्वास प्रस्ताव पर सूर्यापेट में जोरदार ड्रामा

हैदराबाद,28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)।, सूर्यापेट नगरपालिका अध्यक्ष पेरुमल्ला अन्नपूर्णा के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने नाटकीय मोड़ ले लिया क्योंकि बैठक में कोई भी पार्षद शामिल नहीं हुआ। जिला कलेक्टर ने बाद में घोषणा की कि अविश्वास प्रस्ताव पारित नहीं हुआ और अन्नपूर्णा अपने पद पर बनी रहेंगी। हालाँकि कहानी यहीं ख़त्म नहीं हुई, बीआरएस और असंतुष्ट समूह के पार्षद बाद में रविवार को एक पार्षद के घर पर मारपीट करने लगे।

इससे पहले अविश्वास प्रस्ताव के मद्देनजर आयोजित नगर निगम परिषद की बैठक में कोई भी पार्षद नहीं पहुंचा। ऐसा तब हुआ जब 48 में से 32 पार्षदों ने अन्नपूर्णा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करते हुए पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिन्हें बीआरएस द्वारा अध्यक्ष बनने का अवसर प्रदान किया गया था।

अविश्वास प्रस्ताव विफल होने के बाद, असंतुष्ट पार्षद 45वें डिवीजन की पार्षद जी कृपा रानी के घर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया, कुछ ने उनके घर पर अंडे भी फेंके। जब अन्नपूर्णा अन्य बीआरएस नेताओं के साथ वहां पहुंचीं तो वहां भारी तनाव व्याप्त हो गया।

भू माफिया की करतूत

जीते जी मौत का सर्टिफिकेट!

हैदराबाद,28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)।ग्रेटर हैदराबाद तेजी से विकास कर रहा है। शहर के चारों ओर जमीन की भारी मांग बढ रही है। उपनगरों में जमीन खरीदने वालों को सावधान रहना चाहिए। जो लोग यहां जमीन खरीदकर विदेश चले गए, उस जमीन पर कब्जा होना तय है। हालाँकि, कुछ लोग मृत्यु प्रमाण पत्र बनाते हैं। इस तरह अमेरिका के एक शख्स की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की गयी।

राजेंद्र नगर बड़वेल में श्रीनिवास नामक व्यक्ति ने जमीन खरीदी। वह अमेरिका में रहता है। कुछ लोगों की नजर उस जमीन पर पडी। श्रीनिवास को मृत बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार किया गया। उसके लिए एक नकली पत्नी बनाई गई । वह जमीन बेचने के लिए उपपंजीयक कार्यालय आई। दस्तावेज देखकर रजिस्ट्रार को संदेह हुआ।

उप-रजिस्ट्रार ने उस पते पर नोटिस भेजा जहां दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया था। नोटिस जमीन के मालिक श्रीनिवास के पास पहुंच गया। वह तुरंत हैदराबाद आ गया और कहने लगा कि वे उसकी जमीन हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। श्रीनिवास ने सब-रजिस्ट्रार से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वह जमीन नहीं बेच रहे हैं। उन्होंने सब-रजिस्ट्रार को बताया कि किसी ने झूठे दस्तावेज बनाए हैं कि वह मर चुके हैं। इस घटना की शिकायत साइबराबाद पुलिस कमिश्नर से की गई। श्रीनिवास द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस गिरोह को पकड़ने के काम में जुट गई है।

सरपंचों की स्थिति मजदूरों जैसी : बंडी संजय

हैदराबाद,28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा महासचिव और सांसद बंडी संजय कुमार ने कहा कि सरपंचों की स्थिति मजदूरों जैसी हो गयी है। उन्होंने कहा कि क्या यही लोकतंत्र है? बंडी संजय ने कहा कि मैंने सीएम को पत्र लिखा है लेकिन कोई जवाब नहीं आया। बीआरएस की तरह जिला कांग्रेस भी शहंशाह की तरह काम कर रही है। जो काम होता है उसका बिल का भुगतान नही किया जा रहा है। बंडी संजय ने कहा कि अगर यही हाल रहा तो कोई भी सरपंच का चुनाव लड़ने के लिए आगे नहीं आएगा। उन्होंने सभी लंबित बिलों को तुरंत मंजूरी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें नई इमारतें बनाने का मौका देना चाहिए और विपक्षी दलों के संरचनात्मक सुझावों पर विचार करना चाहिए। बंडी संजय ने राज्य सरकार के व्यवहार पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस भी बीआऱएस के राह पर चलती है तो उसका भी वही हाल होगा जो बीआरएस का हुआ।

इस बीच, भाजपा महासचिव और सांसद बंडी संजय कुमार ने करीमनगर जिले के गुनेरुवरम मंडल के मैलारम में स्वयंभू श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के दर्शन किए। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। उसके बाद, पुजारियों ने वैदिक आशीर्वाद दिया और भगवान को तीर्थप्रसादम अर्पित किया। स्वामी के दर्शन करने आये बंदी संजय का मैलारम के ग्रामीणों ने अभूतपूर्व स्वागत किया।

बोधन सीआई प्रेम कुमार पुलिस हिरासत में

हैदराबाद,28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा पुलिस ने कहा कि हैदराबाद के बेगमपेट में प्रजा भवन के पास कार से उत्पात मचाने वाले बोधन के पूर्व विधायक शकील के बेटे साहिल के मामले में दो अन्य को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में साहिल की मदद करने वाले बोधन इंस्पेक्टर प्रेम कुमार, शकील के अनुयायी अब्दुल वासे को रविवार सुबह बोधन में हिरासत में लिया गया और हैदराबाद लाया गया। पिछले महीने की 23 तारीख को आधी रात के बाद साहिल ने अपनी कार अत्यधिक तेज गति से चलाई और प्रजा भवन के सामने ट्रैफिक बैरिकेड्स से टकरा गई। वह इस घटना के बाद दुबई भाग गया। सड़क दुर्घटना के बाद बोधन इंस्पेक्टर प्रेम कुमार की पंजागुट्टा इंस्पेक्टर दुर्गा राव से हुई बातचीत का कॉल रिकॉर्ड पुलिस ने बरामद कर लिया है।

45 दिनों में आऱटीसी बसों में 12 करोड़ महिलाओं ने यात्रा की : सज्जनार

हैदराबाद,28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर ने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने कहा कि 45 दिनों में 12 करोड़ से ज्यादा महिलाएं आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा कर चुकी हैं। उन्होंने तेलुगु विश्वविद्यालय, नामपल्ली में ब्लाइंड एम्प्लॉइज एसोसिएशन द्वारा आयोजित डॉ. लुईस ब्रेल की 215वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कैलेंडर का अनावरण किया।

'मुफ्त यात्रा के कारण दिव्यांगों के लिए आरक्षित सीटों पर भी महिलाएं बैठ रही हैं। आरटीसी बसों में विकलांग लोगों को होने वाली दिक्कतें मेरे ध्यान में आईं। हमें जल्द ही 2,375 नई बसें मिल रही हैं। तब कुछ राहत मिलेगी. यदि आवश्यक हुआ तो आरटीसी प्रबंधन दिव्यांगों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था करने पर विचार कर निर्णय लेगा। सज्जनार ने आश्वासन दिया कि हम घोषणा और पूछताछ कक्ष की नौकरियों में नेत्रहीनों को अवसर देंगे।

दिल्ली में तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि बने मल्लू रवि

हैदराबाद, 28 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मल्लू रवि ने दिल्ली में तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि के रूप में कार्यभार संभाला है। मल्लू रवि ने कहा कि वह केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात करेंगे और तेलंगाना के लंबित मुद्दों को हल करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस पद को जिम्मेदारी से निभाएंगे । वनापर्थी विधायक मेघा रेड्डी, जडचार्ला विधायक अनिरुद्ध रेड्डी, पूर्व सांसद मधुयाश्की गौड़, महबूबनगर और नागर कर्नूल जिलों के कांग्रेस नेताओं ने उन्हें सरकार के विशेष प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त होने पर बधाई दी।

केंद्र के पास कई मुद्दे लंबित हैं, जिनमें सैनिक स्कूल, तेलंगाना राज्य के लिए छावनी में रक्षा विभाग की भूमि शामिल हैं। हाल ही में, रेवंत रेड्डी और भट्टी विक्रमार्क ने 15 मुद्दों के संबंध में प्रधान मंत्री को अनुरोध प्रस्तुत किया था। संघीय भावना के हिस्से के रूप में, केंद्र राज्यों के विकास में योगदान देना चाहिए। जल परियोजनाएं, वित्त, रक्षा आदि मुद्दे लंबित हैं। मेरे पास राजशेखर रेड्डी के शासनकाल के दौरान चार साल तक विशेष प्रतिनिधि के रूप में काम करने का अनुभव है। मल्लू रवि ने कहा रेवंत रेड्डी ने मुझे विशेष की जिम्मेदारी दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.